



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 29 पटना, बुधवार, 28 आषाढ़ 1945 (श10)
19 जुलाई 2023 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1— नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-64
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	65-65
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---
भाग-4—बिहार अधिनियम	---
भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।	---
भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-9—विज्ञापन	---
भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---
भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	66-67
पूरक	---
पूरक-क	68-71

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचनाएं

7 जून 2023

सं० 7/शक्ति प्र०-13-04/2022 सा०प्र०-10755—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ-2 में उल्लेखित कार्मिकों को सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरणी के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को मुजफ्फरपुर जिला में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

अनुसूची

क्र० सं०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/ अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/ कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-20 दिनांक 24.05.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	पंचायत उप निर्वाचन अवधि	पंचायत उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	मुजफ्फरपुर

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

12 जून 2023

सं० 7/शक्ति प्र०-13-04/2022 सा०प्र०-11038—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ-2 में उल्लेखित कार्मिकों को सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरणी के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को बाँका जिला में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

अनुसूची

क्र० सं०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/ अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/ कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (प०)-सह-जिला पदाधिकारी, बाँका के पत्रांक-38 दिनांक 22.05.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	25.05.2023 एवं 27.05.2023	पंचायत उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	बाँका

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

13 जून 2023

सं० 7/शक्ति प्र०-13-04/2022 सा०प्र०-11189—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ-2 में उल्लेखित कार्मिकों को उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरणी के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को विभिन्न जिलों में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

अनुसूची

क्र० सं०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी—सह-जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-08 दिनांक 02.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	नगरपालिका आम/उप निर्वाचन अवधि	नगरपालिका आम/उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	मुजफ्फरपुर
2	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०प०)—सह-जिला पदाधिकारी, मुंगेर के पत्रांक-09 दिनांक 05.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	मुंगेर
3	जिला दण्डाधिकारी, सहरसा के पत्रांक-90-1 दिनांक 02.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	सहरसा
4	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०प०)—सह-जिला पदाधिकारी, बाँका के पत्रांक-32 दिनांक 03.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023 एवं 11.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	बाँका
5	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)—सह-जिलाधिकारी, भागलपुर के पत्रांक-33 दिनांक 07.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	भागलपुर
6	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०प०)—सह-जिलाधिकारी, सारण, छपरा के पत्रांक-88 दिनांक 06.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	सारण, छपरा

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

16 जून 2023

सं० 7/शक्ति प्र०-13-02/2022 सा०प्र०-11494—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ-2 में उल्लेखित कार्मिकों को उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरणी के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को विभिन्न जिलों में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

अनुसूची

क्र० सं०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/ अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/ कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०)-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम के पत्रांक-63 दिनांक 09.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	10.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023 (पुनर्मतदान)	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	रोहतास, सासाराम
2	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०)-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम के पत्रांक-50 दिनांक 07.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	रोहतास, सासाराम
3	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०प०)-सह-जिला पदाधिकारी, मधुबनी के पत्रांक-1733 दिनांक 08.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	सारण, छपरा
4	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०)-सह-जिला पदाधिकारी, किशनगंज के पत्रांक-74 दिनांक 07.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	09.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	किशनगंज
5	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)-सह-जिला पदाधिकारी, जमुई के पत्रांक-13 दिनांक 06.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा-21	निर्वाचन कार्य	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	जमुई

6	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०)—सह—जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद के पत्रांक—4491 दिनांक 07.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा—21	09.06.2023	नगरपालिका आम निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	औरंगाबाद
---	--	---------------------------	------------	-----------------------------	----------------------------	----------

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

20 जून 2023

सं० 7/शक्ति प्र०—13—04/2022 सा०प्र०—11740—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार—राज्यपाल निम्नांकित अनुसूची के स्तम्भ—2 में उल्लेखित कार्मिकों को सम्मुख स्तम्भ में अंकित विवरणी के अनुसार दण्डाधिकारी नियुक्त करते हैं। निदेशानुसार उक्त कार्मिकों को समस्तीपुर जिला में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (ऐक्ट 2, 1974) की संगत धारा के अंतर्गत दण्डाधिकारी की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

अनुसूची

क्र० सं०	कार्मिक का नाम एवं पद नाम	द०प्र०सं० 1973 की धारा, जिसके तहत शक्ति प्रदान की गयी है	तिथि/अवधि	प्रयोजन	दण्डाधिकारी (विशेष कार्यपालक/कार्यपालक)	जिला का नाम
1	2	3	4	5	6	7
1	जिला निर्वाचन पदाधिकारी (न०)—सह—जिला दण्डाधिकारी, समस्तीपुर के पत्रांक—52 दिनांक 09.06.2023 के संलग्न सूची में अंकित कार्मिक।	द०प्र०सं० 1973 की धारा—21	मतदान की तिथि 09.06.2023	नगरपालिका उप निर्वाचन, 2023	विशेष कार्यपालक दंडाधिकारी	समस्तीपुर

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
शालिग्राम पाण्डेय, अवर सचिव।

निगरानी विभाग सूचना भवन, पटना

अधिसूचना 13 जुलाई

सं० 1/नि०वि०स्था०—34/2019—3770—पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना की अधिसूचना संख्या—3747(s) दिनांक 30.06.2023 द्वारा श्री नीरज सक्सेना, प्रभारी मुख्य अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना की सेवा अगले आदेश तक निगरानी विभाग के अन्तर्गत तकनीकी परीक्षक कोषांग में अभियंता प्रमुख के पद पर पदस्थापन हेतु सौंपी गयी है। तदनुसार दिनांक 30.06.2023 के अपराह्न में श्री सक्सेना द्वारा योगदान समर्पित किया गया है।

2. उक्त के आलोक में उनके योगदान की तिथि 30.06.2023 के अपराह्न से योगदान स्वीकृत करते हुए निगरानी विभाग के अधीन तकनीकी परीक्षक कोषांग, पटना में अपने ही वेतनमान में अभियंता प्रमुख के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

3. इसमें माननीय मुख्य (निगरानी) मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
मो० जहाँगीर आलम, उप—सचिव।

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचनाएं

28 जून 2023

सं० 6/वि०पत्रा०-24-13/2019-2219/वा०कर—श्री श्रीधर करुणानिधि, तत्कालीन राज्य-कर सहायक आयुक्त (53वीं-55वीं बैच), नवादा अंचल, नवादा को विभागीय अधिसूचना संख्या-2979 दिनांक 09.10.2019 द्वारा बिहार वित्त सेवा में उनके गहणाधिकार को बरकरार रखते हुये मगध विश्वविद्यालय, बोध गया में सहायक प्राचार्य के पद पर चयनित होने के उपरान्त विरमित किया गया था। बिहार सेवा संहिता के नियम-70(क) के तहत बिहार वित्त सेवा में राज्य-कर सहायक आयुक्त के पद पर उनके गहणाधिकार को समाप्त किया जाता है।

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

मो० मोईनुद्दीन, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त-सह-संयुक्त सचिव।

28 जून 2023

सं० 6/वि०पत्रा०-24-13/2019-2218/वा०कर—श्री शिवानन्द सिंह, तत्कालीन राज्य-कर सहायक आयुक्त (53वीं-55वीं बैच), बिहारशरीफ अंचल, बिहारशरीफ को विभागीय अधिसूचना संख्या-7264 दिनांक 28.12.2018 द्वारा बिहार वित्त सेवा में उनके गहणाधिकार को बरकरार रखते हुये बिहार पुलिस सेवा के अन्तर्गत पुलिस उपाधीक्षक के पद पर चयनित होने के उपरान्त विरमित किया गया था। बिहार सेवा संहिता के नियम-70(क) के तहत बिहार वित्त सेवा में राज्य-कर सहायक आयुक्त के पद पर उनके गहणाधिकार को समाप्त किया जाता है।

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

मो० मोईनुद्दीन, राज्य-कर संयुक्त आयुक्त-सह-संयुक्त सचिव।

30 जून 2023

सं० 6 प.प.—30-01/2022-2228—वाणिज्य-कर विभाग के राज्य-कर संयुक्त आयुक्त कोटि के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए उनके नाम के समक्ष स्तम्भ-6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है :—

क्र. सं.	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
1	श्री विनोद कुमार झा	38वीं	सुपौल	मुख्यालय पटना एवं राज्य कर अपर आयुक्त केन्द्रीय प्रमंडल (प्रशासन) का अतिरिक्त प्रभार (अपने वेतनमान में)	राज्य कर अपर आयुक्त मुख्यालय पटना एवं राज्य कर अपर आयुक्त केन्द्रीय प्रमंडल (प्रशासन) का अतिरिक्त प्रभार (अपने वेतनमान में)
2	श्री सत्येन्द्र कुमार सिन्हा	38वीं	वैशाली	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गया अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त तिरहुत प्रमंडल (प्रशासन) मुजफ्फरपुर (अपने वेतनमान में)
3	श्री पंकज कुमार	38वीं	भोजपुर	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सासाराम अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त पटना पूर्वी प्रमंडल (अपील) (अपने वेतनमान में)
4	श्री रंजीत कुमार सिन्हा	38वीं	औरंगाबाद	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी बेगूसराय अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त पटना पश्चिमी प्रमंडल (प्रशासन) (अपने वेतनमान में)
5	श्री विरेन्द्र कुमार मंडल	38वीं	दरभंगा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मधेपुरा अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी, बेतिया अंचल
6	श्री सुबोध कुमार	38वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय, पटना	राज्य कर अपर आयुक्त मगध प्रमंडल (अंकेक्षण) गया (अपने वेतनमान में)

7	श्री अजय कुमार	38वीं	वैशाली	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुंगेर अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त केन्द्रीय प्रमंडल (अपील) पटना (अपने वेतनमान में)
8	श्री गोपाल कुमार अग्रवाल	38वीं	मधेपुरा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त भागलपुर प्रमंडल (प्रशासन) भागलपुर (अपने वेतनमान में)
9	श्री अशोक चन्द्र श्रीवास्तव	38वीं	पश्चिमी चंपारण	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
10	श्री दिवाकर प्रसाद	38वीं	प0 चम्पारण	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी भागलपुर अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त पटना पश्चिमी प्रमंडल अपील (अपने वेतनमान में)
11	श्री शंकर शर्मा	38वीं	औरंगाबाद	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त दरभंगा प्रमंडल अपील (अपने वेतनमान में)
12	अब्दुल्लाह अंसारी	38वीं	सिवान	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सीतामढ़ी अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त पूर्णियाँ प्रमंडल प्रशासन (अपने वेतनमान में)
13	मो0 मोइनुद्दीन	38वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर अपर आयुक्त अंकेक्षण केन्द्रीय प्रमंडल पटना (अपने वेतनमान में)
14	श्री आदित्य नारायण	38वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना मध्य अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त मुख्यालय (अपने वेतनमान में) पटना पूर्वी प्रमंडल प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार
15	श्री सुनील कुमार	38वीं	गया	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी औरंगाबाद अंचल	राज्य कर अपर आयुक्त तिरहुत प्रमंडल अपील (अपने वेतनमान में)

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गोपाल प्रसाद, राज्य कर उपायुक्त—सह—उप सचिव।

30 जून 2023

सं0 6 प.प.—30—01 / 2022 / 2227—वाणिज्य—कर विभाग के राज्य—कर अपर आयुक्त कोटि (अपने वेतनमान) के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए उनके नाम के समक्ष स्तम्भ—6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है :—

क्र. सं.	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
1.	श्री पुर्णेन्दु कुमार झा	36वीं	कटिहार	राज्य कर अपर आयुक्त, अपील पूर्णियाँ प्रमंडल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त, मुख्यालय, पटना
2.	श्री शारदानन्द झा,	36वीं	कटिहार	राज्य कर अपर आयुक्त, अंकेक्षण मगध प्रमंडल, गया (अपने वेतनमान में)	राज्य कर अपर आयुक्त, अपील भागलपुर प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
3.	श्री संजय कुमार	36वीं	नालंदा	राज्य कर अपर आयुक्त, वसूली कोषांग, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर (अपने वेतनमान में)	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) भागलपुर अंकेक्षण प्रमंडल
4.	श्रीमती बिमला कुमारी	36वीं	पटना	राज्य कर अपर आयुक्त, मुख्यालय, पटना एवं अतिरिक्त प्रभार, पटना पश्चिमी प्रमंडल (प्रशासन) अपने वेतनमान में	राज्य कर अपर आयुक्त, सारण प्रमंडल (प्रशासन) अपने वेतनमान में

5.	श्रीमती सुनिता कुमारी	36वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) केन्द्रीय वसूली कोषांग, पटना एवं राज्य कर अपर आयुक्त पूर्वी प्रमंडल (प्रशासन) का अतिरिक्त प्रभार	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) अंकक्षेत्र पूर्वी प्रमंडल, पटना
6.	श्री नवीन कुमार	37वीं	बेगूसराय	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) वसूली कोषांग, पूर्णियां	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) मुख्यालय, पटना
7.	श्री विपीन कुमार झा	37वीं	दरभंगा	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) अंकक्षेत्र पूर्णियां प्रमंडल, पूर्णियां	राज्य कर अपर आयुक्त, (अपने वेतनमान में) अपील पूर्णियां प्रमंडल, पूर्णियां
8.	श्री सौरभ कुमार सिंह	37वीं	कटिहार	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) अपील तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना
9.	श्री विजया लक्ष्मी प्रसाद	37वीं	पटना	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना एवं अतिरिक्त प्रभार तिरहुत प्रमंडल (प्रशासन) मुजफ्फरपुर	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) तिरहुत प्रमंडल (अंकक्षेत्र) मुजफ्फरपुर
10.	डॉ. सुनिल कुमार	37वीं	नवादा	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) अपील दरभंगा प्रमंडल	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना
11.	श्री कमल किशोर चौधरी	37वीं	गया	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) अंकक्षेत्र दरभंगा प्रमंडल	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) अंकक्षेत्र दरभंगा प्रमंडल के अतिरिक्त अंकक्षेत्र, पूर्णियां प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार
12.	श्री पंकज कुमार प्रसाद	37वीं	पटना	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) भागलपुर प्रमंडल (अंकक्षेत्र) भागलपुर	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना
13.	श्री विजय कुमार आजाद	37वीं	पूर्णियां	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) तिरहुत प्रमंडल (अंकक्षेत्र) मुजफ्फरपुर	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) पटना पश्चिमी प्रमंडल (अंकक्षेत्र) पटना
14.	श्री विरेन्द्र कुमार	37वीं	नालंदा	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) भागलपुर प्रमंडल (अपील) भागलपुर	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) केन्द्रीय वसूली कोषांग पटना
15.	श्री अच्छे लाल प्रसाद	37वीं	सिवान	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) पटना पूर्वी प्रमंडल (अंकक्षेत्र) पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना
16.	श्री मोती लाल	37वीं	गोपालगंज	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना	राज्य कर अपर आयुक्त (अपने वेतनमान में) को वाणिज्य कर न्यायाधिकरण प्रतिनियुक्ति

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गोपाल प्रसाद, राज्य कर उपायुक्त—सह—उप सचिव।

30 जून 2023

सं० 6 प.प.—30—01 / 2022—2230—वाणिज्य—कर विभाग के राज्य—कर उपायुक्त कोटि के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए उनके नाम के समक्ष स्तम्भ—6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है :—

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
1	श्री सुरेन्द्र प्रसाद	38वीं	नवादा	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण पटना पश्चिमी प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुंगेर अंचल (अपने वेतनमान में)
2	श्री रमेश कुमार दास	40वीं	वैशाली	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण दरभंगा प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी तेघड़ा अंचल (अपने वेतनमान में)
3	श्री प्रवीण कुमार	42वीं	कोडरमा	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो का अतिरिक्त प्रभार	राज्य कर संयुक्त आयुक्त (अपने वेतनमान में) प्रभारी पटना दक्षिणी अंचल—ii
4	श्री शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	42वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त प्रभारी लखीसराय अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
5	श्री अजीत कुमार	42वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त प्रभारी रक्सौल अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मोतिहारी अंचल (अपने वेतनमान में)
6	श्री अभिक अवतंश	42वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय, प्रभारी पटना दक्षिणी अंचल—i (अपने वेतनमान में) का अतिरिक्त प्रभार
7	श्री अनुप कुमार	42वीं	नालंदा	राज्य कर उपायुक्त, पटना उत्तरी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गांधी मैदान अंचल पटना (अपने वेतनमान में)
8	श्री अनिल कुमार सिंह विद्यार्थी	42वीं	रोहतास	प्रभारी दानापुर अंचल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी दानापुर अंचल—i (अपने वेतनमान में)
9	श्री शशि भानु	42वीं	अररिया	प्रभारी शाहाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सिटी पश्चिमी अंचल (अपने वेतनमान में)
10	श्री मणीन्द्र कुमार	42वीं	हजारीबाग	प्रभारी सिवान अंचल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी बेगुसराय अंचल (अपने वेतनमान में)
11	श्री प्रमोद कुमार सुमन	42वीं	औरंगाबाद	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण तिरहुत प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त (अपने वेतनमान में) अंकेक्षण पटना पूर्वी प्रमंडल
12	श्री सिरिल बेक	42वीं	रांची	प्रभारी बक्सर अंचल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सारण अंचल, छपरा—i (अपने वेतनमान में)
13	श्री दीपक राज	42वीं	भागलपुर	प्रभारी जहानाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पूर्णियाँ अंचल—ii (अपने वेतनमान में)

14	श्री सुनील कुमार जायसवाल	द्वितीय सीमित	पटना	राज्य कर उपायुक्त अन्वेषण सारण प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय पटना
15	श्री गोपाल प्रसाद	द्वितीय सीमित	नवादा	राज्य कर उपायुक्त-सह-उप सचिव, मुख्यालय पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी जहानाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)
16	श्री कृष्ण कान्त यादवेन्दु	द्वितीय सीमित	पटना	राज्य कर उपायुक्त कटिहार अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मधेपुरा अंचल (अपने वेतनमान में)
17	श्री अशर्फी लाल विद्यार्थी	द्वितीय सीमित	समस्तीपुर	राज्य कर उपायुक्त अन्वेषण ब्यूरो, पटना पूर्वी प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, तिरहुत प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
18	श्री रवि रंजन आलोक	47वीं	जमुई	राज्य कर उपायुक्त प्रभारी खगड़िया अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी औरंगाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)
19	श्री संजय कुमार	47वीं	जमुई	राज्य कर उपायुक्त भागलपुर अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सुपौल अंचल (अपने वेतनमान में)
20	श्री कुमार शैलेन्द्र	48वीं से 52वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सीतामढ़ी अंचल (अपने वेतनमान में)
21	श्री एस0 एम0 इरशाद आरिफ	48वीं से 52वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय, प्रभारी पटना मध्य अंचल—i (अपने वेतनमान में) का अतिरिक्त प्रभार
22	श्री अखिलेश कुमार मिश्र	48वीं से 52वीं	दरभंगा	राज्य कर उपायुक्त प्रभारी तेघड़ा अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सारण अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
23	श्री राम प्रकाश सिन्हा	48वीं से 52वीं	बक्सर	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना उत्तरी अंचल (अपने वेतनमान में)
24	श्री राजीव कुमार झा	48वीं से 52वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त पाटलीपुत्रा अंचल, पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सिवान अंचल (अपने वेतनमान में)
25	श्री विरेन्द्र कुमार सिंह	48वीं से 52वीं	भोजपुर	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी बक्सर अंचल (अपने वेतनमान में)
26	श्री राजीव रंजन प्रसाद	48वीं से 52वीं	नालंदा	पदस्थापन की प्रतीक्षा में	राज्य कर उपायुक्त केन्द्रीय वसूली कोषांग, पटना
27	श्री नरेश कुमार	48वीं से 52वीं	गया	राज्य कर उपायुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी शाहाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)
28	श्री मनोज कुमार साह	48वीं से 52वीं	पटना	राज्य कर उपायुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी नवादा अंचल (अपने वेतनमान में)
29	असदुल्लाह गालिब अंसारी	48वीं से 52वीं	कैमूर	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना एवं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो का अतिरिक्त प्रभार	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी कदमकुआं अंचल, पटना (अपने वेतनमान में)
30	श्री हरेन्द्र कुमार मांझी	48वीं से 52वीं	सिवान	राज्य कर उपायुक्त सारण अंचल छपरा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सासाराम अंचल (अपने वेतनमान में)

31	श्रीमती गायत्री कुमारी आर्या	48वीं से 52वीं	नालंदा	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण मगध प्रमंडल गया	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना सिटी पूर्वी अंचल (अपने वेतनमान में)
32	श्री ओम कुमार सिन्हा	48वीं से 52वीं	रोहतास	राज्य कर उपायुक्त प्रभारी सुपौल अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गया अंचल-2 (अपने वेतनमान में)
33	श्री सुरेन्द्र कुमार	48वीं से 52वीं	बक्सर	राज्य कर उपायुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी रक्सौल अंचल (अपने वेतनमान में)
34	श्री रणजीत कुमार रजक	48वीं से 52वीं	भोजपुर	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय पटना एवं प्रभारी हाजीपुर अंचल का अतिरिक्त प्रभार	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पाटलीपुत्रा अंचल, पटना (अपने वेतनमान में)

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
गोपाल प्रसाद, राज्य कर उपायुक्त-सह-उप सचिव।

30 जून 2023

सं० 6 प.प.-30-01/2022-2231—वाणिज्य-कर विभाग के राज्य-कर सहायक आयुक्त के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए उनके नाम के समक्ष स्तम्भ-6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है :-

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
1	श्री राजकिशोर शाह	विशेष/218	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो, मगध प्रमंडल, गया
2	अनुपमा कुमारी	48वीं से 52वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त कदमकुआँ अंचल	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) प्रभारी पटना मध्य अंचल-ii के पद पर कार्य करेंगी
3	श्री मुस्तर अकरम	48वीं से 52वीं	हजारीबाग	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, गया	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) प्रभारी दानापुर अंचल-ii के पद पर कार्य करेंगे
4	श्री दिलीप कुमार साह	तृतीय सीमित	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त सहरसा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) प्रभारी फारबिसगंज अंचल के रूप में कार्य करेंगे
5	श्री राजेश कुमार	तृतीय सीमित	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त गया अंचल-ii (अपने वेतनमान में)
6	श्री उदय शंकर मिश्र	तृतीय सीमित	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो सारण प्रमंडल, छपरा	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) प्रभारी खगड़िया अंचल के रूप में कार्य करेंगे

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
7	श्री प्रवीण कुमार	तृतीय सीमित	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त बेतिया अंचल	राज्य कर उपायुक्त, सीतामढ़ी अंचल (अपने वेतनमान में)
8	श्री सुनील कुमार सिंह	तृतीय सीमित	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त झंझारपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, गया अंचल—i (अपने वेतनमान में)
9	श्री बलराम प्रसाद	तृतीय सीमित	सारण	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) सिवान अंचल
10	श्री मनोज कुमार	तृतीय सीमित	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त सासाराम अंचल	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) (फ्लोटिंग पद के विरुद्ध) प्रभारी लखीसराय अंचल के पद पर कार्य करेंगे
11	श्री संतोष कुमार गुप्ता	तृतीय सीमित	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मधुबनी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, बाढ़ अंचल (अपने वेतनमान में)
12	श्री धर्मदेव कुमार	तृतीय सीमित	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त खगड़िया अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मधुबनी अंचल (अपने वेतनमान में)
13	श्री शिवनारायण पासवान	तृतीय सीमित	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त किशनगंज अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i (अपने वेतनमान में)
14	श्री कुमारी गुंजन भारती	तृतीय सीमित	सीतामढ़ी	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
15	श्री कृष्ण मोहन सिंह	53वीं से 55वीं	वैशाली	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना पश्चिमी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
16	निवेदिता	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर उपायुक्त, अंकेक्षण तिरहुत प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
17	श्री मुनेश्वर प्रसाद	53वीं से 55वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त समस्तीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना सिटी पश्चिमी अंचल (अपने वेतनमान में)
18	शौकत अली अंसारी	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त बक्सर अंचल	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण केन्द्रीय प्रमंडल पटना (अपने वेतनमान में)
19	श्री अभिनव कुमार झा	53वीं से 55वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त पाटलीपुत्र अंचल, पटना	राज्य कर उपायुक्त पाटलीपुत्रा अंचल (अपने वेतनमान में)
20	श्री तेज कान्त झा	53वीं से 55वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर उपायुक्त हाजीपुर अंचल, (अपने वेतनमान में)
21	श्री राजेश रंजन भारती	53वीं से 55वीं	मधेपुरा	राज्य कर सहायक आयुक्त बेगुसराय अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना विशेष अंचल (अपने वेतनमान में)
22	श्री क्षितिज कुमार सिंह	53वीं से 55वीं	उत्तर प्रदेश	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना दक्षिणी अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
23	प्रतिमा कुमारी	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय पटना (अपने वेतन मान में)
24	श्री प्रशान्त कुमार झा	53वीं से 55वीं	सहरसा	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, पटना	राज्य कर उपायुक्त गोपालगंज अंचल, (अपने वेतनमान में)
25	श्री रौशन कुमार	53वीं से 55वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त समस्तीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पटना मध्य अंचल—ii (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
26	श्री जीतेन्द्र कुमार	53वीं से 55वीं	आरा	राज्य कर सहायक आयुक्त मोतीहारी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बगहा अंचल
27	श्री सिकंदर साव	53वीं से 55वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त बगहा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, तेघड़ा, अंचल
28	श्री आशीश रंजन	53वीं से 55वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त बेगुसराय अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुंगेर अंचल (अपने वेतनमान में)
29	श्री शशि भूषण	53वीं से 55वीं	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण, पूर्णिया प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त, कटिहार अंचल (अपने वेतनमान में)
30	निहारिका छवि	53वीं से 55वीं	आरा	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, पटना	राज्य कर उपायुक्त पाटलीपुत्रा अंचल (अपने वेतनमान में)
31	श्री ज्ञानदेव प्रभाकर	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त भागलपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i (अपने वेतनमान में)
32	श्री रविन्द्र कुमार	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना पश्चिमी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, भागलपुर अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
33	रेणु कुमारी	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
34	कुमारी रश्मि	53वीं से 55वीं	पश्चिमी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना दक्षिणी अंचल—i (अपने वेतनमान में)
35	श्री अभय कुमार	53वीं से 55वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त जहानाबाद अंचल	राज्य कर उपायुक्त, औरंगाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
36	मो० नसीम	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त शाहाबाद अंचल, आरा	राज्य कर उपायुक्त, बिहारशरीफ अंचल (अपने वेतनमान में)
37	श्री बाल्मिकी कुमार	53वीं से 55वीं	जहानाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, पटना	राज्य कर उपायुक्त पटना विशेष अंचल अपने वेतनमान में
38	श्री अजीत रंजन	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, मगध प्रमंडल, गया	राज्य कर उपायुक्त, तिरहुत अंकेक्षण प्रमंडल, मुजफ्फरपुर (अपने वेतनमान में)
39	हेमलता कुमारी	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, पटना पश्चिमी प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
40	श्री कुशेश्वर राउत	53वीं से 55वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त दरभंगा अंचल	राज्य कर उपायुक्त दरभंगा अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
41	श्री सुकेश कुमार	53वीं से 55वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
42	श्री गोपाल कुमार	53वीं से 55वीं	नवादा	राज्य कर सहायक आयुक्त मुंगेर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय पटना विशेष अंचल (अपने वेतनमान में)
43	इन्दु कुमारी	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, कदमकुआँ अंचल, पटना (अपने वेतनमान में)
44	श्री विशाल कुमार	53वीं से 55वीं	सारण	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण, केन्द्रीय प्रमंडल, पटना	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय, पटना (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
45	श्री मुकेश कुमार	53वीं से 55वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पाटलीपुत्र अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय, पटना (अपने वेतनमान में)
46	श्री मनीष कुमार गुप्ता	53वीं से 55वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त नवादा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पटना उत्तरी अंचल (अपने वेतनमान में)
47	श्री उमापति नारायण	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण पूर्णियाँ प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त अंकेक्षण पूर्णियाँ प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
48	अंजू कुमारी	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल (अपने वेतनमान में)
49	श्री मुकेश कुमार चौधरी	53वीं से 55वीं	सीतामढ़ी	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर उपायुक्त गया अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
50	श्री राजू रंजन	53वीं से 55वीं	सारण	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, अंकेक्षण पटना पश्चिमी प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
51	श्री अरुण कुमार चौधरी	53वीं से 55वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, भागलपुर प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त, (अपने वेतनमान में) अन्वेषण ब्यूरो, भागलपुर प्रमंडल
52	श्री प्रमोद चौधरी	तृतीय सीमित	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मधेपुरा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, गोपालगंज अंचल (अपने वेतनमान में)
53	श्री मनोज कुमार कर्ण	तृतीय सीमित	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, पूर्णिया	राज्य कर उपायुक्त, फारबिसगंज अंचल (अपने वेतनमान में)
54	श्री रोहिणी कुमार मिश्र	तृतीय सीमित	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, पटना पूर्वी प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त, समस्तीपुर अंचल (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
55	श्री प्रेमचंद भारती	तृतीय सीमित	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण पटना पश्चिमी प्रमंडल	राज्य कर उपायुक्त बिहारशरीफ अंचल (अपने वेतनमान में)
56	श्री राजन कुमार श्रीवास्तव	तृतीय सीमित	पूर्वी चम्पारण	राज्य कर सहायक आयुक्त बेतिया अंचल	राज्य कर उपायुक्त बेतिया अंचल (अपने वेतनमान में)
57	श्री अवधेश सिंह	तृतीय सीमित	वैशाली	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, मुजफ्फरपुर	राज्य कर उपायुक्त, सारण अंचल—i (अपने वेतनमान में)
58	श्री विनय कुमार ठाकुर	तृतीय सीमित	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, भागलपुर	राज्य कर उपायुक्त, अंकेक्षण दरभंगा प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
59	श्री दया शंकर सिंह	तृतीय सीमित	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर उपायुक्त, दानापुर अंचल—i (अपने वेतनमान में)
60	श्री शंकर चौधरी	तृतीय सीमित	मधेपुरा	राज्य कर सहायक आयुक्त कटिहार अंचल	राज्य कर उपायुक्त, किशनगंज अंचल (अपने वेतनमान में)
61	मो० अनवारूल हक	तृतीय सीमित	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त किशनगंज अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पूर्णियाँ अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
62	श्री संतोष कुमार चौधरी	तृतीय सीमित	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त झंझारपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, अन्वेषण ब्यूरो पूर्णियाँ प्रमंडल (अपने वेतनमान में)
63	श्री ज्ञानी दास	तृतीय सीमित	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त तेघड़ा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, औरंगाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
64	श्री उमेश चन्द्रा	तृतीय सीमित	नवादा	राज्य कर सहायक आयुक्त लखीसराय अंचल	राज्य कर उपायुक्त, शाहाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)
65	श्री उदय कुमार	तृतीय सीमित	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त सासाराम अंचल	राज्य कर उपायुक्त, सारण अंचल—ii (अपने वेतनमान में)
66	श्री संतोष कुमार	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पूर्वी अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना सिटी पूर्वी अंचल (अपने वेतनमान में)
67	श्री योगेन्द्र शर्मा	53वीं से 55वीं	जहानाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त जमुई अंचल	राज्य कर उपायुक्त मुंगेर अंचल में पदस्थापित करते हुए, जमुई अंचल में प्रतिनियुक्त (अपने वेतनमान में)
68	श्री यदुवंश	53वीं से 55वीं	लखीसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, भागलपुर अंचल—i (अपने वेतनमान में)
69	श्री विवेक	53वीं से 55वीं	सारण	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
70	श्री अजय प्रकाश	53वीं से 55वीं	सिवान	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिण अंचल	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
71	मिनी	53वीं से 55वीं	बांका	राज्य कर सहायक आयुक्त पाटलीपुत्र अंचल	राज्य कर उपायुक्त भागलपुर अंचल—i (अपने वेतनमान में)
72	श्री अजय कुमार सिंह	53वीं से 55वीं	उत्तर प्रदेश	राज्य कर सहायक आयुक्त शाहाबाद अंचल, आरा	राज्य कर उपायुक्त, पाटलीपुत्रा अंचल (अपने वेतनमान में)
73	श्री दिनेश कुमार	53वीं से 55वीं	उत्तर प्रदेश	राज्य कर सहायक आयुक्त भभुआ अंचल	राज्य कर उपायुक्त, सीतामढ़ी अंचल (अपने वेतनमान में)
74	श्री शिव कुमार	53वीं से 55वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त हापीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—ii (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
75	श्री विवेक कुमार	53वीं से 55वीं	सहरसा	राज्य कर सहायक आयुक्त दरभंगा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, केन्द्रीय प्रमंडल अन्वेषण ब्यूरो, पटना (अपने वेतनमान में)
76	श्री विवेकानंद राय	53वीं से 55वीं	बाँका	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त हाजीपुर अंचल (अपने वेतनमान में)
77	अंजु कुमारी	53वीं से 55वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय	राज्य कर उपायुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय (अपने वेतनमान में)
78	श्री अमित अंकित	53वीं से 55वीं	बेगुसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर उपायुक्त गया अंचल—i (अपने वेतनमान में)
79	स्वर्णलता किरण	53वीं से 55वीं	बक्सर	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, दरभंगा अंचल—i (अपने वेतनमान में)
80	श्री विशाल कुमार गुप्ता	53वीं से 55वीं	नवादा	राज्य कर सहायक आयुक्त सिवान अंचल	राज्य कर उपायुक्त, सारण अंचल—i (अपने वेतनमान में)
81	श्री राजीव रंजन	53वीं से 55वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त दानापुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, अन्वेषण ब्यूरो, मगध प्रमंडल, गया (अपने वेतनमान में)
82	श्री रविन्द्र कुमार	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना विशेष अंचल (अपने वेतनमान में)
83	श्री दीना नाथ अग्रवाल	53वीं से 55वीं	गोपालगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त भागलपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पाटलीपुत्रा अंचल (अपने वेतनमान में)
84	मो० शब्बीर	53वीं से 55वीं	शिवहर	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मोतिहारी अंचल (अपने वेतनमान में)
85	शशि बाला	53वीं से 55वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर उपायुक्त, दरभंगा अंचल—ii (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
86	श्री देव आनन्द	53वीं से 55वीं	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त मुख्यालय पटना। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो का अतिरिक्त प्रभार (अपने वेतनमान में)
87	शब्बीर आलम	53वीं से 55वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त पटना मध्य अंचल-i (अपने वेतनमान में)
88	श्री विकी कुमार विश्वकर्मा	53वीं से 55वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त जमुई अंचल	राज्य कर उपायुक्त, सारण प्रमंडल, अन्वेषण ब्यूरो, छपरा (अपने वेतनमान में)
89	आबिद सुबहानी	53वीं से 55वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त समस्तीपुर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, शाहाबाद अंचल (अपने वेतनमान में)
90	श्री आकाश कुमार	53वीं से 55वीं	सिवान	राज्य कर सहायक आयुक्त बक्सर अंचल	राज्य कर उपायुक्त, पटना पश्चिमी अंचल (अपने वेतनमान में)
91	श्री अनिल कुमार शाह	53वीं से 55वीं	सिवान	राज्य कर सहायक आयुक्त प्रशिक्षण प्रकोष्ठ मुख्यालय पटना	राज्य कर उपायुक्त प्रशिक्षण प्रकोष्ठ मुख्यालय पटना (अपने वेतनमान में)
92	श्री संजय कुमार	53वीं से 55वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त दरभंगा अंचल	राज्य कर उपायुक्त, मुख्यालय, पटना (अपने वेतनमान में)
93	श्री सतीश कुमार	53वीं से 55वीं	अरवल	राज्य कर सहायक आयुक्त रक्सौल अंचल	राज्य कर उपायुक्त, भभुआ अंचल (अपने वेतनमान में)
94	श्री सच्चिदानंद विश्वास	53वीं से 55वीं	सुपौल	राज्य कर सहायक आयुक्त सुपौल अंचल	राज्य कर उपायुक्त पटना उत्तरी अंचल (अपने वेतनमान में)
95	श्री सुशील कुमार सुमन	53वीं से 55वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त औरंगाबाद अंचल	राज्य कर उपायुक्त, गाँधी मैदान अंचल, पटना (अपने वेतनमान में)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
96	श्री संतोष कुमार	56वीं से 59वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
97	श्री मानव सौरभ	56वीं से 59वीं	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—ii
98	श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह	56वीं से 59वीं	छपरा (सारण)	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i
99	विनिता बत्स	56वीं से 59वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय पटना
100	श्री सन्नी	56वीं से 59वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सासाराम अंचल
101	वन्दना	56वीं से 59वीं	बक्सर	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—i
102	श्री ददन कुमार सिंह	56वीं से 59वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना उत्तरी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, समस्तीपुर अंचल
103	श्री विवेक कुमार गुप्ता	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, समस्तीपुर अंचल
104	नरगिस	56वीं से 59वीं	किशनगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त पूर्णिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, कटिहार अंचल
105	शिप्रा कुमारी	56वीं से 59वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—ii

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
106	श्री संदीप तेतरवे	56वीं से 59वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
107	श्री अविनाश सिंह	56वीं से 59वीं	बलिया (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त सासाराम अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सीतामढ़ी अंचल
108	रश्मि रंजीता	56वीं से 59वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त बेतिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—i
109	श्री प्रसून पुश्कर	56वीं से 59वीं	बेगुसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल
110	श्री इन्द्रजीत कुमार	56वीं से 59वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
111	मो० अफजल हसनैन	56वीं से 59वीं	सीतामढ़ी	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल—i
112	श्री परिणय कुमार प्रसून	56वीं से 59वीं	पूर्णियाँ	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना पश्चिमी अंचल
113	श्री समीर परिमल	56वीं से 59वीं	गोपालगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अंकेक्षण पटना पूर्वी प्रमंडल
114	श्री आदित्य कुमार	56वीं से 59वीं	पूर्णियाँ	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, फारबिसगंज अंचल
115	सुजाता प्रसाद	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त शाहाबाद अंचल, आरा	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
116	अनामिका	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बिहारशरीफ अंचल

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
117	श्री सुजीत कुमार मिश्रा	56वीं से 59वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मोतिहारी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अंकेक्षण सारण प्रमंडल, छपरा
118	श्री राम कृपाल साह	56वीं से 59वीं	सीतामढ़ी	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल—ii
119	श्री संतोष कुमार	56वीं से 59वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त सारण अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना पश्चिमी अंचल
120	श्री विकास कुमार सिंह	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त बिहारशरीफ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो सारण अंचल
121	श्री मानवेन्द्र सिंह परिहार	56वीं से 59वीं	इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना सिटी पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
122	श्री कमलेश कुमार प्रकाश	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
123	श्री रोहित दूबे	56वीं से 59वीं	आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त सीतामढ़ी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i
124	शर्मिका बाजपेयी	56वीं से 59वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अंकेक्षण प्रमंडल, दरभंगा
125	श्री तरुण कुमार	56वीं से 59वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना उत्तरी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—i
126	श्री रोहित रंजन	56वीं से 59वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, झंझारपुर अंचल
127	पुनीता कुमारी	56वीं से 59वीं	सुपौल	राज्य कर सहायक आयुक्त गोंधी मैदान अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—i

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
128	कुमारी खुशबू रानी	56वीं से 59वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त सीतामढ़ी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंकेक्षण प्रमंडल
129	श्री प्रदीप कुमार सिंह	56वीं से 59वीं	बांका	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, जमुई अंचल
130	श्री अभिरंजन रोहित	56वीं से 59वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पूर्णिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, कटिहार अंचल
131	श्री आनंद कुमार	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त पूर्णिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—ii
132	श्री रणजीत कुमार	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बक्सर अंचल
133	श्री अर्जुन कुमार	56वीं से 59वीं	पूर्णियाँ	राज्य कर सहायक आयुक्त बेगुसराय अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, किशनगंज अंचल
134	श्वेता रानी	56वीं से 59वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त	राज्य कर सहायक आयुक्त, गाँधी मैदान अंचल
135	श्री अजय कुमार पंडित	56वीं से 59वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त बाढ़ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—i
136	श्री मनोज कुमार पॉल	56वीं से 59वीं	कैमुर	राज्य कर सहायक आयुक्त औरंगाबाद अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सासाराम अंचल
137	श्री अरुण नाथ	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त कटिहार अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सिवान अंचल

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
138	श्री नीरज कुमार	56वीं से 59वीं	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मधेपुरा अंचल
139	रेफाकत हुसैन	56वीं से 59वीं	सीवान	राज्य कर सहायक आयुक्त समस्तीपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेगुसराय अंचल
140	सरिता सिंह	56वीं से 59वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त औरंगाबाद अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—i
141	प्रीति कुमारी	56वीं से 59वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त बेगुसराय अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—ii
142	श्री अरविन्द कुमार राम	56वीं से 59वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त सिवान अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना सिटी पश्चिमी अंचल
143	श्री संतोष कुमार	56वीं से 59वीं	कैमुर	राज्य कर सहायक आयुक्त रक्सौल अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सासाराम अंचल
144	दिव्या ज्योति	56वीं से 59वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भभुआ अंचल
145	श्री सुधांशु कुमार	56वीं से 59वीं	बक्सर	राज्य कर सहायक आयुक्त सिवान अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, शाहाबाद अंचल
146	श्री उमेश कुमार दास	56वीं से 59वीं	जमुई	राज्य कर सहायक आयुक्त दानापुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सासाराम अंचल
147	संगीता कुमारी	56वीं से 59वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त सासाराम अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना सिटी पूर्वी अंचल

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
148	श्री ललिन्द्र कुमार	56वीं से 59वीं	नवादा	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेगुसराय अंचल
149	श्री शशि भूषण कुमार	56वीं से 59वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त किशनगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मधुबनी अंचल
150	श्री आशीश कुमार पासवान	56वीं से 59वीं	नालन्दा	राज्य कर सहायक आयुक्त खगड़िया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बाढ़ अंचल
151	श्री नवनीत कुमार भारती	56वीं से 59वीं	बेगुसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त गौंधी मैदान अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल—ii
152	कुमारी अनु सोनी	56वीं से 59वीं	सिवान	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकुषण सारण प्रमंडल	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल
153	श्री राजीव रंजन सिंह	56वीं से 59वीं	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त फारबिसगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—ii
154	श्री अमरेश कुमार	56वीं से 59वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर
155	श्री नागेन्द्र प्रसाद	56वीं से 59वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त दरभंगा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त दरभंगा अंचल—i
156	श्री सुमन कुमार मिश्रा	60वीं से 62वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त पाटलीपुत्र अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
157	श्री संजय कुमार मिश्र	60वीं से 62वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त पाटलीपुत्र अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, जहानाबाद अंचल

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
158	श्री पवन कुमार मिश्र	60वीं से 62वीं	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त पूर्णिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—ii
159	श्री ज्योति नन्दन	60वीं से 62वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त शाहाबाद अंचल, आरा	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल—ii
160	श्री रवीश कुमार सिंह	60वीं से 62वीं	धनबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त बाढ़ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, नवादा अंचल
161	श्री चंदन कुँवर	60वीं से 62वीं	गोपालगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त कदम कुआँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
162	आकांक्षी	60वीं से 62वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना विशेष अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
163	श्री सिकेश कुमार	60वीं से 62वीं	पूर्णिया	राज्य कर सहायक आयुक्त समस्तीपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो, दरभंगा प्रमंडल
164	श्री ललितेन्दु राय	60वीं से 62वीं	अमेठी (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त मोतीहारी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, विशेष अंचल, पटना
165	श्री निखिल कुमार बिसैन	60वीं से 62वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पाटलीपुत्रा अंचल
166	श्री सीतेश कुमार	60वीं से 62वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेतिया अंचल
167	वन्दना कुमारी	60वीं से 62वीं	बेगुसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण, पटना पूर्वी प्रमंडल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
168	मो० इरफान हैदर	60वीं से 62वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त बाढ़ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—ii

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
169	श्री देवाश्री	60वीं से 62वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त भागलपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—ii
170	श्री कुमार नयन	60वीं से 62वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त सारण अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल
171	श्री चन्द्र शेखर सिंह	60वीं से 62वीं	मऊ (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त भभुआ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंकेक्षण प्रमंडल
172	श्री सुजीत कुमार	60वीं से 62वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त जहानाबाद अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, खगड़िया अंचल
173	श्री साकेत सुमन	60वीं से 62वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मुंगेर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, कदमकुआँ अंचल
174	असलम दानिश	60वीं से 62वीं	किशनगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त बिहारशरीफ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, फारबिसगंज अंचल
175	श्री रत्नेश रंजन	60वीं से 62वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त मुंगेर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो, भागलपुर प्रमंडल
176	पुनम कुमारी	60वीं से 62वीं	सिवान	राज्य कर सहायक आयुक्त अंकेक्षण, पटना पूर्वी प्रमंडल	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
177	वन्दना वशिष्ठ	60वीं से 62वीं	पूर्णिया	राज्य कर सहायक आयुक्त कटिहार अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, किशनगंज अंचल
178	निधि कुमारी	60वीं से 62वीं	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त गौंधी मैदान अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय पटना
179	मेधा श्रेयसी	60वीं से 62वीं	मुंगेर	राज्य कर सहायक आयुक्त लखीसराय अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेगुसराय अंचल
180	मो० जावेद अख्तर	60वीं से 62वीं	गोपालगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त मधुबनी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बगहा अंचल

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
181	श्री हर्षराज आनन्द	60वीं से 62वीं	शेखपुरा	राज्य कर सहायक आयुक्त सीतामढ़ी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल
182	श्री मनोज कुमार सिंह	60वीं से 62वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, रक्सौल अंचल
183	श्री संजीवानंद	60वीं से 62वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त सीतामढ़ी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—ii
184	सबानाज परवीन	60वीं से 62वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त बक्सर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल—ii
185	स्मिता शर्मा	60वीं से 62वीं	लखीसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त मोतिहारी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, रक्सौल अंचल
186	श्री सोनू कुमार	60वीं से 62वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त सहरसा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना सिटी पश्चिमी अंचल
187	श्री भास्कर कुमार रजक	60वीं से 62वीं	सहरसा	राज्य कर सहायक आयुक्त किशनगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सुपौल अंचल
188	श्री मनीष प्रभाकर	60वीं से 62वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त मुंगेर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेगुसराय अंचल
189	श्री जय शंकर कुमार	60वीं से 62वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त हाजीपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गोपालगंज अंचल
190	श्री मृत्युंजय कुमार	60वीं से 62वीं	पूर्वी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त तेघड़ा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेतिया अंचल
191	श्री शुभ आशीष	60वीं से 62वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त रक्सौल अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो दरभंगा प्रमंडल
192	श्री प्रेम प्रकाश चौधरी	60वीं से 62वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त बगहा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना सिटी पूर्वी

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
193	शालिनी प्रिया	60वीं से 62वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना उत्तरी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बक्सर अंचल
194	श्री राजा बाबू	60वीं से 62वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त बेतिया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय पटना में पदस्थापित करते हुए मुख्यालय में प्रतिनियुक्त
195	रानी कुमारी	60वीं से 62वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त जमुई अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, लखीसराय अंचल
196	बबिता कुमारी	60वीं से 62वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त औरंगाबाद अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—ii
197	ज्योत्सना भारती	60वीं से 62वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त नवादा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—i
198	श्री पंकज कुमार सिंह	60वीं से 62वीं	औरंगाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त अन्वेषण ब्यूरो, गया प्रमंडल, गया	राज्य कर सहायक आयुक्त, झंझारपुर अंचल
199	सुस्मिता कुमारी	60वीं—62वीं	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंकेक्षण प्रमंडल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—i
200	मो० आशिफ	60वीं—62वीं	बेगुसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय प्रमंडल अन्वेषण ब्यूरो	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—ii
201	श्री सुजीत कुमार	60वीं—62वीं	गया	राज्य कर सहायक आयुक्त, औरंगाबाद अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुंगेर अंचल
202	वन्दना भारती	60वीं—62वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—i
203	टूटू कुमारी	60वीं—62वीं	कटिहार	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i
204	श्री सोनल कुमार	63वीं	नवादा	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय प्रमंडल अन्वेषण ब्यूरो	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—ii

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
205	संगीता गुर्जर	63वीं	बक्सर	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय प्रमंडल अन्वेषण ब्यूरो	राज्य कर सहायक आयुक्त, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय पटना
206	श्री कमलशील	63वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त सासाराम अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, नवादा अंचल
207	खुशबू सिंह	63वीं	बक्सर	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—ii
208	श्री राहुल कुमार	63वीं	भागलपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त फारबिशगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, कटिहार अंचल
209	श्री अविनाश कुमार	63वीं	अररिया	राज्य कर सहायक आयुक्त झंझारपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, बेगुसराय अंचल
210	श्वेता सिंह	63वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, कदमकुआँ अंचल
211	अचला नन्दिनी	63वीं	पूर्वी चम्पारण	राज्य कर सहायक आयुक्त गोपालगंज अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल—i
212	अनामिका कुमारी	63वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, औरंगाबाद अंचल
213	आस्था गार्गी	63वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
214	कौशिकी कौशल	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i
215	श्री मनीष कुमार तरुण	63वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, अन्वेषण ब्यूरो पूर्णियाँ प्रमंडल
216	सरिता कुमारी	63वीं	मधुबनी	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल, अन्वेषण ब्यूरो	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—ii

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
217	श्री मनीष कुमार सिकंदर	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, खगड़िया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—ii
218	श्री विवेक मिश्र	63वीं	गोरखपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—ii
219	श्री कुमार शशांक	63वीं	पूर्णियाँ	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—ii
220	स्नेहा वर्मा	63वीं	प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—i
221	श्री अमीत कुमार	63वीं	लखीसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—i
222	सौम्या	63वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—i
223	श्री चन्दन कुमार	63वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—i
224	श्री कुमार सौरभ	63वीं	पश्चिमी चंपारण	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—i
225	प्राची प्रिया	63वीं	वैशाली	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—i
226	अनुपम कुमारी	63वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—ii
227	शामीन फिरदौस	63वीं	पश्चिमी चम्पारण	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—i
228	रश्मि कुमारी	63वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—i

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
229	शोभना	63वीं	जहानाबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना दक्षिणी अंचल—ii
230	शिल्पी कुमारी	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
231	दिव्या प्रसन्न	63वीं	वैशाली	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल—ii
232	कुसुम कुमारी	63वीं	दरभंगा	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल—i
233	ताविषी प्रिया	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, दानापुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल
234	श्री संदीप कुमार	63वीं	रोहतास	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—i
235	श्री पंकज कुमार	63वीं	धनबाद	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—i
236	श्री सुजय कुमार	63वीं	पूर्णियाँ	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—ii
237	बिरंजनी रानी	63वीं	नालंदा	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—ii
238	श्री पवन कुमार साह	63वीं	गोपालगंज	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल—i
239	श्री आशीष शौरभ आसुतोष	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i
240	श्री प्रिय रंजन	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—ii

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
241	श्री सितेश कुमार	63वीं	खगड़िया	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i
242	श्री अभिषेक कुमार	63वीं	पूर्वी चम्पारण	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i
243	श्री ऋषि कुमार	63वीं	भोजपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—i
244	श्री आश्विनी कुमार	63वीं	पश्चिमी चम्पारण	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—ii
245	श्री संजीव कुमार	63वीं	मोतिहारी	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, पूर्णियाँ अंचल—ii
246	श्री आशीष कुमार	63वीं	लखीसराय	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—i
247	श्री गुंजन कुमार	63वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—i
248	श्री अभिषेक आनंद	63वीं	सहरसा	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—ii
249	श्री सौरभ कुमार	63वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—ii
250	मो० वसीम	64वीं	अरवल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, सारण अंचल—ii सम्प्रति मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति
251	सलोनी सौम्या	64वीं	मुजफ्फरपुर	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—ii सम्प्रति मुख्यालय में प्रतिनियुक्ति
252	श्री शिवम प्रकाश	64वीं	पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल (प्रतिनियुक्त)	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—i (मुख्यालय में प्रतिनियुक्त)

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
253	श्री सुधीर कुमार	66वीं	वैशाली	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना उत्तरी अंचल
254	श्री ब्रजेश कुमार	66वीं	अररिया	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना मध्य अंचल—ii
255	श्री सिद्धान्त कुमार	66वीं	पटना	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, गया अंचल—i
256	श्री मयंक प्रकाश	66वीं	पूर्णिया	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, भागलपुर अंचल—i
257	मो० मसरूर अखतर	66वीं	बेगुसराय	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, समस्तीपुर अंचल
258	श्री रविशंकर	66वीं	पटना	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, मोतिहारी अंचल
259	मोनिका सुमन	66वीं	औरंगाबाद	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, पटना पश्चिमी अंचल
260	मो० वसीम अकरम	66वीं	पटना	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, दरभंगा अंचल—ii
261	श्रीमती ज्योति कुमारी	66वीं	पटना	परीक्ष्यमान राज्य कर सहायक आयुक्त, मुख्यालय, पटना	राज्य कर सहायक आयुक्त, हाजीपुर अंचल

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गोपाल प्रसाद, राज्य कर उपायुक्त—सह—उप सचिव।

30 जून 2023

सं० 6 प.प.—30—01/2022—2229—वाणिज्य—कर विभाग के राज्य—कर संयुक्त आयुक्त कोटि के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए उनके नाम के समक्ष स्तम्भ—6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिए पदस्थापित किया जाता है :—

क्र. सं.	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन
1	2	3	4	5	6
1	श्री योगेन्द्र प्रसाद	विशेष	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गाँधी मैदान अंचल, पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी दरभंगा अंचल—i
2	श्री देवानंद शर्मा	विशेष	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी दरभंगा अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पूर्णियाँ अंचल—i
3	श्री राजीव रंजन	विशेष	अररिया	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी बेतिया अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी दरभंगा अंचल—ii
4	श्री विजय कुमार	विशेष	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी फारबिसगंज अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गोपालगंज अंचल
5	श्री मोहन कुमार	विशेष	मधुबनी	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मोतिहारी अंचल, मोतिहारी	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी भागलपुर अंचल—i
6	डॉ. दिनकर प्रसाद	39वीं	मधेपुरा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त कदमकुआँ अंचल, पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी हाजीपुर अंचल
7	श्री अमर नाथ चौधरी	40वीं	भागलपुर	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी सारण अंचल, छपरा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय पटना
8.	श्री शिवेन कुमार	40वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना सिटी पश्चिमी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय। प्रतिनियुक्ति अंकेक्षण पटना पूर्वी प्रमंडल में
9.	डॉ. मदन कुमार चौधरी	40वीं	वैशाली	राज्य कर संयुक्त आयुक्त अंकेक्षण पटना पूर्वी प्रमंडल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त अंकेक्षण मगध प्रमंडल गया
10	श्री अजिताभ मिश्र	41वीं	मुंगेर	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना विशेष अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय पटना
11	श्री संजीव कुमार	41वीं	नालंदा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना सिटी पूर्वी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त अंकेक्षण पटना पश्चिमी प्रमंडल
12	जाकीर अली अंसारी	41वीं	शेखपुरा	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पटना उत्तरी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुजफ्फरपुर पूर्वी अंचल
13	श्री निशिथ कुमार	41वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी मुजफ्फरपुर पश्चिमी अंचल—i
14	श्री विनय कुमार	42वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी नवादा अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गया अंचल—i
15	श्री संजीत कुमार	42वीं	जमुई	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी गोपालगंज अंचल	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी भागलपुर अंचल—ii
16	श्री कार्तिक कुमार सिंह	42वीं	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी पाटलीपुत्रा अंचल पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी विशेष अंचल पटना

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

गोपाल प्रसाद, राज्य कर उपायुक्त—सह—उप सचिव।

7 जुलाई 2023

सं० 6/प०प०-30-01/2022-2338—वाणिज्य-कर विभाग के राज्य-कर अपर आयुक्त कोटि के निम्नलिखित पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुये उनके नाम के समक्ष स्तम्भ-6 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक के लिये पदस्थापित किया जाता है :-

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	बैच संख्या	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	पदस्थापन स्थान
1	2	3	4	5	6
1	श्री प्रमोद कुमार गुप्ता	34वीं	वाराणसी	राज्य-कर अपर आयुक्त, मुख्यालय, पटना।	राज्य-कर विशेष आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय, पटना।
2	श्री सुबोध राम	36वीं	धनबाद	राज्य-कर अपर आयुक्त, मुख्यालय, पटना।	राज्य-कर विशेष आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय, पटना।
3	प्रणव बोध रूंगटा	36वीं	भागलपुर	राज्य-कर अपर आयुक्त, अंकेक्षण, केन्द्रीय प्रमंडल, पटना।	राज्य-कर विशेष आयुक्त (अपने वेतनमान में) मुख्यालय, पटना।

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रूबी, संयुक्त सचिव।

30 जून 2023

सं० 6 प.प.-30-01/2022/2245—वाणिज्य-कर विभाग के राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय (अपने वेतनमान में) को उनके नाम के समक्ष स्तम्भ-5 में अंकित पद एवं स्थान पर अगले आदेश तक अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

क्र.सं.	पदाधिकारी का नाम/पदनाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	अतिरिक्त प्रभार का कार्यालय
1.	एस० एम० इरशाद आरिफ	पटना	राज्य कर संयुक्त आयुक्त मुख्यालय (अपने वेतनमान में) अंचल प्रभारी मध्य अंचल-i का अतिरिक्त प्रभार	श्रीमती अनुपमा कुमारी, राज्य कर उपायुक्त (अपने वेतनमान में) अंचल प्रभारी मध्य अंचल-ii के मातृत्व अवकाश में रहने के कारण अगले आदेश तक अंचल प्रभारी मध्य अंचल-ii का अतिरिक्त प्रभार

2. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मो० मोइनुद्दीन, राज्य कर संयुक्त आयुक्त-सह-संयुक्त सचिव।

सहकारिता विभाग

अधिसूचनाएं

13 जून 2023

सं० 01/रा०स्था० (पदस्थापन)-01/2023 सह०-1498—श्रीमती स्वप्निल, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स०स०, सिवान (अतिरिक्त प्रभार-जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स०स०, सारण, छपरा) के अवकाश अवधि में श्री मुकेश कुमार, उप मुख्य अंकेक्षक, सहयोग समितियाँ, सारण, छपरा (अतिरिक्त प्रभार-संयुक्त निबंधक (अंकेक्षण), स०स०, सारण प्रमंडल, छपरा/जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स०स०, मुंगेर/जिला अंकेक्षण

पदाधिकारी, स0स0, जमुई) को जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सिवान एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, सारण, छपरा का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

2. श्रीमती वैशाली चौधरी, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, कटिहार (अतिरिक्त प्रभार—जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0, पूर्णियाँ एवं प्रबंध निदेशक, दि कटिहार डिस्ट्रीक्ट सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि0, कटिहार) के अवकाश अवधि में श्री कृष्णकांत शर्मा, उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0, मगध एवं पटना प्रमंडल, पटना को जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, कटिहार एवं जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, पूर्णियाँ का अतिरिक्त प्रभार एवं श्री अरुण कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी, कटिहार (अतिरिक्त प्रभार—सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, कटिहार) को प्रबंध निदेशक, दि कटिहार डिस्ट्रीक्ट सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि0, कटिहार का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

3. इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
ऋचा कमल, उप—सचिव।

7 जुलाई 2023

सं0 01/रा०स्था०(नामित)—43/2023 सह०—1767—श्री संजय कुमार, भा०प्र०से०, संयुक्त सचिव, सहकारिता विभाग, बिहार, पटना को बिहार सहकारी सोसाईटी अधिनियम, 1935 की धारा क भ के प्रावधान एवं बिहार सहकारी सोसाईटी नियमावली के नियम 22 के अनुसार अल्पकालीन साख संरचना के अंतर्गत बिहार राज्य सहकारी बैंक के निदेशक पद में सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

2. इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
नन्द किशोर, विशेष सचिव।

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

20 फरवरी 2023

सं0 निग/सारा-4-(पथ)मुक०-02/2016-897(s)—श्री लालमोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, रामनगर (बेतिया) सम्प्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के पथ प्रमंडल, रामनगर के पदस्थापन काल में बेतिया—चनपटिया—नरकटियागंज पथ एवं नरकटियागंज—रामनगर पथ में कराए गए कार्य में बरती गयी अनियमितता के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापांक—1013 (एस) अनु0 दिनांक—24.01.12 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन पत्रांक—1905 अनु0 दिनांक—14.06.12 में श्री प्रजापति के विरुद्ध गठित चार आरोपों में से आरोप संख्या—(क) (i) प्रमाणित एवं (क) (ii) तथा (ख) (i), (ii) को आंशिक रूप से प्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया। संचालन पदाधिकारी से प्राप्त मंतव्य के आलोक में उक्त मामले में तकनीकी समिति का मंतव्य प्राप्त किया गया। तकनीकी समिति से प्राप्त मंतव्य में आरोप संख्या—(क) (i) प्रमाणित एवं (क) (ii), (ख) (i) आंशिक रूप से प्रमाणित तथा आरोप सं0 (ख) (ii) को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया।

2. तकनीकी समिति से प्राप्त मंतव्य के आलोक में प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए श्री प्रजापति से विभागीय पत्रांक—3627(S)we दिनांक—08.05.13 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की मांग की गयी। श्री प्रजापति का पत्रांक—24 अनु0 दिनांक—08.01.14 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर समर्पित किया गया।

3. श्री प्रजापति द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर की विभागीय समीक्षा के उपरांत स्वीकार योग्य नहीं मानते हुए उनके विरुद्ध विभागीय अधिसूचना संख्या—4367 (एस) दिनांक—19.05.15 द्वारा निम्न दंड संसूचित किया गया :—

(i) कालमान वेतन में तीन वर्षों के लिए न्यूनतम प्रक्रम पर अवनति। इस दौरान कोई वेतनवृद्धि देय नहीं होगी, परन्तु शास्ति की अवधि के अवसान के पश्चात भविष्य की वेतन वृद्धियाँ अनुमान्य होने लगेंगी।

4. उक्त दंडादेश को निरस्त करने हेतु श्री प्रजापति, कार्यपालक अभियंता ने अपने पत्रांक—551 अनु0 दिनांक—25.06.15 द्वारा पुनर्विचार आवेदन समर्पित किया, जिसकी विभागीय समीक्षा के उपरान्त संतोषजनक नहीं पाये जाने के फलस्वरूप उनके पुनर्विचार आवेदन पत्रांक—551 अनु0 दिनांक—25.06.15 को सरकार के निर्णयानुसार विभागीय अधिसूचना संख्या—8518(S), दिनांक—07.09.2015 द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया।

5. श्री प्रजापति द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या-4367(एस) सह-पठित ज्ञाप संख्या -4368(एस) दिनांक-19.05.2015 द्वारा निर्गत दंडादेश के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय पटना में C.W.J.C. No.-2274/2016 दायर किया गया, जिसमें दिनांक-11.04.2019 को पारित न्यायादेश का मुख्य कार्यशील अंश निम्नवत है:-

" For the reasons indicated hereinabove, this court quashes the order of punishment dated 19-05-2015 issued by the Deputy Secretary (Vigilance), Road Construction Department. Consequently, the order dated-07.09.2015 issued by the Deputy Secretary (Vigilance), Road Construction Department. rejecting the review filed by the petitioner is also quashed. Matter is remanded to the stage of second show cause. Disciplinary authority would be obliged to issue fresh second show cause observing the mandatory provision under Rule 18(3) of the Bihar CCA Rules, 2005, to the petitioner, and allowing him opportunity to examine report of technical committee and to make his submissions in response thereto.

In view of remand to the stage of second show cause, entitlement of the petitioner shall be subject to final result of the proceeding before disciplinary authority.

Writ petition stands allowed."

6. तदालोक में माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा पारित न्यायादेश के आलोक में समीक्षोपरांत सरकार के निर्णयानुसार श्री लाल मोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, रामनगर (बेतिया) सम्प्रति: सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध प्रश्नगत मामले में विभागीय अधिसूचना संख्या-4367(S) सह-पठित ज्ञाप संख्या-4368(S), दिनांक-19.05.2015 द्वारा निर्गत दंडादेश एवं उनके पुनर्विचार अभ्यावेदन पत्रांक-551अनु० दिनांक-25.06.2015 को अस्वीकृत किये जाने संबंधी निर्गत विभागीय अधिसूचना संख्या-8518(S), सह-पठित ज्ञाप संख्या-8519(S), दिनांक-07.09.2015 को विभागीय अधिसूचना सं०- 5710(एस०) -सह-पठित ज्ञाप सं०- 5711(एस०) दिनांक- 19.06.2019 द्वारा निरस्त किया गया।

7. माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा दिनांक-11.04.2019 को पारित न्यायादेश के आलोक में विभागीय पत्रांक-7983(S) अनु० दिनांक- 02.09.2019 द्वारा प्रश्नगत मामले में विभागीय स्तर पर समीक्षोपरांत असहमति के निम्नांकित तीन बिन्दुओं पर श्री प्रजापति से द्वितीय कारण पृच्छा की मांग की गयी:-

- (a) नरकटियागंज-रामनगर पथ में WBM Gr-II कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट 9.41% Over size एवं 15.73% Under size पाया गया है, जबकि इस संबंध में Tolerance Limit 7.5% तक है।
- (b) नरकटियागंज-रामनगर पथ में WBM Gr-III कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट का FI + EI का मान 45.69% पाया गया, जबकि Tolerance Limit 40% तक है।
- (c) बेतिया-चनपटिया-नरकटियागंज पथ में WBM Gr-II कार्य में प्रयुक्त एग्रीगेट 10.18% Under size पाया गया है, जबकि इस संबंध में Tolerance Limit 7.5% तक है।

8. उक्त के आलोक में श्री प्रजापति के पत्रांक- 05 दिनांक- 16.09.2019 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर के तहत मुख्य रूप से जिस गुणवत्ता जाँचफल के आधार पर उनके विरुद्ध आरोप गठित किया गया है, उसकी सत्यता/वैधता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए यह अंकित किया गया है कि चूँकि उड़नदस्ता जाँचदल के द्वारा दिनांक- 07.02.2008 को आलोच्य पथ के निरीक्षण के दौरान कोई नमूना संग्रह नहीं किया गया और कालान्तर में जब जाँचदल द्वारा दिनांक- 12.03.2008 को पुनः नमूना संग्रह किया गया तो इसकी सूचना संबंधित प्रमंडल में किसी भी अभियंता को नहीं दी गई, इसलिए विषयांकित नमूना आलोच्य पथ से संबंधित होने का कोई साक्षी नहीं है।

9. श्री प्रजापति के द्वारा अंकित किये गये उक्त तर्क की विभागीय समीक्षा में यह पाया गया कि प्रश्नगत मामले में श्री प्रजापति से वर्ष 2009 में स्पष्टीकरण पूछा गया था, जिसके आलोक में उनके द्वारा अपना स्पष्टीकरण पत्रांक- 4261 दिनांक- 03.12.2009 के माध्यम से समर्पित किया गया था। परन्तु, श्री प्रजापति के द्वारा इस स्पष्टीकरण उत्तर में विषयांकित गुणवत्ता जाँचफल की सत्यता/वैधता पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं लगाया गया। कालान्तर में प्रश्नगत मामले में ही श्री प्रजापति के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के क्रम में उनके द्वारा समर्पित किये गये बचाव-बयान में भी विषयांकित गुणवत्ता जाँचफल की सत्यता/वैधता पर कोई प्रश्न नहीं उठाया गया, जिसकी पुष्टि संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन से होती है। यहाँ तक कि श्री प्रजापति के विरुद्ध दंड संसूचित होने के पश्चात् उनके द्वारा समर्पित किये गये पुनर्विचार अभ्यावेदन में भी गुणवत्ता जाँचफल पर प्रश्न नहीं उठाया गया। इस प्रकार श्री प्रजापति के द्वारा पूर्व में तीन भिन्न-भिन्न अवसरों पर अपने बचाव-वयान में गुणवत्ता जाँचफल पर कोई प्रश्न नहीं उठाते हुए आरोप के बिन्दु पर अपना तथ्य/तर्क प्रस्तुत किया गया।

10. प्रश्नगत मामले में श्री प्रजापति के द्वारा गुणवत्ता जाँचफल पर प्रारम्भ में ही प्रश्न चिन्ह लगाया गया होता तो तत्समय आरोपी अभियंताओं के समक्ष पुनः नमूना संग्रह करने का विभाग के पास विकल्प रहता और इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए श्री प्रजापति के द्वारा जानबूझ कर एक लंबी अवधि व्यतीत होने के पश्चात् गुणवत्ता जाँचफल एवं नमूना पर प्रश्न उठाया गया है, ताकि विभाग के पास पुनः नमूना संग्रह करने का विकल्प शेष न रहे। उक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में श्री प्रजापति के द्वारा समर्पित किये गये द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया।

तदालोक में विभागीय स्तर पर की गयी समीक्षा के क्रम में श्री प्रजापति के पत्रांक-05 दिनांक- 16.09.2019 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुए सम्यक् विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14 के उप नियम-(v) के तहत विभागीय अधिसूचना संख्या-4231(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4232(एस) दिनांक-03.07.2020 के द्वारा निम्न शास्ति अधिरोपित किया गया:-

(i) "एक वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक" ।

11. इस संबंध में प्रधान महालेखाकार (ले० एवं ह०) का कार्यालय, बिहार, पटना के पत्रांक-GN: 191020220403366 के द्वारा सूचित किया गया कि श्री लालमोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता को विभागीय अधिसूचना संख्या-4231(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4232(एस) दिनांक-03.07.2020 द्वारा एक वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक के संसूचित दंड के आलोक में जुलाई 2021 का वेतन वृद्धि रोका गया। श्री प्रजापति की सेवानिवृत्ति की तिथि दिनांक-30.09.2021 होने के कारण रोक की गई वेतन वृद्धि विमुक्त नहीं हो पायी तथा दंड संचयात्मक प्रकृति का हो गया। तदालोक में विभागीय निर्णय से अवगत कराने का अनुरोध किया गया।

12. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में मामले की विभागीय समीक्षा की गयी, जिसमें पाया गया कि श्री प्रजापति के विरुद्ध संसूचित लघु दंडादेश की प्रभावी तिथि दिनांक-01.07.2021 से दिनांक-30.06.2022 तक है, परंतु इस अवधि के पूर्ण होने के पूर्व ही श्री प्रजापति दिनांक-30.09.2021 को सेवानिवृत्त हो गये। उक्त के कारण इस मामले में रोक की गयी वेतनवृद्धि Restore नहीं हो पायी और दंड का प्रभाव संचयी (वृहद्) दंड में परिणत हो गया।

13. उल्लेखनीय है कि एक अन्य समरूप मामले में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा परामर्श दिया गया कि बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-29 के प्रावधान के तहत पुनरीक्षण हेतु निर्धारित समय सीमा को शिथिल करते हुए नियम-28 के तहत अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा दण्ड का पुनरीक्षण किया जाय और तदनुसार प्रतिस्थानी दण्डादेश निर्गत किया जाय। प्रतिस्थानी दण्डादेश को उसी तिथि से प्रभावी किया जाय जिस तिथि को मूल दंडादेश निर्गत किया गया है।

14. अतएव उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में श्री लाल मोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, रामनगर (बेतिया) के विरुद्ध पूर्व में विभागीय अधिसूचना संख्या-4231(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4232(एस) दिनांक-03.07.2020 द्वारा "एक वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक" के दंडादेश को पुनरीक्षित करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14(iv) के तहत "एक वर्ष के लिए संचयी प्रभाव के बिना कालमान वेतन में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति" का दंड अधिरोपित किया जाता है, जिसका प्रभाव मूल दंडादेश निर्गत की तिथि दिनांक-03.07.2020 से प्रभावी होगा।

उक्त प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

पथ निर्माण विभाग

सकारण मुखर आदेश

22 फरवरी 2023

सं० निग/सारा-(न०वि०) आरोप-11/2020-941(s)-नगर विकास एवं आवास विभाग के पत्रांक-736 दिनांक 10.02.2020 में उल्लेख है कि गृह विभाग, बिहार सरकार के पत्रांक-1073, दिनांक-31.01.2020 द्वारा पटना शहर में जल-जमाव के लिए गठित उच्च स्तरीय जाँच समिति के प्रतिवेदन के आलोक में दोषी पदाधिकारियों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई करने हेतु पत्र प्राप्त हुआ। इस उच्च स्तरीय जाँच समिति के प्रतिवेदन में पथ निर्माण विभाग से बुडको में प्रतिनियुक्त श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, बुडको, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना एवं अन्य अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की गयी, साथ ही यह भी उल्लेख किया गया कि श्री योगेन्द्र कुमार के विरुद्ध निलंबन एवं विभागीय कार्यवाही करने का निदेश सक्षम प्राधिकार द्वारा प्राप्त है।

2. तदालोक में विभागीय अधिसूचना संख्या-1242 (एस)-सहपठित ज्ञापांक-1243 (एस), दिनांक 14.02.2020 द्वारा श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, बुडको, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 का नियम-9 (1) (क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

3. श्री कुमार के आवेदन दिनांक 06.10.2020 में अनुरोध किया गया कि बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 का नियम-9 (7) में निहित प्रावधान के आलोक में चूंकि उनका निलंबन 07 माह से अधिक हो गया है एवं आरोप-पत्र गठित नहीं हो पाया है, इसलिए उन्हें निलंबन मुक्त किया जाय। श्री कुमार के अनुरोध पर समीक्षोपरांत विचार किया गया कि उन्हें निलंबित किये हुए 10 माह से अधिक हो चुका है एवं नगर विकास एवं आवास विभाग से उनके विरुद्ध संशोधित आरोप-पत्र प्राप्त होने में विलम्ब हो जाने के कारण आरोप-पत्र के गठन में विलम्ब हुआ है।

4. अतः सम्यक विचारोपरांत उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता, बुडको, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम 9 (7) में निहित प्रावधान के आलोक में विभागीय अधिसूचना संख्या-573-सहपठित ज्ञापांक-574, दिनांक 27.01.2021 के द्वारा तत्काल

प्रभाव से निलंबन से मुक्त किया गया। इसका इनके विरुद्ध संचालित किये जाने वाले विभागीय कार्यवाही पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। साथ ही श्री कुमार के निलंबन अवधि में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान अनुमान्य होगा और निलंबन अवधि के विनियमन के संबंध में निर्णय इनके विरुद्ध संचालित किये जाने वाले विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर लिया जायेगा—का निर्णय संसूचित किया गया।

5. उक्त संसूचित निर्णय के विरुद्ध श्री कुमार के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में (CWJC No-8478/2020 से उद्भूत) I.A No-01/2021 दायर किया गया, जिसमें इनके द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना के तीन न्यायाधीशों के खण्डपीठ द्वारा CWJC No-1562/2009 एवं LPA No- 778/2009 में दिनांक 16.09.2009 को पारित संयुक्त आदेश [2009 (4) PLJR 272; 2010 (1) BBCJ 261 द्वारा Reported] के संदर्भ में निलंबन अवधि का पूर्ण वेतन भुगतान का दावा किया गया। श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता द्वारा CWJC No-8478/2020 में दायर I.A No-01/2021 में दिनांक 18.02.2021 को पारित न्यायादेश संलग्न करते हुए उक्त अंकित PLJR 272 का संदर्भ देते हुए विभाग में निलंबन अवधि का पूर्ण वेतन भत्ता सहित भुगतान हेतु आवेदन दिनांक 03.03.2021 को समर्पित किया गया। CWJC No-8478/2020 में दायर I.A No-01/2021 योगेन्द्र कुमार बनाम राज्य सरकार एवं अन्य में दिनांक 18.02.2021 को पारित न्यायादेश का कार्यकारी अंश निम्नवत् है :—

"Considering the facts and circumstances of the case and without going into the merits of this Case, this writ application is disposed of with a direction to the concerned/authority that if the petitioner files a representation along with a copy of this order before him, the same shall be considered in accordance with law and he would be obliged to pass a reasoned and speaking order within a period of three months from the date of filing of such representation.

The concerned authority would be solely responsible for non-compliance of this order within the stipulated period, as aforesaid.

With the aforesaid direction, this writ application stands disposed of".

6. श्री कुमार के द्वारा समर्पित आवेदन एवं उसके साथ संलग्न न्यायादेश की गहन विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में श्री रघुनाथ प्रसाद, कार्यपालक अभियंता के समरूप मामले में CWJC No-2313/2012 में दिनांक 05.03.2012 को पारित न्यायादेश संज्ञान में आया है, जिसका कार्यकारी अंश निम्नवत् है :—

"But, that does not detract from the legal position that charges have admittedly not been framed against the petitioner within a period of seven months from the date of suspension, 06.08.2008. Charges were required to be framed by 05.03.2009. It has been framed on 25.06.2009. The suspension therefore stands revoked after seven months as discussed in Paragraph-20 (e) of Gyan Kumar Ram (supra). The petitioner is held entitled to salary. In what manner the period of suspension has to be treated is for the disciplinary authority to decide".

7. उक्त पारित न्यायादेश पर कार्रवाई हेतु विधि विभाग के माध्यम से विद्वान महाधिवक्ता का परामर्श प्राप्त किया गया था, जो प्रासंगिक मामले में निम्नवत् है :—

"I have perused the noted order of Hon'ble Court kept at C-508 to 505 whereby, relying on Paragraph 20 (e) of the Full Bench judgement passed in State of Bihar Vs Gyan Kumar Ram (2009 (4) PLJR 272), the Hon'ble Single Bench has held that, if charges have not been framed within a period of 7 months from date of suspension it would automatically stand revoked after 7 months. This proposition of law is on the basis of interpretation of the proviso to Rule 9 (7) of the Bihar Government Servant (C.C.A) Rules 2005 made by the said Full Bench. Thus, in accordance with the aforesaid settled law, the Single Bench had held by it's order dated 05.03.2012 that petitioner Sr. Raghu Nath Prasad was suspended by order dated 06.08.2008 and no charge sheet was framed till expiry of 7 months on 05.03.2009 and therefore his suspension stood automatically revoked as on that date 05.03.2009, by operation of law as per para 20 (e) of the Full Bench judgment. Thus the court held the petitioner to be entitled for salary thereafter. The Court further held, 'in what manner the period of suspension to be treated is for the disciplinary authority to decide.' Therefore the formal issuance of order of revocation of suspension dated 16.09.2009 cannot deprive the petitioner from salary w.e.f. 05.03.2009 on which date order of suspension stood

revoked by operation of law. Hence the arrear of salary is directed to be paid to the petitioner".

8. उक्त न्यायादेश एवं प्राप्त परामर्श के आलोक में श्री रघुनाथ प्रसाद का निलंबन की तिथि से 07 माह की तिथि तक आरोप पत्र गठित नहीं हो सकने की स्थिति में निलंबन मुक्त किया गया। इस 07 माह की निलंबन अवधि का विनियमन का निर्णय उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर लिये जाने का निर्णय लिया गया। 07 माह के अतिरिक्त निलंबन अवधि का पूर्ण वेतन भत्ता के भुगतान की स्वीकृति दी गई।

9. अतएव उक्त अंकित तथ्यों के आलोक में सम्यक समीक्षोपरांत श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता के संबंध में निम्न निर्णय लिया जाता है :-

(i) विभागीय अधिसूचना संख्या-573 (एस), दिनांक 27.01.2021 को पुनरीक्षित करते हुए श्री योगेन्द्र कुमार, कार्यपालक अभियंता के निलंबन की तिथि 14.02.2020 से 07 माह की अवधि पूरा होने के बाद की तिथि 14.09.2020 (जिस दौरान आरोप-पत्र का गठन नहीं हो सका) के प्रभाव से निलंबन मुक्त करते हुए इस निलंबित अवधि में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता अनुमान्य होगा तथा इस अवधि का विनियमन इनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर लिया जायेगा।

(ii) निलंबन की तिथि से 07 माह पूरा होने की तिथि के पश्चात् अतिरिक्त निलंबन की अवधि (15.09.2020 से 26.01.2021) तक पूर्ण वेतन भत्ते का भुगतान जीवन निर्वाह भत्ता को समायोजित करते हुए अनुमान्य किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह0) अस्पष्ट, अपर मुख्य सचिव।

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

23 फरवरी 2023

सं0 निग/सारा-1(पथ) नि0वि0-09/2021-987(s)—निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के पत्रांक-1096 दिनांक-20.09.2021 द्वारा श्री कौन्तेय कुमार, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, पटना सिटी, गुलजारबाग के विरुद्ध ₹1,76,82,920/- (एक करोड़ छिहत्तर लाख बेरासी हजार नौ सौ बीस रुपये) के प्रत्यानुपातिक धनार्जन के आरोप में निगरानी थाना कांड सं0-38/2021 दिनांक-13.09.2021 धारा-13(2) सह-पठित धारा-13(1) (बी) ब्र0नि0अधि0, 1988 (संशोधित अधिनियम-2018) दर्ज किये जाने की सूचना दी गई है। यह कांड सम्प्रति अनुसंधानांतर्गत है।

2. प्रश्नगत मामले में समीक्षोपरान्त श्री कौन्तेय कुमार, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, पटना सिटी, गुलजारबाग को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9(1)(ग) में निहित प्रावधान के तहत विभागीय अधिसूचना संख्या-5049 (एस)-सहपठित ज्ञापांक-5050 (एस) अनु० दिनांक 06.10.2021 के द्वारा श्री कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया।

3. श्री कुमार के निलंबन के उपरांत उनके विरुद्ध नियमानुसार अधिकतम 07 माह के अन्दर आरोप-पत्र निर्गत नहीं हो पाने के फलस्वरूप बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के नियम-9 (7) के विहित प्रावधान के आलोक में श्री कुमार के निलंबन अवधि के 07 माह पूर्ण होने की तिथि 05.05.2022 की अगली तिथि 06.05.2022 के प्रभाव से उन्हें निलंबन मुक्त किया जाता है।

4. श्री कुमार के निलंबन अवधि का विनियमन उनके विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही के फलाफल के आधार पर निर्णय लिया जायेगा।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह0) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

27 फरवरी 2023

सं0 निग/सारा-1(पथ)नि0वि0-02/2019-1076(s)—श्री सुरेश प्रसाद सिंह, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पटना पश्चिम, पथ प्रमंडल, पटना के उक्त पदस्थापन अवधि में Secured Advance के भुगतान के एवज में 14,00,000 (चादह लाख) रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के मामले में श्री सिंह के विरुद्ध दर्ज निगरानी थाना कांड संख्या-23/2019 एवं इसी क्रम में प्रत्यानुपातिक धनार्जन के मामले में दर्ज निगरानी थाना कांड संख्या-26/2016 से संबंधित निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से प्राप्त अभिलेखों एवं साक्ष्यों के आधार पर विभागीय कार्यवाही संचालित किये जाने निमित्त विभागीय अधिसूचना संख्या-1398 (एस), दिनांक 20.02.2020 के द्वारा दिनांक-02.01.2020 के प्रभाव से निलंबित किया गया तथा विभागीय संकल्प ज्ञापांक-3578 (एस) दिनांक 11.06.2020 के द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी एवं विभागीय अधिसूचना संख्या-3664 (एस), दिनांक 13.07.2022 के द्वारा सेवानिवृत्ति की तिथि दिनांक-31.03.2022 के प्रभाव से निलंबन से मुक्त किया गया। संचालित विभागीय कार्यवाही में प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के समीक्षोपरान्त विभागीय अधिसूचना संख्या-5560 (एस) दिनांक- 09.11.2022 द्वारा श्री सिंह के पेंशन को स्थायी रूप से शुन्य किये जाने का दंड संसूचित किया गया।

2. उक्त से स्पष्ट है कि श्री सिंह दिनांक-20.01.2020 से दिनांक-31.03.2022 तक निलंबित रहे। सक्षम प्राधिकार के द्वारा श्री सिंह के उक्त निलंबन अवधि में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता देय होने एवं उक्त अवधि को अन्य प्रयोजनार्थ कर्तव्य अवधि के रूप में परिगणित किये जाने के रूप में विनियमित करने का निर्णय लिया गया। सक्षम प्राधिकार द्वारा लिये गये निर्णय के आलोक में सामान्य प्रशासन विभाग के पत्रांक-7876 दिनांक- 20.05.2013 में अंतर्निहित प्रावधान के तहत विभागीय पत्रांक-5597 (एस) दिनांक- 11.11.2022 द्वारा श्री सिंह से उनके निलंबन अवधि के संबंध में लिये गये निर्णय के संदर्भ में लिखित अभ्यावेदन पत्र प्राप्ति के 60 दिनों के अन्दर समर्पित करने हेतु निदेश दिया गया, परन्तु श्री सिंह द्वारा उक्त संदर्भ में कोई अभ्यावेदन समर्पित नहीं किया गया।

अतः श्री सिंह से अभ्यावेदन अप्राप्त रहने की स्थिति में यह मानते हुए कि श्री सिंह को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है, उनके निलंबन अवधि दिनांक 20.01.2020 से 31.03.2022 को निम्नरूपेण विनियमित किया जाता है :-

(i) श्री सिंह के दिनांक 20.01.2020 से 31.03.2022 तक निलंबन अवधि में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता देय होने एवं उक्त अवधि को अन्य प्रयोजनार्थ कर्तव्य अवधि के रूप में परिगणित किये जाने के रूप में विनियमित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

1 मार्च 2023

सं० निग/सारा-04(पथ) आरोप-35/2021-1203(s)—श्री अशोक कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ, प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: सेवानिवृत्त सहायक अभियंता, पिता-श्री रामेश्वर सिंह, मकान नं०-806, मुहल्ला-उत्तरी शाही कॉलोनी (पोखरा मुहल्ला) पोस्ट+थाना-हाजीपुर, जिला-हाजीपुर (वैशाली), पिन-844101 के पथ प्रमंडल संख्या-1, मुजफ्फरपुर के पदस्थापन काल में बरती गयी अनियमितता के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापांक-5154(एस) अनु० दिनांक-20.10.2021 के द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43(बी) के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. उक्त मामले में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन पत्रांक-909 (अनु०) दिनांक-21.04.2022 में श्री कुमार के विरुद्ध गठित सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदन किया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा की गयी। विभागीय समीक्षा में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित उपर्युक्त जॉच प्रतिवेदन स्वीकार्य योग्य पाया गया। तदालोक में जॉच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए आलोच्य मामले में श्री अशोक कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: सेवानिवृत्त सहायक अभियंता, पिता-श्री रामेश्वर सिंह मकान नं०-806, मुहल्ला-उत्तरी शाही कॉलोनी (पोखरा मुहल्ला) पोस्ट+थाना-हाजीपुर, जिला-हाजीपुर (वैशाली), पिन-844101 को आरोप मुक्त किया जाता है।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

1 मार्च 2023

सं० निग/सारा-04(पथ) आरोप-35/2021-1205(s)—श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ, प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: निलंबित अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना (मुख्यालय) के पथ प्रमंडल संख्या-1, मुजफ्फरपुर के पदस्थापन काल में बरती गयी अनियमितता के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापांक-5156(एस) अनु० दिनांक-20.10.2021 के द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली -2005 के नियम-17 के तहत विहित रीति से विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. उक्त मामले में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन पत्रांक-840(अनु०) दिनांक-11.04.2022 में श्री कुमार के विरुद्ध गठित सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदन किया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा की गयी। विभागीय समीक्षा में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित उपर्युक्त जॉच प्रतिवेदन स्वीकार्य योग्य पाया गया। तदालोक में जॉच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए आलोच्य मामले में श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: निलंबित अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना (मुख्यालय) को आरोप मुक्त किया जाता है।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

1 मार्च 2023

सं० निग/सारा-4(पथ) आरोप-35/2021-1207(s)—श्री तुलसी प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, गुण नियंत्रण, पथ प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: सहायक अभियंता पथ अवर प्रमंडल सं०-2 पथ प्रमंडल, मधुबनी द्वारा पथ प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर के पदस्थापन काल में बरती गयी अनियमितता के लिए विभागीय संकल्प ज्ञापांक-5155(एस) अनु० दिनांक-20.10.2021 के द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली -2005 के नियम-17 के तहत विहित रीति से विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. उक्त मामले में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन पत्रांक-1221(अनु०) दिनांक-08.06.2022 में श्री प्रसाद के विरुद्ध गठित सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदन किया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा की गयी। विभागीय समीक्षा में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित उपर्युक्त जॉच प्रतिवेदन स्वीकार्य योग्य पाया गया। तदालोक में जॉच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए आलोच्य मामले में श्री तुलसी प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, गुण नियंत्रण, पथ प्रमंडल संख्या-1 मुजफ्फरपुर सम्प्रति: सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल सं०-2 पथ प्रमंडल, मधुबनी को आरोप मुक्त किया जाता है।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

3 मार्च 2023

सं० निग/सारा (एन०एच०) आरोप-11/2017-1315(s)—श्री शम्भु कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर के पदस्थापन काल में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-80 के कि०मी० 129 से 135 पथांश में चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट पेवमेंट के निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता के आरोप के लिए इनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-2664 (एस) अनु० दिनांक-06.05.2020 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप पत्र के तहत कुल-05 आरोप निम्नवत गठित किये गये हैं—

- (i) कि०मी० 129 एवं 130 के बीच दो कि०मी० की लंबाई में जल निकासी हेतु प्राक्कलन/एकरारनामा में प्रावधानित नाला का निर्माण एवं **Extention of Culverts** का कार्य नहीं कराया गया है।
- (ii) प्राक्कलन/एकरारनामा में कि०मी० 129 एवं 130 के बीच आवश्यकतानुसार सड़क के दोनों ओर दो कि०मी० की लंबाई में जल निकासी हेतु प्रावधानित **Drain** एवं **Extention of Culverts** का कार्य से संबंधित 11 मदों का कार्य संवेदक के द्वारा नहीं कराया गया है।
- (iii) आलोच्य पथ में ईट सोलिंग का कार्य कहीं पर पाया गया है और कहीं पर नहीं पाया गया है।
- (iv) पी०सी०सी० के अधिकांश भाग के उपरी सतह का लेवल सड़क के दोनों ओर बने आवासीय भवनों/दुकानों के प्लिंथ लेवल से कहीं-कहीं सड़क के एक तरफ तो कहीं-कहीं दोनों तरफ औसतन एक फीट से दो फीट तक ऊँचा पाया गया। इस प्रकार, माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा सी०डब्ल्यू०जे०सी०सं०-4839/2010 में दिनांक-19.04.10 को पारित आदेश की अवहेलना की गयी।
- (v) क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, बिहार, पटना को दिनांक-28.06.14 को 10th & final bill समर्पित किया गया, जबकि कार्य अपूर्ण था। इस तरह श्री कुमार के द्वारा इसका गलत विपत्र समर्पित किया गया।

2. सचिव-सह-जॉच आयुक्त, बिहार मानवाधिकार आयोग, बिहार, पटना के द्वारा उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही से संबंधित जॉच प्रतिवेदन पत्रांक-19187 अनु० दिनांक-24.12.2020 द्वारा विभाग को उपलब्ध कराया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा अपने जॉच प्रतिवेदन के तहत निष्कर्ष के रूप में श्री कुमार के विरुद्ध प्रपत्र-‘क’ के तहत गठित कुल 05 (पाँच) आरोपों में से आरोप संख्या-(i), (ii), (iii) एवं (iv) को प्रमाणित तथा आरोप संख्या-(v) को अप्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराये गये जॉच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा में संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुए श्री कुमार से विभागीय पत्रांक-2720 (एस) अनु० दिनांक-16.06.2021 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा के रूप में लिखित अभिकथन की मांग की गयी।

3. श्री कुमार के पत्रांक-शून्य दिनांक-29.06.2021 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर समर्पित किया गया। जिसमें श्री कुमार द्वारा मुख्य रूप से कार्य पूर्णता की तिथि 22.05.2014 से पूर्व दिनांक-29.08.2013 को स्थानान्तरण हो जाने के कारण निर्माण कार्य में भूमिका नहीं होने का तर्क दिया गया है। ईट सोलिंग का कार्य उनके स्थानान्तरण तिथि 29.08.2013 के बाद दिनांक-16.05.2014 एवं 19.05.2014 को कराया गया। इसी प्रकार पी०सी०सी० का कार्य उनके स्थानान्तरण तिथि 29.08.2013 के बाद प्रतिस्थानी सहायक अभियंता श्री अजय कुमार पाण्डेय द्वारा कराया गया।

4. श्री कुमार के द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर की विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि इनके द्वारा उक्त तथ्य जॉच आयुक्त के समक्ष भी रखा गया था, जिसकी समीक्षा करते हुए जॉच आयुक्त द्वारा यह निष्कर्ष गठित किया गया कि इनका तर्क तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। इनके पदस्थापन अवधि में ही गलत प्राक्कलन तैयार किया गया, जिसके आधार पर कालांतर में त्रुटिपूर्ण निर्माण कार्य हुआ। त्रुटिपूर्ण प्राक्कलन तैयार करने के लिए आरोपित पदाधिकारी सहायक अभियंता के रूप में पूर्णतः जिम्मेवार थे। जॉच में यह भी स्पष्ट होता है कि इनके पदस्थापन अवधि में ही कार्य प्रारंभ मात्र **Bituminous Road** का आंशिक कार्य कराया गया तथा मात्र 03 चलता विपत्र जारी किये गये थे-वस्तुतः आरोपों की पुष्टि ही करते हैं। जॉच आयुक्त द्वारा यह भी उल्लेख किया गया है कि-जॉचोपरांत ऐसा मानने का पर्याप्त आधार है कि प्राक्कलन में जानबुझकर नाला का निर्माण एवं **Extension of Culverts** का कार्य शामिल किया गया था, जबकि उक्त हेतु **Utility Shifting** (विद्युत पोज, ट्रॉस्फार्मर आदि) का प्रावधान प्राक्कलन में नहीं किया गया था तथा कालान्तर में, **Utility Shifting** में होने वाली कठिनाई को इंगित करते हुए कार्य नहीं करने का कारण बनाया

गया, जो गलत मंशा का परिचायक है। त्रुटिपूर्ण प्राक्कलन गठन के कारण ही अधिकांश सड़क के दोनों तरफ बने आवासीय भवन/दुकान पिलिथ लेवल से एक-दो फिट ऊँचा हो गया, जो रिट याचिका संख्या-4839/2010 में माननीय उच्च न्यायालय, पटना के आदेश दिनांक-19.04.2010 की अवहेलना थी।

5. उक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में आलोच्य मामले की सम्यक विभागीय समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री कुमार के लिखित अभिकथन रूप में समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर में प्रमाणित आरोपों के संबंध में मुख्य रूप से संचालन पदाधिकारी के समक्ष पूर्व में दिये गये बचाव-बयान मात्र की ही पुनरावृत्ति की गई है। जिसकी पूर्व में संचालन पदाधिकारी के स्तर पर समीक्षा के उपरांत ही इनके विरुद्ध गठित आरोपों को प्रमाणित होने का मंतव्य दिया गया, जिसकी विभागीय समीक्षा के उपरांत इस पर सहमति के पश्चात ही द्वितीय कारण पृच्छा की गई है। ऐसी स्थिति में इनके द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा के तहत कोई नया एवं ठोस तथ्य/तर्क प्रस्तुत नहीं किये जाने की स्थिति में इसे स्वीकार किये जाने का कोई युक्तिसंगत कारण नहीं पाया गया है।

6. उपर्युक्त के आलोक में श्री शम्भु कुमार, तत्कालीन सहायक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना, के द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुए सम्यक विचारोपरांत उनके विहित समानुपातिक दायित्व को दृष्टिपथ में रखते हुए सरकार के निर्णयानुसार बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14 (V) के तहत निम्न दंड संसूचित किया जाता है :-

(i) "दो (02) वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक"।

7. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

16 मार्च 2023

सं० निग/सारा-4 (पथ)-मुक०-46/2019-1518(s)—श्री राज किशोर प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, हाजीपुर को हाजीपुर-लालगंज-वैशाली पथ के कि०मी० 23 से कि०मी० 33 में पैच पॉट एवं विभिन्न अंशों में Raising का कार्य एकरारनामा के शर्तों के अनुसार नहीं कराने, गलत रूप में कार्यों के भुगतान का प्रयास करने तथा उच्चाधिकारियों के आदेश के बावजूद कार्य में रुचि नहीं लेने एवं सकारात्मक प्रयास नहीं करने जैसे गम्भीर आरोपों के लिये बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के आलोक में विभागीय अधिसूचना संख्या-13250(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-13251(एस) दिनांक-17.11.2009 द्वारा तात्कालिक प्रभाव से निलंबित किया गया। तत्पश्चात् इन आरोपों के आधार पर आरोप प्रपत्र-क' गठित कर विभागीय पत्रांक-15489(एस) अनु० दिनांक-30.12.2009 द्वारा श्री प्रसाद से बचाव बयान की मांग की गयी। श्री प्रसाद द्वारा समर्पित बचाव बयान पत्रांक-शून्य दिनांक-15.02.2010 की विभागीय समीक्षा में पाया गया कि श्री प्रसाद ने अपने पदेन कर्तव्यों का निर्वहन सही रूप में नहीं किया। यदि संवेदक कार्य नहीं कर रहा था तो अवर प्रमंडल पदाधिकारी के नाते इनका दायित्व था कि अनुश्रवण कर संवेदक से एकरारनामा के शर्तों अनुसार कार्य कराते एवं संवेदक द्वारा अनुपालन नहीं करने पर इसकी शिकायत कार्यपालक अभियंता से करते। यह इनके द्वारा नहीं किया गया, जो इनके ऊपर लगाये गये आरोपों को प्रमाणित करता है।

2. अतएव सम्यक विचारोपरान्त श्री राज किशोर प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, हाजीपुर के बचाव बयान को अमान्य करते हुए विभागीय अधिसूचना संख्या-4823(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4824(एस) दिनांक-01.04.2010 के द्वारा तात्कालिक प्रभाव से निलंबन मुक्त करते हुए निम्न दंड संसूचित गया:-

(i) निन्दन (आरोप वर्ष 2009-10)।

(ii) तीन वेतन वृद्धियों पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

3. आलोच्य मामले में श्री प्रसाद के निलंबन अवधि के संबंध में विभागीय अधिसूचना संख्या-8599(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8600(एस) दिनांक-08.06.2010 के द्वारा निर्णय लिया गया कि- निलंबन अवधि में देय जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा, परन्तु अन्य प्रयोजनार्थ इसे कर्तव्य अवधि मानी जायेगी।

4. उक्त संसूचित दंड के विरुद्ध श्री राज किशोर प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता द्वारा समर्पित पुनर्विलोकन अर्जी पत्रांक-शून्य दिनांक-22.04.2010 को सम्यक् विचारोपरान्त सरकार द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या-8601(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8602(एस) दिनांक-08.06.2010 के द्वारा अस्वीकृत किया गया।

5. श्री राज किशोर प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या-4823(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4824(एस) दिनांक-01.04.2010 के द्वारा संसूचित दंड सहित निलंबन अवधि से संबंधित विभागीय अधिसूचना संख्या-8599(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8600(एस) दिनांक-08.06.2010 एवं पुनर्विलोकन अर्जी से संबंधित अधिसूचना संख्या-8601(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8602(एस) दिनांक-08.06.2010 को निरस्त किये जाने हेतु माननीय उच्च न्यायालय, पटना में CWJC No.-812/2011 राज किशोर प्रसाद बनाम बिहार सरकार एवं अन्य दायर किया गया। उक्त वाद में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक-20.09.2016 को पारित न्यायादेश का कार्यशील अंश निम्नवत् है:-

"In my opinion, once a discretion has been exercised by the disciplinary authority to follow Rule 19(1)(b) of „the Rules“ by service of a chargesheet, appointment of

Conducting Officer and Presenting Officer then the disciplinary authority cannot be permitted to abandon the process mid way and adopt the shorter route for imposing the penalty merely in consideration of the show cause reply filed by the petitioner as against the memo of charge. In fact even the summary procedure is left half way for there is no show cause in the manner stipulated under Rules for this self contained procedure. In my opinion, apart from the fact that neither of the two procedures stands satisfied in the present case, once the disciplinary authority has taken recourse to the exhaustive procedure by the service of chargesheet on the petitioner and by drawing a disciplinary proceedings, the disciplinary authority is bound by the provisions to follow the exhaustive procedure and not having done so, the orders impugned have become unsustainable. Since the procedural infraction as noted above is sufficient to strike down the order of penalty, the order restricting the pay and allowances of the petitioner for the suspension period impugned at Annexure-11 also follows suit.

For the reasons and discussion aforementioned, the order of penalty passed by the disciplinary authority bearing Memo No.4824(S) dated 01.04.2010 together with the order in review dated 08.06.2010 containing Memo No. 8602 (S) dated 08.06.2010 impugned at Annexures- 9 and 14 to the writ petition along with the order bearing Notification dated 8.6.2010 whereby the pay and allowance of the petitioner have been restricted to his subsistence allowance impugned at Annexure 11, are quashed and set aside. The writ petition is allowed. The consequences shall follow. However, the disciplinary authority would not be precluded to proceed afresh but in accordance with law, if so advised in the matter."

6. उक्त न्यायादेश के विरुद्ध विभाग द्वारा LPA No.-1408/2017 बिहार राज्य एवं अन्य बनाम राज किशोर प्रसाद दायर किया गया। उक्त LPA में दिनांक-27.06.2018 को पारित न्यायादेश निम्नवत् है:-

"One week peremptory time is granted to remove the defects failing which this appeal shall stand rejected without any further reference to the Bench."

7. LPA No.-1408/2017 खारिज हो जाने के उपरांत उक्त LPA के restoration हेतु विभाग द्वारा MJC No.-545/2020 बिहार राज्य एवं अन्य बनाम राज किशोर प्रसाद दायर किया गया, जिसमें दिनांक-22.06.2022 को पारित न्यायादेश निम्नवत् है:-

"Despite repeated calls, nobody appears on behalf of the petitioners to press the application. The application is dismissed for want of prosecution."

8. अतएव आलोच्य मामले में विभाग द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर LPA No.-1408/2017 एवं MJC No.-545/2020 खारिज हो जाने के कारण CWJC No.-812/2011 में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा दिनांक-20.09.2016 को पारित न्यायादेश के अनुपालन में सम्यक विचारोपरांत श्री राज किशोर प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, हाजीपुर सम्प्रति कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, डेहरी-आन-सोन एट गया के विरुद्ध निम्न निर्णय लिया गया है:-

(i) विभागीय अधिसूचना संख्या-4823(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-4824(एस) दिनांक-01.04.2010 के द्वारा संसूचित निन्दन (आरोप वर्ष 2009-10) एवं तीन वेतन वृद्धियों पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक का दंडादेश, निलंबन अवधि से संबंधित विभागीय अधिसूचना संख्या-8599(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8600(एस) दिनांक-08.06.2010 एवं पुनर्विलोकन अर्जी से संबंधित अधिसूचना संख्या-8601(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-8602(एस) दिनांक-08.06.2010 को निरस्त किया जाता है। तदनुसार अनुवर्ती कार्रवाई की जाय।

(ii) माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक-20.09.2016 में पारित न्यायादेश के आलोक में श्री प्रसाद के विरुद्ध आलोच्य मामले में नये सिरे से आरोप पत्र गठित कर अलग से कार्रवाई की जायेगी।

सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

16 मार्च 2023

सं० प्र०-11/पथ अधि०-02-02/2017-1526(s)—सरकार के आदेशानुसार ग्रामीण कार्य विभाग के स्वामित्व वाले निम्नलिखित पथ/पथांश को पथ निर्माण विभाग द्वारा अधिग्रहण करने का निर्णय लिया जाता है :-

क्र.सं.	पथ प्रमंडल का नाम	पथ का नाम	पथ चैनेज	लम्बाई (कि०मी०)
1	2	3	4	5
1	छपरा (सारण)	छपरा बाईपास पथ (NH-31) से चिकित्सा महाविद्यालय, छपरा का सम्पर्क पथ (मार्ग सं०-01)।	0.000 से 1.40 कि०मी०	1.400
2		NH-19 Left Out (कि.मी. 0.00) से राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, छपरा (कि.मी. 1.00) तक पहुँच पथ (मार्ग संख्या-02) West Side of Medical College.	0.00से 1.000 कि०मी०	1.000
3		NH-19 Left Out (कि.मी. 0.00) से अभियंत्रण महाविद्यालय, छपरा एवं राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, छपरा (कि.मी.1.00) तक पहुँच पथ (मार्ग संख्या-03) East Side of Engineering College.	0.00से 1.000 कि०मी०	1.000
4		मुख्य सुरक्षा बाँध से प्रभावति देवी प्राथमिक अस्पताल होते हुए लोक नायक जयप्रकाश नारायण स्मृति भवन के पहुँच पथ तक पथ।	0.00से 1.000 कि०मी०	1.000
5		मुख्य सुरक्षा बाँध से उच्च विद्यालय सिताबदियारा पंचायत सरकार भवन होते हुए प्रभुनाथ नगर तक पथ।	0.00से 1.400 कि०मी०	1.400
6.	मोतिहारी	पूर्वी चम्पारण जिला अन्तर्गत रक्सौल हवाई अड्डा से हवाई अड्डा चौक तक।	0.00से 1.800 कि०मी०	1.800

2. संबंधित क्षेत्र के पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, विधिवत रूप से उपर्युक्त पथों का दायित्व रहित प्रभार संबंधित विभाग से प्राप्त करेंगे तथा विभागीय पंजी में संधारित करते हुए अग्रतर कार्रवाई करेंगे एवं पथ का अद्यतन स्टेटस प्रतिवेदन तीन दिनों के भीतर विशेष दूत से अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण) को समर्पित करेंगे। विषयांकित पथ के Right of Way संबंधित सूचना भी निश्चित रूप से प्राप्त कर लेंगे।

3. संबंधित पथ के विरुद्ध पूर्व से सृजित किसी भी दायित्व का वहन पथ निर्माण विभाग द्वारा नहीं किया जाएगा।

4. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मुकेश कुमार, संयुक्त सचिव (प्र०को०)।

12 अप्रैल 2023

सं० निग/सारा-(निगम) वि०नि०ई०था०कां०-04/2022-2106(s)—बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम के पत्रांक-2447 अनु० दिनांक-18.08.2022 के साथ संलग्न पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, पटना के पत्रांक-1073 दिनांक-17.08.2022 द्वारा सूचित किया गया है कि श्री अरुण कुमार, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड पटना के विरुद्ध रिश्वत लेने से संबंधित मामले में धारा-7 भ्र०नि०अधि०, 1988 के तहत विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या-11/2022, दिनांक-16.08.2022 दर्ज किया गया है। पुनः निगम के पत्रांक- 2676 दिनांक- 05.09.2022 के साथ संलग्न पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, पटना के पत्रांक-1139/11/2022/SVU/Pat, दिनांक-05.09.2022 द्वारा सूचित किया गया है कि विशेष निगरानी इकाई, पटना के गठित धावा दल के द्वारा दिनांक-17.08. 2022 को श्री कुमार के द्वारा परिवादी श्री गणेश कुमार से रू० 50,000/- (पच्चास हजार रुपये) रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से आदेशानुसार उन्हें दिनांक-18.08.2022 से न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इनके गृह तलाशी के क्रम में रू० 19,50,000/- (उन्नीस लाख पच्चास हजार रुपये) की राशि एवं कुछ संदेहात्मक दस्तावेज जब्त किये गये हैं, जिसकी जाँच की जा रही है। प्रश्नगत मामले में सम्यक् विचारोपरांत

विभागीय अधिसूचना सं०-5503 (एस) दिनांक-04.11.2022 के द्वारा श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (कार्यकारी व्यवस्था के तहत अधीक्षण अभियंता), बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-9 (2)-क के अन्तर्गत दिनांक-17.08.2022 के प्रभाव से निलंबित किया गया।

2. श्री कुमार द्वारा उपर्युक्त विशेष निगरानी थाना कांड में माननीय न्यायालय, विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना से निर्गत मुक्ति आदेश के आलोक में दिनांक-02.01.2023 को केन्द्रीय कारा, बेउर से मुक्त होने का संदर्भ देते हुए दिनांक-03.01.2023 के पूर्वाह्न में विभाग में योगदान समर्पित किया गया।

3. प्रश्नगत मामले में सम्यक विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9 (3) (i) के प्रावधान के आलोक में श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (कार्यकारी व्यवस्था के तहत अधीक्षण अभियंता), बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना सम्प्रति निलंबित के द्वारा दिनांक-03.01.2023 के पूर्वाह्न में योगदान समर्पित किये जाने की तिथि से उन्हें निलंबन मुक्त करते हुए उनके योगदान को स्वीकृत किया जाता है।

4. श्री कुमार के कारावास में बितायी गयी अवधि से उद्भूत निलंबन (दिनांक-17.08.2022 से 02.01.2023 तक) का विनियमन नियमानुसार उनके विरुद्ध दर्ज विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या-11/2022, दिनांक-16.08.2022 के निष्पादन के उपरान्त उसके फलाफल के आधार पर किया जायेगा।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

12 अप्रैल 2023

सं० निग/सारा-(निगम) वि०नि०ई०था०कां०-04/2022-2108(s)—बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम के पत्रांक-2447 अनु० दिनांक-18.08.2022 के साथ संलग्न पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, पटना के पत्रांक-1073 दिनांक-17.08.2022 द्वारा सूचित किया गया है कि श्री अरुण कुमार, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड पटना के विरुद्ध रिश्वत लेने से संबंधित मामले में धारा-7 भ्र०नि०अधि०, 1988 के तहत विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या-11/2022, दिनांक-16.08.2022 दर्ज किया गया है। पुनः निगम के पत्रांक-2676 दिनांक-05.09.2022 के साथ संलग्न पुलिस अधीक्षक, विशेष निगरानी इकाई, पटना के पत्रांक-1139/11/2022/SVU/Pat, दिनांक-05.09.2022 द्वारा सूचित किया गया है कि विशेष निगरानी इकाई, पटना के गठित धावा दल के द्वारा दिनांक-17.08.2022 को श्री कुमार के द्वारा परिवादी श्री गणेश कुमार से रु० 50,000/- (पच्चास हजार रुपये) रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से आदेशानुसार उन्हें दिनांक-18.08.2022 से न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इनके गृह तलाशी के क्रम में रु० 19,50,000/- (उन्नीस लाख पच्चास हजार रुपये) की राशि एवं कुछ संदेहात्मक दस्तावेज जब्त किये गये हैं, जिसकी जाँच की जा रही है। प्रश्नगत मामले में सम्यक् विचारोपरांत विभागीय अधिसूचना सं०-5503 (एस) दिनांक-04.11.2022 के द्वारा श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (कार्यकारी व्यवस्था के तहत अधीक्षण अभियंता), बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-9 (2)-क के अन्तर्गत दिनांक-17.08.2022 के प्रभाव से निलंबित किया गया।

2. श्री कुमार द्वारा उपर्युक्त विशेष निगरानी थाना कांड में माननीय न्यायालय, विशेष न्यायाधीश, निगरानी, पटना से निर्गत मुक्ति आदेश के आलोक में दिनांक-02.01.2023 को केन्द्रीय कारा, बेउर से मुक्त होने का संदर्भ देते हुए दिनांक-03.01.2023 के पूर्वाह्न में विभाग में योगदान समर्पित किया गया।

3. प्रश्नगत मामले में सम्यक विचारोपरांत विभागीय अधिसूचना सं०-2106 (एस) दिनांक-12.04.2023 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9 (3) (i) के प्रावधान के आलोक में श्री अरुण कुमार, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (कार्यकारी व्यवस्था के तहत अधीक्षण अभियंता), बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम लिमिटेड, पटना सम्प्रति निलंबित के द्वारा दिनांक-03.01.2023 के पूर्वाह्न में योगदान समर्पित किये जाने की तिथि से उन्हें निलंबन मुक्त करते हुए उनके योगदान को स्वीकृत किया गया।

4. चूँकि श्री कुमार के विरुद्ध दर्ज विशेष निगरानी इकाई थाना कांड संख्या-11/2022, दिनांक-16.08.2022 सम्प्रति अनुसंधानरत है, जिसमें अभियोजन स्वीकृत्यादेश निर्गत करने की कार्यवाई प्रक्रियाधीन है, साथ ही प्रश्नगत मामले में श्री कुमार के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाई किये जाने पर भी निर्णय लिया गया है, अतएव बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9 (3) (ii) के प्रावधान के आलोक में श्री कुमार को उनके योगदान किये जाने की तिथि 03.01.2023 के प्रभाव से पुनः निलंबित किया जाता है।

5. निलंबन अवधि में श्री कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-10 में उपबंधित नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता अनुमान्य होगा।

6. निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय- अभियंता प्रमुख (मु०) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना निर्धारित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

13 अप्रिल 2023

सं० प्र०-11/पथ अधि०-02-01/2021-2115(s)—सरकार के आदेशानुसार नगर विकास एवं आवास विभाग के स्वामित्व वाले निम्नलिखित पथ/पथांश को पथ निर्माण विभाग में अधिग्रहण करने का निर्णय लिया गया है।

क्र म सं.	पथ प्रमंडल का नाम	पथ का नाम	पथ चैनेज	लम्बाई (कि.मी.)
1	मुंगेर	चुआबाग-खानकाह-मकससपुरा-हसनगंज बजरंगबली चौक तक पथ।	0.000 से 3.700 कि०मी०	3.7
2		बासुदेवपुर चौराहा से ITC Park, चण्डी स्थान होते हुए नया गाँव तक पथ।	0.000 से 4.900 कि०मी०	4.9
3		नगर निगम कार्यालय से जुबली वेल-काली ताजिया-जे०पी० चौक होते हुए शास्त्री चौक तक पथ।	0.000 से 1.100 कि०मी०	1.1

2. संबंधित क्षेत्र के पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, विधिवत् रूप से उपर्युक्त पथों का दायित्व रहित प्रभार संबंधित विभाग से प्राप्त करेंगे तथा विभागीय पंजी में संधारित करते हुए अग्रतर कार्रवाई करेंगे एवं पथ का अद्यतन स्टेटस प्रतिवेदन तीन दिनों के भीतर विशेष दूत से अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण) को समर्पित करेंगे। विषयांकित पथ के Right of Way संबंधित सूचना भी निश्चित रूप से प्राप्त कर लेंगे।

3. संबंधित पथ के विरुद्ध पूर्व से सृजित किसी भी दायित्व का वहन पथ निर्माण विभाग द्वारा नहीं किया जायेगा।

4. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मुकेश कुमार, संयुक्त सचिव (प्र०को०)।

18 अप्रिल 2023

सं० निग/सारा-(एन०एच०)-आरोप-10/2021-2182(s)—राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, मोतिहारी के अन्तर्गत कार्यान्वित कार्य योजनाओं का अपर मुख्य सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के द्वारा भ्रमण किया गया। भ्रमण के क्रम में परियोजनाओं के बारे में मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, मोतिहारी को निम्न विशिष्ट निर्देश दिये गये—

(क) **NH-28B** के किलो मीटर 97 से 104 का कार्य अपूर्ण था, जिसे एक (01) माह के अंदर पूर्ण करना था। उक्त कार्य के अन्तर्गत 3.05 मीटर कालीकरण एवं एक-एक मीटर चौड़ाई में पेभर ब्लॉक लगाने का निर्देश दिया गया था। उक्त कार्यान्वित कार्य योजनाओं का पुनः दिनांक-03.02.2021 को विभागीय समीक्षा की गयी। उक्त विभागीय समीक्षा में पाया गया कि तत्समय **DBM** का भी कार्य पूर्ण नहीं हुआ है। साथ ही यह भी पाया गया कि पेभर ब्लॉक लगाने की कोई तैयारी नहीं की गयी है।

(ख) **NH-28B** के किलो मीटर 91 एवं 94 में **ROB** का निर्माण किया जाना है, जिसकी वित्तीय निविदा 04 फरवरी 2021 को खुलनी थी। विभागीय समीक्षा के क्रम में लगातार निर्देश दिया जाता रहा है कि भू-अर्जन का कार्य शीघ्र पूर्ण करायें। परंतु दिनांक- 03.02.2021 को विभागीय समीक्षा की तिथि तक एक भी रैयत का भुगतान नहीं होने की जानकारी प्रदान की गयी।

2. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में **NH-28B** के किलो मीटर 97 से 104 का कार्य कमजोर प्रबंधन क्षमता के कारण अपूर्ण रहने तथा किलो मीटर 91 एवं 94 में स्थित **ROB** के निर्माण कार्य के लिए भू-अर्जन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को समय पर पूरा करने में अभिरुचि नहीं लिये जाने के कारण विकास के कार्यक्रम प्रभावित होने के बिन्दु को दृष्टिपथ में रखते हुये मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, मोतिहारी से विभागीय पत्रांक-769(एस) दिनांक-04.02.2021 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया। साथ ही अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, मुजफ्फरपुर को आलोच्य मामले में समय पर निर्देशों का पालन नहीं किये जाने के संबंध में प्रतिवेदन समर्पित किये जाने का निदेश दिया गया।

3. मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, मोतिहारी के पत्रांक-180 अनु० दिनांक 08.02.2021 द्वारा स्पष्टीकरण का उत्तर समर्पित किया गया, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित तथ्यों/तर्कों को रखा गया—

(क) उनके कार्यालय पत्रांक-21 दिनांक-08.01.2021 द्वारा पेभर ब्लॉक का प्राक्कलन अधीक्षण अभियंता, रा०उ०प० अंचल, मुजफ्फरपुर को समर्पित किया गया। उक्त कार्य **EPC** के अन्तर्गत रहने के कारण संवेदक के द्वारा ही **Change of Scope** के तहत प्राक्कलन समर्पित किया जाना था। संवेदक द्वारा प्राक्कलन समर्पित नहीं करने के कारण स्थानीय व्यवस्था के तहत दूसरे संवेदक के माध्यम से पेभर ब्लॉक लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। पूरे पथांश में **DBM** का कार्य तथा 04 किलो मीटर में **BC** का कार्य पूर्ण करा लिया गया है।

(ख) भू-अर्जन से संबंधित रैयतों के भुगतान की दिशा में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, बेतिया द्वारा रैयतों को नोटिफाई जारी किया गया है। जिसमें से कुछ रैयतों द्वारा भुगतान लेने हेतु आवेदन समर्पित किया गया है। रैयतों के आवेदन की जाँच में पायी गयी कुछ त्रुटियाँ का निराकरण के बाद भुगतान की जायेगी। रैयतों के भुगतान में तेजी लाने हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, बेतिया द्वारा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

4. आलोच्य मामले में अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-128 अनु० दिनांक-20.02.2021 द्वारा मुख्य रूप से प्रतिवेदित किया गया कि कार्य EPC mode में होना था एवं इस हेतु प्राक्कलन संवेदक द्वारा समर्पित किया जाना था, परंतु निदेश के बावजूद संवेदक द्वारा अनावश्यक विलंब किया गया। समय-सीमा के अंदर कार्य नहीं करने के लिए कार्यपालक अभियंता को एकरारनामा के सुसंगत कंडिका के आलोक में संवेदक के विपत्र से LD impose करना चाहिए था, जिसे नहीं करने के कारण संवेदक पर दबाव नहीं बनाया जा सका। इसके लिए कार्यपालक अभियंता को दोषी माना गया।

साथ ही आलोच्य पथ के किलो मीटर 91 एवं 94 में स्थित ROB के निर्माण कार्य के संबंध में प्रतिवेदित किया गया कि भू-अर्जन में कार्यपालक अभियंता के स्तर से जिला भू-अर्जन पदाधिकारी से समन्वय का अभाव रहा। दैनिक प्रगति हेतु कार्यपालक अभियंता द्वारा किसी कनीय अभियंता को जिला भू-अर्जन कार्यालय में प्रतिनियुक्त किया जाना चाहिए था।

5. मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता से प्राप्त स्पष्टीकरण उत्तर के तहत रखे गये तथ्यों/तर्कों की समीक्षा अधीक्षण अभियंता से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में की गयी। विभागीय समीक्षोपरांत मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता का स्पष्टीकरण उत्तर को संतोषजनक नहीं पाया गया।

6. तदनुसार नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, मोतिहारी के स्पष्टीकरण उत्तर पत्रांक-180 अनु० दिनांक-08.02.2021 को अस्वीकृत करते हुए सम्यक् विचारोपरांत उनके विहित समानुपातिक दायित्व को दृष्टिपथ में रखते हुए सरकार के निर्णयानुसार बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-14 (V) के तहत विभागीय अधिसूचना संख्या- 4990 (एस) सहपठित ज्ञापांक-4991 (एस) दिनांक-04.10.2021 द्वारा "दो (02) वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक " का दंड संसूचित किया गया।

7. उक्त संसूचित दण्डादेश के विरुद्ध श्री आलम के पत्रांक-1059 (अनु०), दिनांक 08.11.2021 एवं पत्रांक-1101 (अनु०), दिनांक 29.11.2021 के द्वारा क्रमशः पुनर्विलोकन एवं पूरक पुनर्विलोकन अभ्यावेदन समर्पित किया गया। श्री आलम के द्वारा अपने पूरक पुनर्विलोकन अभ्यावेदन के तहत मुख्य रूप से निम्नलिखित तथ्य/तर्क रखे गये हैं :-

- (i) पूर्व में उनके द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर की अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अंचल, मुजफ्फरपुर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर समीक्षा करते हुए उनके विरुद्ध दंड अधिरोपित किया गया है, जबकि अधीक्षण अभियंता के प्रतिवेदन पर उनसे उनका पक्ष नहीं जाना गया, जो नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है।
- (ii) अधीक्षण अभियंता के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि कार्यपालक अभियंता द्वारा संवेदक के विरुद्ध LD impose नहीं किया गया, जबकि इस संबंध में वास्तविक तथ्य यह है कि उनके पत्रांक-01 दिनांक-02.01.2021 के द्वारा संवेदक के विरुद्ध कार्य में धीमी प्रगति के कारण EPC एकरारनामा की Clause 10.3(ii) एवं 10.3(iii) के तहत एकरारनामित राशि रु० 7,86,35,700.00 का 0.05% प्रतिदिन के दर से (अधिकतम 10%) कुल रु० 78,63,570.00 का LD (Liquidated Damages) लगाया गया। मो० आलम द्वारा उक्त पत्र की छाया प्रति संलग्न करते हुए संवेदक को Debar किये जाने का उल्लेख किया गया। इस पत्र की प्रतिलिपि अधीक्षण अभियंता को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु तत्समय ही समर्पित किया गया था।
- (iii) अधीक्षण अभियंता के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आलोच्य पथ के कि०मी० 91 एवं 94 में स्थित ROB के निर्माण कार्य के संबंध में भू-अर्जन की दैनिक प्रगति हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करने के लिए किसी कनीय अभियंता को प्रतिनियुक्त नहीं किया गया, जबकि वास्तविक तथ्य यह है कि उनके कार्यालय के पत्रांक-61 दिनांक-16.01.2021 के द्वारा न केवल दो कनीय अभियंता (श्री साहेब कुमार एवं श्री नरेन्द्र कुमार) को बल्कि सहायक अभियंता श्री रणजीत कुमार को भी भू-अर्जन कार्य हेतु प्राधिकृत किया गया था।

8. श्री आलम द्वारा समर्पित पूरक पुनर्विलोकन अभ्यावेदन की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि विभागीय पत्रांक 769 दिनांक 04.02.2021 के द्वारा समानांतर रूप से मो० नौशाद आलम, कार्यपालक अभियंता से स्पष्टीकरण पूछे जाने के साथ-साथ अधीक्षण अभियंता से वर्णित दानों कार्यों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने एवं अन्य अधीनस्थ अभियंता जिनकी लापरवाही से समय पर निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है, को चिन्हित कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया गया। तदालोक में एक तरफ मो० आलम से स्पष्टीकरण उत्तर प्राप्त हुआ, वहीं दूसरी तरफ अधीक्षण अभियंता द्वारा वांछित प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया। मो० आलम के स्पष्टीकरण की समीक्षा अधीक्षण अभियंता के द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रतिवेदन के आधार पर की गयी।

9. अधीक्षण अभियंता के द्वारा मुख्य रूप से प्रतिवेदित किया गया कि कार्यपालक अभियंता द्वारा LD impose नहीं किया गया एवं भू-अर्जन पदाधिकारी से समन्वय हेतु किसी कनीय अभियंता को प्रतिनियुक्त नहीं किया गया। इसी आधार पर मो० आलम का स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया और इसके फलस्वरूप इनके विरुद्ध दण्ड अधिरोपित किया

गया, जबकि मो0 नौशाद आलम के द्वारा उपलब्ध कराये गये अभिलेखों के अवलोकन से ज्ञात होता है कि आलोच्य कार्य में संवेदक के विरुद्ध LD impose किया गया है एवं भू-अर्जन पदाधिकारी से समन्वय हेतु कनीय अभियंता के साथ-साथ सहायक अभियंता को भी प्रतिनियुक्त किया गया है।

उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में श्री आलम के पुनर्विलोकन अभ्यावेदन को स्वीकार करते हुए उनके विरुद्ध संसूचित दण्डादेश विभागीय अधिसूचना संख्या-4990(एस) सहपठित ज्ञापांक-4991(एस) दिनांक-04.10.2021 को वापस लिया जाता है।

10. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

20 अप्रैल 2023

सं0 प्र02/स्था0-07-03/2019-2259(s)— श्री शिवम उमर, सहायक अभियंता, सेतु निरूपण अंचल, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को कार्यहित में परिवहन विभाग, बिहार सरकार में कार्यरत लीड एजेन्सी (बिहार सड़क सुरक्षा परिषद) में अगले आदेश तक के लिए पूर्णकालिक प्रतिनियुक्त किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सुमित वत्स, अवर सचिव (प्र0को0)।

25 अप्रैल 2023

सं0 निग/सारा-4 (पथ) आरोप-90/2020-2329(s)—पथ प्रमंडल, मधेपुरा अन्तर्गत CMBD के तहत गमैल-मकड़ी पथ कार्य में निदेशक, प्रशिक्षण, परीक्षण एवं शोध संस्थान, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-419 अनु0 दिनांक-30.08.2016 एवं पत्रांक-621 अनु0 दिनांक-23.11.2016 द्वारा समर्पित अंतिम जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा की गयी, जिसमें निम्न त्रुटियाँ/अनियमितता पायी गयी :-

- पथ में Demarcation Pillar एवं कि०मी० Post नहीं लगाया गया है तथा फलैंक में मिट्टी कार्य विशिष्टियों के अनुरूप नहीं पाया गया है।
- पथ के कि०मी० 03 में कराये गये WMM एवं BM कार्य में प्रयुक्त Aggregate औसतन क्रमशः 1.1% एवं 2.39% Over Size तथा GSB एवं WMM कार्य में प्रयुक्त Aggregate औसतन क्रमशः 0.56% एवं 1.02% Under Size पया गया है।
- पथ के कि०मी० 03 में कराये गये WMM कार्य में प्रयुक्त Aggregate का FI+EI 42.88% पाया गया है, जबकि MORTH द्वारा निर्धारित अधिकतम मान 35% है।
- पथ के कि०मी० 03 में कराये गये GSB एवं WMM कार्य में प्रयुक्त Screening Material का Plasticity Index क्रमशः 6.5 एवं 6.63 पाया गया है, जबकि प्रावधानित अधिकतम मान 06 है।

2. वर्णित पायी गयी उक्त त्रुटियों के संबंध में विभागीय पत्रांक-2037 (एस) अनु0 दिनांक- 06.03.2017 द्वारा श्री सत्येश्वर मांझी, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, उदाकिशुनगंज, पथ प्रमंडल, मधेपुरा सम्प्रति: सेवानिवृत्त सहायक अभियंता से स्पष्टीकरण कि मांग की गयी। श्री मांझी के पत्रांक-65 अनु0 दिनांक-27.09.2017 द्वारा उत्तर समर्पित किया गया, जिसको विभागीय समीक्षा में स्वीकार्य योग्य नहीं पाया गया।

3. तदालोक में श्री मांझी के विरुद्ध उक्त त्रुटियों के लिए आरोप गठित कर विभागीय संकल्प ज्ञापांक-557 (एस) अनु0 दिनांक-27.01.2021 के द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालित विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-43 अनु0, दिनांक-05.05.2022 द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में श्री मांझी के विरुद्ध गठित 4 (चार) आरोपों को अप्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया।

4. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में सम्यक विचारोपरांत संचालित विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराये गये जाँच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए श्री सत्येश्वर मांझी, तत्कालीन सहायक अभियंता, पथ अवर प्रमंडल, उदाकिशुनगंज, पथ प्रमंडल, मधेपुरा सम्प्रति: सेवानिवृत्त सहायक अभियंता को आरोप मुक्त किया जाता है।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

17 मई 2023

सं0 निग/सारा-1 (पथ)-आरोप-57/2018-2734 (एस)—श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कोचस के उक्त पदस्थापन अवधि में OPRMC (Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) के अंतर्गत पैकेज संख्या-61 में सासाराम-चौसा राज्य उच्च पथ के दीर्घकालीन पथ संधारण में पायी गयी गंभीर अनियमितता के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-9691 (एस), दिनांक 20.12.2018 के द्वारा निलंबित किया गया तथा विभागीय संकल्प ज्ञापांक-02 (एस) दिनांक 01.01.2019 के द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही

संचालित की गयी। विभागीय अधिसूचना संख्या-4603 (एस), दिनांक 10.09.2021 के द्वारा श्री सुमन के निलंबन को समाप्त किया गया।

2. श्री सुमन के विरुद्ध संचालित उक्त विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-1271 अनु० दिनांक 22.04.2019 से प्राप्त हुआ, जिसमें संचालन पदाधिकारी के द्वारा उक्त सभी आरोपों को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया। विभागीय समीक्षोपरांत संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति का बिन्दु सृजित करते हुए विभागीय पत्रांक-247 (एस), दिनांक 13.01.2021 के द्वारा श्री सुमन से लिखित अभिकथन के रूप में अभ्यावेदन की मांग की गई।

3. श्री सुमन ने पत्र दिनांक 22.03.2021 के द्वारा अपना द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर समर्पित किया, जिसमें उनके द्वारा बचाव के निम्नलिखित मुख्य बिन्दु दिये गये :-

(i) आरोप संख्या-1 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि इस पथ के क्षतिग्रस्त होने के कारण मात्र घनी बसावट एवं स्थल पर पानी निकासी ही नहीं है बल्कि पथांश का PCC परत काफी पुराना (13 वर्ष) होने एवं आरा-मोहनियाँ पथ के जर्जर होने के कारण वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस पथ पर बालू लदे अत्यधिक भारी वाहनों का परिचालन भी है। पुराने जीर्ण-शीर्ण PCC पथांश का समाधान OPRMC के प्रावधानित राशि से कतई संभव नहीं था बल्कि स्थायी मरम्मत ही एकमात्र समाधान था। इसके लिए उनके द्वारा कार्य का आकलन कर Provisional Sum के अन्तर्गत मुख्यालय से राशि की भी मांग की गयी। पथ के बृहद स्थायी मरम्मत / मजबूतीकरण हेतु निदेशानुसार उनके द्वारा DPR तैयार कर अधीक्षण अभियंता को समर्पित किया गया। उन्होंने अंकित किया है कि जिस समय उन्हें निलंबित किया गया था उस समय DPR संबंधित मुख्य अभियंता से तकनीकी अनुमोदन प्राप्त कर प्रशासनिक स्वीकृति हेतु मुख्यालय स्तर पर भी प्रक्रियाधीन थी। उन्होंने पथांश के स्थायी मरम्मत हेतु घटना के तिथि से पूर्व ही हर संभव प्रयास किया।

(ii) आरोप संख्या-2 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि Patch work एक बिटुमिनस कार्य है, ऐसी स्थिति में IRC के निदेशानुसार Patch work से नमूना संग्रह कर इसके विभिन्न मदों की गुणवत्ता जाँच किया जाना आवश्यक है, परन्तु विभाग द्वारा इसकी गुणवत्ता जाँच कराये बगैर आधारहीन तथ्यों के आधार पर खराब गुणवत्ता का आरोप लगाया गया है। उन्होंने विभिन्न परिस्थितिजन्य बाधाओं का उल्लेख करते हुए अंकित किया है कि पथ को Service Level तक बनाये रखने हेतु उन्होंने पथ में बार-बार Patch work कराया।

(iii) आरोप संख्या-3 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि पथ के IRI (Internation Roughness Index) जाँच Bump Indicator से कराये बगैर ही आरोप पत्र गठित किया गया है, जिसमें Riding Quality के संबंध में आरोप प्रमाणित/तकनीकी साक्ष्य पर आधारित नहीं है बल्कि नेत्रानुमान मात्र पर आधारित है।

(iv) आरोप संख्या-4 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि OPRMC प्रावधानों के तहत irregular rough surface/Patches का संधारण उनके द्वारा ससमय Response time के अन्दर संवेदक के माध्यम से कराया जाता रहा है और इसी आधार पर OM मद में संवेदक को भुगतान किया जाता रहा है। विदित हो कि आलोच्य पथ का संधारण OPRMC के Package No-61 के तहत किया जा रहा था, जिसमें कुल 09 (नौ) पथ थे। उक्त सभी पथों का OM मद का मासिक भुगतान समेकित रूप से किये जाने का प्रावधान है। किसी विशेष परिस्थिति में OM मद के अन्तर्गत कुल 27 (सताईस) तरह के त्रुटियों का response time में compliance नहीं किये जाने की स्थिति में weightage के आधार पर कटौती कर शेष पथांशों का भुगतान किये जाने का प्रावधान है। भुगतान किये जाने का मतलब यह नहीं है कि जिस पथ में सुधार कर दिया गया है उसमें भुगतान कर देने के बाद irregular rough surface उत्पन्न नहीं हो सकता है।

(v) आरोप संख्या-5 के संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से असहमति के बिन्दु के संदर्भ में श्री सुमन ने मुख्य रूप से अंकित किया है कि उनके द्वारा अपने क्षेत्राधीन पथों का माह में कम से कम एक बार या कभी-कभी इससे भी अधिक बार निरीक्षण किया गया है। OPRMC के अन्तर्गत संबंधित पथों का निरीक्षण माह में एक बार करते हुए Monthly Inspection Report OPRMC Cell में Online भेजे जाने के विभागीय निदेश के आलोक में उनके द्वारा माह में एक बार निश्चित रूप से पथों का निरीक्षण करते हुए तदनुसार Monthly Inspector Report OPRMC Cell में Online भेजा गया है।

4. श्री सुमन के द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर का विभागीय समीक्षा की गयी, तदनुसार पाया गया कि आरोपित पदाधिकारी द्वारा विषयांकित पथ के जीर्ण-शीर्ण अवस्था को सुधारने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। जिस पथ की मरम्मत करायी गयी उसकी गुणवत्ता अत्यन्त ही खराब पायी गयी तथा कार्य विशिष्टता के अनुरूप नहीं थे। इस पथ में जगह-जगह Patch work पाया गया तथा कई जगह Service Level तक Crack भी नजर आया। नियमानुसार Bituminous कार्य द्वारा Patch work से पथ निर्माण को सुगम कराया जाना था, लेकिन आरोपित पदाधिकारी द्वारा इसका पालन नहीं किया गया। इसके समर्थन में Videography report के अनुसार पन्द्रह जगहों पर पथ में Pots

पाये गये। पथ का बिना रख-रखाव सुनिश्चित कराये संवेदक को OM (Ordinary maintenance) मद में भुगतान किया जाता रहा, जो सरकारी राशि का दुरुपयोग एवं आरोपित पदाधिकारी का संवेदक से मिलीभगत को दर्शाता है।

5. उपलब्ध अभिलेखों से यह भी स्पष्ट होता है कि आरोपित कार्यपालक अभियंता द्वारा आलोच्य पथ का नियमित निरीक्षण नहीं किया गया है, जिसके फलस्वरूप पथ की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। नोडल पदाधिकारी, OPRMC द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रतिवेदन एवं उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन के अनुसार कई जगह पथ में Pots पाये जाने एवं Cracks पाया जाना स्पष्ट करता है कि पथों की मरम्मत विशिष्टता के अनुरूप नहीं की गयी है।

6. सम्यक समीक्षोपरान्त यह पाया गया कि पथों के संधारण में गंभीर चूक बरती गयी है। श्री सुमन संविदा की शर्तों को अनुपालन कराने में विफल रहे, जो सरकारी सेवक के आचरण के अनुरूप नहीं है। उनके द्वारा नियमित पर्यवेक्षण नहीं करने से पथ की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। यह उनकी लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का द्योतक है। उपर्युक्त कर्तव्यहीनता, दायित्व निर्वहन में चूक तथा सरकारी राशि का दुरुपयोग तथा लापरवारी का प्रमाणित आरोपों के लिए श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कोचस के अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुए उनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005, यथा संशोधित नियमावली 2007 के नियम 14 (vi) के तहत "संचयी प्रभाव से 04 (चार) वेतन वृद्धि पर रोक" लगाये जाने के निर्णित दण्ड पर विभागीय पत्रांक-4605 (एस) दिनांक 10.09.2021 के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग की सहमति/परामर्श की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2733 दिनांक 22.12.2021 के द्वारा उक्त निर्णित दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी।

7. उपर्युक्त के आलोक में सम्यक विभागीय समीक्षोपरान्त श्री सुनील कुमार सुमन, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल कोचस के विरुद्ध प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-2863(एस)-सहपठित ज्ञापांक-2864 (एस) दिनांक-20.06.2022 के द्वारा निम्नलिखित दण्ड संसूचित किया गया :-

(क) संचयी प्रभाव से 04 (चार) वेतन वृद्धि पर रोक।

8. श्री सुमन के निलंबन अवधि दिनांक-20.12.2018 से दिनांक-09.09.2021 में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता देय होने एवं उक्त अवधि को अन्य प्रयोजनार्थ कर्तव्य अवधि के रूप में परिगणित किये जाने के रूप में विनियमित करने का निर्णय लिया गया तथा सामान्य प्रशासन विभाग के पत्रांक-7876 दिनांक-20.05.2013 के आलोक में निलंबन अवधि के विनियमन के संबंध में लिये गये उक्त निर्णय के संदर्भ में लिखित अभ्यावेदन की मांग श्री सुमन से की गई।

9. श्री सुमन के पत्रांक-शुन्य दिनांक-27.11.2022 लिखित अभ्यावेदन समर्पित किया गया, जिसमें उनके द्वारा मुख्य रूप से यह तर्क दिया गया गया उन्हें 32 महिने तक निलंबित रखे जाने के लिये वे दोषी नहीं हैं बल्कि विभाग जबाबदेह है। यदि विभाग द्वारा इतनी लंबी अवधि तक उन्हें निलंबित नहीं रखा जाता तो वे अन्यत्र कहीं पदस्थापित होकर अपने कर्तव्यों पर उपस्थित रहते और इसके लिए वे पूर्ण वेतन एवं भत्ता का हकदार होते। विभागीय कार्यवाही में पूर्ण सहयोग करने के फलस्वरूप संचालन पदाधिकारी द्वारा ससमय जाँच प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध करा दिया गया, परन्तु विभाग द्वारा जाँच प्रतिवेदन पर ससमय निर्णय नहीं लिया गया, जिसके कारण उनके निलंबन अवधि में अकारण वृद्धि होता गया।

10. श्री सुमन के द्वारा समर्पित अभ्यावेदन की विभागीय समीक्षा की गई। श्री सुमन के द्वारा यह कहा जाना कि उन्हें लंबी अवधि तक निलंबित रखा गया, के समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री सुमन का निलंबन अवधि 12 माह से अधिक होन जाने को दृष्टिगत रखते हुए ही विभाग द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम 10(1)(i) के प्रावधानानुसार उनको देय जीवन निर्वाह भत्ता में 50 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 75 प्रतिशत जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान अनुमान्य किया गया। इस प्रकार विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई है। चूंकि श्री सुमन के विरुद्ध गठित आरोप प्रमाणित पाते हुए दण्ड संसूचित किया गया है, इसलिए विभाग द्वारा श्री सुमन को किया गया निलंबन युक्तिसंगत प्रतीत होता है। अतः सम्यक विचारोपरान्त निलंबन अवधि के विनियमन के संबंध में निम्नलिखित निर्णय लिया जाता है:-

(क) श्री सुनील कुमार सुमन तत्कालीन कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, कोचस के निलंबन अवधि दिनांक-20.12.2018 से दिनांक-09.09.2021 में मात्र जीवन निर्वाह भत्ता देय होने एवं उक्त अवधि को अन्य प्रयोजनार्थ कर्तव्य अवधि के रूप में परिगणित किये जाने के रूप में विनियमित किया जाता है।

11. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

18 मई 2023

सं० प्र०-11/पथ अधि०-02-01/2023-2766(एस)-सरकार के आदेशानुसार ग्रामीण कार्य विभाग के स्वामित्व वाले निम्नलिखित पथ/पथांश को पथ निर्माण विभाग द्वारा अधिग्रहण करने का निर्णय लिया जाता है :-

क्रम सं०	पथ प्रमंडल का नाम	पथ का नाम	पथ की लंबाई	दायित्व रहित अनापत्ति प्रमाण पत्र का प्रसंग
1.	पथ प्रमंडल, हाजीपुर	तेरसीया (महात्मा गांधी सेतु के पाया नं०-10) सरायपुर-लिटियाही- सैदपुर गणेश से बिदुपुर पथ।	15.00 कि०मी० तक।	ग्रामीण कार्य विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र की प्रत्याशा में।
2.		तेरसीया (महात्मा गांधी सेतु के पाया नं०-01) से नवादा (एन.एच.-122बी) पथ।	6.00 कि०मी० तक।	
3.		कच्ची दरगाह (रूस्तमपुर) से वीरपुर भाया बहरामपुर-पुरुषोत्तमपुर-बहरामपुर-मोहन पुर- पहाड़पुर पथ।	16.58 कि०मी० तक।	
4.	लखीसराय	सूरजीचक-राहतपुर- रामचन्द्रपुर पथ।	7.00 कि०मी० तक।	
5.		रामगढ़ चौक (एस.एच.-08) से शरमा (एस.एच.-18) पथ।	5.00 कि०मी० तक।	
6.		बिल्लो (एस.एच.-18) से चेवाड़ा (एन.एच.-333ए) पथ।	9.60 कि०मी० तक।	
7.	पथ प्रमंडल, बेनीपुर	पचना मोड़ (एस.एच.-18) से लखीसराय (एस.एच.-8) पथ।	22.00 कि०मी० तक।	
8.		नारबांध (एस.एच.-56) से मुर्तजापुर पथ भाया रङ्गीयाम, शिवराम, उफरदाहा, फरदाहा, तरौनी तक।	7.60 कि०मी० तक।	
9.		चंदनपट्टी चौक से हरिहरपुर पथ भाया सहोरा गांव माखनपुर, बसहा एवं मिर्जापुर होते हुए हवासा मनोरथा से पहले हरिहरपुर तक।	6.00 कि०मी० तक।	
10.	जहानाबाद	एन.एच.-110 केन्दई से रतनी फरिदपुर प्रखंड मुख्यालय होते हुए मुरहरा तक।	20.00 कि०मी० तक।	

2. संबंधित क्षेत्र के पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विधिवत रूप से उपर्युक्त पथों का दायित्व रहित प्रभार संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता से प्राप्त करेंगे तथा विभागीय पंजी में संधारित करते हुए अग्रतर कार्रवाई करेंगे एवं पथ का अद्यतन स्टेटस प्रतिवेदन तीन दिनों के भीतर विशेष दूत से अधीक्षण अभियंता (अनुश्रवण) को समर्पित करेंगे। विषयांकित पथ के Right of Way संबंधित सूचना भी निश्चित रूप से प्राप्त कर लेंगे।

3. संबंधित पथ के विरुद्ध पूर्व से सृजित किसी भी दायित्व का वहन पथ निर्माण विभाग द्वारा नहीं किया जाएगा।

4. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मुकेश कुमार, संयुक्त सचिव (प्र०को०)।

23 मई 2023

सं० निग/सारा-4(पथ) आरोप-62/2019-2824(एस)-श्री अनिल कुमार यादव, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सहरसा सम्प्रति: निलंबित कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना द्वारा पथ प्रमंडल, सहरसा के पदस्थापन काल में बरती गई अनियमितता के लिए आरोप पत्र गठित करते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक संख्या-3027 (S) We दिनांक-29.06.2021 द्वारा निम्न आरोपों के लिए विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी :-

- श्री राज कुमार लाल, मुख्य अभियंता, सीमांचल, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना द्वारा सहरसा पथ प्रमंडल के अधीन पड़ने वाले राज्य उच्च पथ संख्या-59 एवं 95 का निरीक्षण प्रतिवेदन दिनांक-29.08.2019 को ऑनलाईन विभाग को समर्पित किया गया, जिसमें उक्त दोनों ही पथों की स्थिति दयनीय पायी गयी।
- दिनांक-23.03.2020 को आहुत उड़नदस्ता जाँच मुल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही में उड़नदस्ता दल द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में पथ प्रमंडल, सहरसा अन्तर्गत रौटा-सोनवर्षा कचहरी पथ में कराये गये BM Gr. II कार्य में प्रयुक्त बिटुमीन की मात्रा 2.37% पायी गयी, जो प्रावधानित मात्रा 3.30% से कम है एवं N.H-107 बरियाही बाजार से सहरसा बाईपास पथ के DBM Gr-II में बिटुमीन की मात्रा 3.345% पायी गयी, जो प्रावधानित मात्रा 4.25% से कम है। इसकी समीक्षा क्रम में गुणवत्ता में कमी पायी गयी।

- (iii) पथ प्रमंडल, सहरसा के कार्यों की सतत् विभागीय समीक्षा में (i) रेवता-सोनवर्षा कचहरी रोड (ii) सहरसा-बिहरा-भाया-अगवानपुर रोड (iii) वनगाँव थाना से पर्री रोड (iv) महेशी से चैनपुर पथ के कि०मी० 01 पर अवस्थित उच्च स्तरीय पुल तथा OPRMC संविदा प्रबंधन के तहत पैकेज संख्या-15A एवं 15B का लक्ष्य के अनुरूप कार्य की प्रगति नहीं पाये जाने के लिए विभागीय पत्रांक-3040 (एस) अनु० दिनांक 27.05.2020 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी, जिसका प्रत्युत्तर अद्यतन अप्राप्त है। इसके अतिरिक्त पथ प्रमंडल, सहरसा अन्तर्गत OPRMC-II के पैकेज संख्या-15A एवं 15B में पथों का विशेष निरीक्षण दल द्वारा दिनांक 06.11.2019 से 08.11.2019 तथा 10.02.2020 से 14.02.2020 तक किये गये जाँच का जाँचोपरांत यह पाया गया है कि Contract के नियमों का अनुपालन तथा कार्यों का अनुश्रवण जिससे पथों के सेवा स्तर MBD के अनुकूल हो, नहीं किया गया है।
- (iv) CWJC No-23932/2018 रामचन्द्र प्रसाद सिंह बनाम बिहार राज्य एवं अन्य में दिनांक 15.07.2019 को माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित नहीं करने एवं ससमय प्रतिशपथ पत्र दायर नहीं करने के फलस्वरूप माननीय न्यायालय द्वारा एकपक्षीय आदेश पारित कर दिया गया, जिसके कारण विभाग को प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ा। इस हेतु विभागीय पत्रांक-7191 (एस) अनु० दिनांक 05.08.2019 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी, जिसका प्रत्युत्तर अद्यतन अप्राप्त है।

2. श्री यादव के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-160/प्र०स०गो०को०, दिनांक-12.07.2022 द्वारा तत्संबंधी जाँच प्रतिवेदन विभाग को समर्पित किया गया। संचालन प्रतिवेदनानुसार आरोप संख्या-1, 2, एवं 3 को आंशिक प्रमाणित तथा आरोप संख्या-4 को पूर्णतः प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया, जिससे सहमत होते हुए विभागीय पत्रांक-5464 (S) We दिनांक-04.11.2022 के द्वारा श्री यादव से लिखित अभिकथन के रूप में द्वितीय कारण पृच्छा की माँग की गई।

3. तदालोक में श्री यादव के पत्रांक-24 दिनांक-10.11.2022 के द्वारा आरोप संख्या-2 में वर्णित पथ के उड़नदस्ता दल द्वारा किए गए जाँच का जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने एवं जाँच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर समर्पित किये जाने हेतु एक माह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया गया। उक्त अभ्यावेदन को विभागीय समीक्षोपरांत पत्रांक-283 (एस) दिनांक-18.10.2023 द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया।

4. श्री यादव द्वारा अपने पत्रांक-शून्य दिनांक-31.01.2023 के द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर समर्पित किया गया, जिसमें उनके द्वारा प्रमाणित/अंशतः प्रमाणित आरोपों के संदर्भ में कोई नया तथ्य अथवा तर्क एवं खण्डनयुक्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, बल्कि संचालन पदाधिकारी द्वारा विश्लेषण/निष्कर्ष के तहत अंकित किये गये तथ्यों एवं इनके द्वारा पूर्व में संचालन पदाधिकारी के समक्ष समर्पित बचाव-वयान मात्र की ही नये सिरे से पुनरावृत्ति की गयी है।

5. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में विभागीय समीक्षोपरांत श्री अनिल कुमार यादव, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, सहरसा सम्प्रति: निलंबित कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुए सम्यक विचारोपरांत बिहार सरकारी (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम 14 के उपनियम (i) के तहत निम्न शास्ति अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया जाता है :-

(i) “निन्दन (आरोप वर्ष 2019-2020)”।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

30 मई 2023

सं० निग/सारा (एन०एच०) आरोप-11/2017-3002(s)—श्री अजय कुमार पाण्डेय, तत्कालीन सहायक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति: सेवानिवृत्त (दिनांक-30.11.2020) सहायक अभियंता के विरुद्ध राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, भागलपुर के पदस्थापन काल में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-80 के कि०मी० 129 से 135 पथांश में चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं सीमेंट कंक्रीट पेभमेंट के निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता के आरोप में इनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-2662 (एस) अनु० दिनांक-06.05.2020 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जो इनके दिनांक-30.11.2020 को सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप विभागीय संकल्प ज्ञापांक-7040 (एस) दिनांक-21.12.2020 द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43 (बी) के तहत सम्पत्तिवर्तित किया गया है। उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप पत्र के तहत कुल-05 आरोप निम्नवत गठित किये गये हैं—

- (i) कि०मी० 129 एवं 130 के बीच दो कि०मी० की लंबाई में जल निकासी हेतु प्राक्कलन/एकरारनामा में प्रावधानित नाला का निर्माण एवं Extention of Culverts का कार्य नहीं कराया गया है।
- (ii) प्राक्कलन/एकरारनामा में कि०मी० 129 एवं 130 के बीच आवश्यकतानुसार सड़क के दोनों ओर दो कि०मी० की लंबाई में जल निकासी हेतु प्रावधानित Drain एवं Extention of Culverts का कार्य से संबंधित 11 मर्दों का कार्य संवेदक के द्वारा नहीं कराया गया है।
- (iii) आलोच्य पथ में ईट सोलिंग का कार्य कहीं पर पाया गया है और कहीं पर नहीं पाया गया है।

(iv) पी०सी०सी० के अधिकांश भाग के उपरी सतह का लेवल सड़क के दोनों ओर बने आवासीय भवनों/दुकानों के प्लिंथ लेवल से कहीं-कहीं सड़क के एक तरफ तो कहीं-कहीं दोनों तरफ औसतन एक फीट से दो फीट तक ऊँचा पाया गया। इस प्रकार, माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा सी०डब्लू०जे०सी०संख्या-4839/2010 में दिनांक-19.04.10 को पारित आदेश की अवहेलना की गयी।

(v) क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, बिहार, पटना को दिनांक-28.06.14 को 10th & final bill समर्पित किया गया, जबकि कार्य अपूर्ण था। इस तरह श्री पाण्डेय के द्वारा इसका भी गलत विपत्र समर्पित किया गया।

2. जाँच आयुक्त-सह-संचालन पदाधिकारी, बिहार मानवाधिकार आयोग, बिहार, पटना के द्वारा उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही से संबंधित जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-19186 अनु० दिनांक-24.12.2020 द्वारा विभाग को उपलब्ध कराया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा अपने जाँच प्रतिवेदन के तहत निष्कर्ष के रूप में श्री पाण्डेय के विरुद्ध प्रपत्र-‘क’ के तहत गठित कुल 05 (पाँच) आरोपों को प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराये गये जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा में गठित सभी आरोपों को प्रमाणित मानते हुये संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुये श्री पाण्डेय से विभागीय पत्रांक-2721 (एस) अनु० दिनांक-16.06.2021 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गई।

3. तदालोक में श्री पाण्डेय द्वारा अपने पत्रांक-शून्य दिनांक- 12.07.2021 द्वारा विभाग को द्वितीय कारण पृच्छा का उत्तर समर्पित किया गया। समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर में मुख्य रूप से निम्न तथ्य/तर्क रखा गया है :-

(i) मूल प्राक्कलन में **Electrical Utility Shifting** का प्रावधान नहीं होने के कारण, **Electrical Utility Shifting** प्राक्कलन तैयार कर विभाग को समर्पित किया गया, जिसकी स्वीकृति नहीं होने के कारण प्रावधानित नाला का निर्माण एवं **Extention of Culverts** का कार्य नहीं कराया जा सका।

(ii) **Electrical Utility Shifting** का प्राक्कलन स्वीकृत नहीं होने के कारण कि०मी० 129 एवं 130 के बीच 02 कि०मी० की लंबाई में जल निकासी हेतु **RCC ड्रेन** एवं **Extention of Culverts** के कार्य से संबंधित 11 मदों का कार्य संवेदक से नहीं करवाया जा सका।

(iii) स्थल जाँच के दौरान **Randomly** चयनीत 8-10 स्थलों पर ब्रीक सोलिंग कराये गये कार्य की मापी, मापीपुस्त में दर्ज मापी से मिलान कर ही भुगतान की कार्यवाई की गयी।

(iv) दिनांक 29.08.2013 को सहायक अभियंता के रूप में प्रभार ग्रहण की तिथि तक आलोच्य कार्य का प्राक्कलन/एकरानामा आदि का कार्य पूर्ण हो चुका था। आरोप वस्तुतः प्राक्कलन से संबंधित है, जिसका गठन उनके पूर्ववर्ती पदाधिकारी द्वारा किया गया था। इसमें उनका कोई संबंध नहीं है।

(v) कार्यपालक अभियंता के निदेशानुसार ही इस योजना का 10th अंतिम विपत्र केवल संपादित कार्य मदों में **Saving & Excess** दर्शाते हुए दिनांक 20.05.2014 को कनीय अभियंता द्वारा तैयार कर समर्पित करने के उपरान्त मेरे द्वारा प्रमंडलीय कार्यालय में समर्पित किया गया था। क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पटना द्वारा उक्त अंतिम विपत्र को प्रमंडलीय कार्यालय को लौटा दिया गया था, जिसे तदेन कार्यपालक अभियंता द्वारा दसवे चालू विपत्र में परिवर्तित करवा कर पुनः समर्पित किया गया था, जिसे क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पटना द्वारा स्वीकृत किया गया। क्षेत्रीय पदाधिकारी द्वारा प्रमंडल से भेजे गये दसवें एवं अंतिम विपत्र को अंतिम विपत्र नहीं माना, जिसे प्रमंडल द्वारा दसवे चालू विपत्र में परिवर्तित किया गया।

4. श्री पाण्डेय के द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर की विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि इनके द्वारा गठित आरोप के विरुद्ध कोई ठोस खण्डनयुक्त तथ्य/तर्क प्रस्तुत नहीं किया गया है। बल्कि विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में संचालन पदाधिकारी के समक्ष रखे गये बचाव बयान के रूप में रखे तथ्यों की ही पुनरावृत्ति है। फलतः इनके विरुद्ध विश्लेषणोपरान्त प्रमाणित पाये गये आरोपों के परिप्रेक्ष्य में श्री पाण्डेय के द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर को विचारणीय नहीं पाते हुए अस्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

5. तदनुसार आलोच्य मामले की सम्यक विभागीय समीक्षा के उपरान्त श्री पाण्डेय को गंभीर कदाचार का दोषी पाते हुए इनके विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली, 1950 के नियम-43 (बी) के तहत इनके पेंशन से 05 (पाँच) प्रतिशत राशि की कटौती 02 (दो) वर्षों तक किये जाने संबंधी दंड प्रस्ताव पर लिये गये विभागीय निर्णय पर विभागीय पत्रांक-610 (एस) दिनांक-06.02.2023 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति/परामर्श उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। तत्पश्चात बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-5129 दिनांक- 24.03.2023 द्वारा निर्णित विभागीय दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी। है।

6. अतएव उपर्युक्त के आलोक में श्री अजय कुमार पाण्डेय, तत्कालीन सहायक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ अवर प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति सेवानिवृत्त सहायक अभियंता के लिखित अभिकथन के रूप में समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुये सम्यक विचारोपरान्त उनके विहित समानुपातिक दायित्व को दृष्टिपथ में रखते हुए सरकार के निर्णयानुसार बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(B) के तहत “इनके पेंशन से 05 (पाँच) प्रतिशत राशि की 02 (दो) वर्षों तक कटौती” का दण्ड संसूचित किया जाता है।

7. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

30 मई 2023

सं० निग/सारा (एन०एच०) आरोप-11/2017-3004(s)—श्री लाल मोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति: सेवानिवृत्त (दिनांक-30.09.2021) कार्यपालक अभियंता के विरुद्ध राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर के पदस्थापन काल में राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-80 के कि०मी० 129 से 135 पथांश में चौड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं सीमेंट क्रंकीट पेभमेंट के निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता के आरोप में इनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-2663 (एस) अनु० दिनांक-06.05.2020 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जो इनके दिनांक-30.09.2021 को सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप विभागीय संकल्प ज्ञापांक-2345 (एस) दिनांक-27.05.2022 द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43 (बी) के तहत सम्परिवर्तित किया गया है। उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही में आरोप पत्र के तहत कुल-13 आरोप निम्नवत गठित किये गये हैं—

- (i) कि०मी० 129 एवं कि०मी० 130 में RCC Covered drain का निर्माण कार्य कराये बिना ही कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र दिनांक-28.06.14 को निर्गत किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि संवेदक के द्वारा दिनांक-20.05.14 को ही कार्य पूरा करा दिया गया है। इसके लिए विभाग के सक्षम पदाधिकारी से अनुमति प्राप्त नहीं की गयी।
- (ii) पूर्णता प्रमाण पत्र बिना तिथि एवं दिनांक से ही निर्गत कर दिया गया था जो कि विभागीय कार्य प्रणाली के विपरीत है।
- (iii) संवेदक को अपने पत्रांक-368 दिनांक-22.05.14 को ही उक्त योजना में विभिन्न मदों में कराये गये मात्रा का एक प्रमाण पत्र दिया गया है जिसमें योजना को पूर्ण दर्शाया गया है। इस तरह श्री प्रजापति के द्वारा गलत पूर्णता प्रमाण पत्र निर्गत किया गया।
- (iv) सहायक अभियंता/कनीय अभियंता के द्वारा दिनांक-20.05.14 को मापी पुस्त संख्या-834 पृष्ठ संख्या-36-40 में अंतिम विपत्र तैयार करते हुए हस्ताक्षर किया था, जिसे तत्कालीन कार्यपालक अभियंता के द्वारा दिनांक-28.06.14 को अवलोकन किया गया। ऐसी स्थिति में योजना दिनांक-22.05.14 को किस परिस्थिति में पूर्ण मानने का प्रमाण पत्र बार बार दिया गया। इस तरह श्री प्रजापति के द्वारा गलत विपत्र समर्पित किया गया।
- (v) क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, बिहार, पटना को दिनांक-28.06.14 को 10th & final bill समर्पित किया गया, जबकि कार्य अपूर्ण था। इस तरह श्री प्रजापति के द्वारा इसका भी गलत विपत्र समर्पित किया गया।
- (vi) क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, बिहार, पटना के द्वारा Additional Performance Guarantee के Validity के विस्तार के संबंध में पृच्छा करने पर तत्कालीन कार्यपालक अभियंता के द्वारा अपने पत्रांक-589 दिनांक-27.08.14 के द्वारा यह प्रमाण पत्र दे दिया गया कि योजना पूर्ण की जा चुकी है, और अंतिम विपत्र तैयार किया जा रहा है। अतः इसके विस्तार की आवश्यकता नहीं है जबकि कार्य अपूर्ण था। इस तरह पुनः श्री प्रजापति के द्वारा गलत प्रतिवेदन समर्पित किया गया।
- (vii) संवेदक को एकरारनामा के शर्तों के विपरीत योजना के अपूर्ण रहते हुए भी उसे पूर्ण मानते हुए Additional Performance Guarantee की राशि जो रुपये 63,80,000.00 लाख थी को दिनांक-28.07.14 को विभागीय कार्य प्रणाली के विरुद्ध जा कर Release कर दिया गया।
- (viii) क्षेत्रीय पदाधिकारी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, बिहार, पटना के द्वारा योजना को पूर्ण नहीं मानने के निर्देश के बावजूद दिनांक-31.07.14 को संवेदक के द्वारा योजना में कराये गये कार्यों के विभिन्न विपत्रों से Security Deposit के तहत काटी गयी राशि जो रुपये 30,79,461.00/- होता है को विमुक्त करने के लिए विपत्र भेज दिया गया। यह कार्य पूर्ण रूप से विभागीय कार्य प्रणाली के विपरीत है।
- (ix) पी०सी०सी० के अधिकांश भाग के उपरी सतह का लेवल सड़क के दोनों ओर बने आवासीय भवनों/दुकानों के प्लिंथ लेवल से कहीं-कहीं सड़क के एक तरफ तो कहीं-कहीं दोनों तरफ औसतन एक फीट से दो फीट तक ऊँचा पाया गया। इस प्रकार, माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा सी०डब्लू०जे०सी०संख्या-4839/2010 में दिनांक-19.04.10 को पारित आदेश की अवहेलना की गयी।
- (x) मुख्य अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ उपभाग, बिहार, पटना के आदेश संख्या-रा०उ०प०-21/प्राक्क-01-25/2011-469, दिनांक-18.02.17 के द्वारा गलत पूर्णता प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया गया है, जिसके कारण योजना पूर्ण रूप से अपूर्ण समझी जायेगी तथा इसके लिए तत्कालीन कार्यपालक अभियंता श्री प्रजापति पूर्णरूपेण दोषी हैं।
- (xi) एकरारनामा की शर्तों के अनुसार Performance Security के तहत 53.00 लाख रूपया जिसकी मान्यता DLP (3 वर्ष) के बाद 28 दिन तक होनी चाहिए, परंतु संवेदक के द्वारा समर्पित जमानत की राशि को विहित तिथि को Revalidate अपने कार्यकाल के दौरान तत्कालीन कार्यपालक अभियंता श्री प्रजापति के द्वारा नहीं किया गया।

(xii) आलोच्य पथ में ईट सोलिंग का कार्य कहीं पर पाया गया है और कहीं पर नहीं पाया गया है।

(xiii) एकरारनामा/एस०बी०डी० की शर्त (Compensation for delay/liquidated damage) के तहत विहित समय के अन्तर्गत कार्यों को पूरा नहीं करने के लिए एकरारित राशि का 10 प्रतिशत की कटौती संवेदक से किये जाने का प्रावधान है, परन्तु ऐसी कोई वसूली प्रतिवेदित नहीं की गयी है।

2. सचिव-सह-जाँच आयुक्त, बिहार मानवाधिकार आयोग, बिहार, पटना के द्वारा उक्त संचालित विभागीय कार्यवाही से संबंधित जाँच प्रतिवेदन पत्रांक-19282 अनु० दिनांक-28.12.2020 द्वारा विभाग को उपलब्ध कराया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा अपने जाँच प्रतिवेदन के तहत निष्कर्ष के रूप में श्री प्रजापति के विरुद्ध प्रपत्र- 'क' के तहत गठित कुल 13 (तेरह) आरोपों को प्रमाणित होने का निष्कर्ष दिया गया। संचालन पदाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराये गये जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा में गठित सभी आरोपों को प्रमाणित मानते हुये संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से सहमत होते हुये श्री प्रजापति से विभागीय पत्रांक-2719 (एस) अनु० दिनांक-16.06.2021 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की गई।

3. तदालोक में श्री प्रजापति द्वारा अपने पत्रांक-02 दिनांक- 15.11.2021 द्वारा विभाग को द्वितीय कारण पृच्छा का उत्तर समर्पित किया गया। समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर में मुख्य रूप से निम्न तथ्य/तर्क रखा गया है :-

आलोच्य कार्य में प्राक्कलन की स्वीकृति, परिमाण विपत्र की स्वीकृति, एकरारनामा एवं कार्यादेश इनके योगदान की तिथि 10.07.2013 से पूर्व ही सम्पन्न हो चुका था एवं कार्य प्रगति पर था। **Utility Shifting** (विद्युत पोल, ट्रॉसफार्मर आदि) एवं प्राक्कलनित नाला को मदर ड्रेन से जोड़ने का प्राक्कलन प्राक्कलन में नहीं होने के कारण 1.65 कि०मी० में चौड़ीकरण का कार्य एवं 2000 मीटर लंबाई का नाला निर्माण नहीं कराया जा सका। संवेदक द्वारा पथ कार्य पूर्ण करने के उपरांत संवेदक को कराये गये कार्यों का प्रमाण पत्र देकर शहरी पथ आवगमन के लिए खोल दिया गया था। पथों के चौड़ीकरण के क्रम में **Electrical Utility** हटाने हेतु पूर्व से दिशा निर्देश होने के बावजूद भी योजना के प्राक्कलन में पोल एवं ट्रांसफार्मर को हटाने हेतु कोई राशि का प्राक्कलन नहीं किया गया था। निगरानी विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये जाँच प्रतिवेदन में अंकित है कि संवेदक द्वारा कराये गये कार्यों का भुगतान मापी पुस्तिका के आधार पर किया गया है। संचालन पदाधिकारी द्वारा मामले की गंभीरता को जाँचे परखे बिना, गवाहों की उपस्थिति कराये बगैर ही अपना मंतव्य विभाग को दे दिया गया। इनके द्वारा कोई भी पूर्णता प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया गया है। पत्रांक-368 दिनांक 22.05.2014 एवं दिनांक 28.06.2014 दोनों प्रतिवेदनों में यह अंकित नहीं है कि कार्य एकरारनामा के अनुसार पूर्ण है, बल्कि प्रतिवेदनों में कार्य की मात्रा मापीपुस्त के आधार पर की गयी है, जिसका भुगतान क्षेत्रीय पदाधिकारी द्वारा किया गया है। पूर्णता प्रतिवेदन के मामले में विभाग के मत में ही विरोधाभास है।

4. श्री प्रजापति के द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर की विभागीय समीक्षा की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि इनके द्वारा गठित आरोप के विरुद्ध कोई ठोस खण्डनयुक्त तथ्य/तर्क प्रस्तुत नहीं किया गया है। बल्कि विभागीय कार्यवाही के संचालन के क्रम में संचालन पदाधिकारी के समक्ष रखे गये बचाव बयान के रूप में रखे तथ्यों की ही पुनरावृत्ति है। फलतः इनके विरुद्ध विश्लेषणोपरान्त प्रमाणित पाये गये आरोपों के परिप्रेक्ष्य में श्री प्रजापति के द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर को विचारणीय नहीं पाते हुए अस्वीकृत करने का निर्णय लिया गया।

5. तदनुसार आलोच्य मामले की सम्यक विभागीय समीक्षा के उपरांत श्री प्रजापति को गंभीर कदाचार का दोषी पाते हुए इनके विरुद्ध बिहार पेंशन नियमावली, 1950 के नियम-43 (बी) के तहत इनके पेंशन से 05 (पाँच) प्रतिशत राशि की कटौती 02 (दो) वर्षों तक किये जाने संबंधी दंड प्रस्ताव पर लिये गये विभागीय निर्णय पर विभागीय पत्रांक-611 (एस) दिनांक-06.02.2023 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति/परामर्श उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। तत्पश्चात बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-5128 दिनांक-24.03.2023 द्वारा निर्णित विभागीय दण्ड पर सहमति व्यक्त की गयी है।

6. अतएव उपर्युक्त के आलोक में श्री लाल मोहन प्रजापति, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, भागलपुर सम्प्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता के लिखित अभिकथन के रूप में समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर को अस्वीकृत करते हुये सम्यक विचारोपरान्त उनके विहित समानुपातिक दायित्व को दृष्टिपथ में रखते हुए सरकार के निर्णयानुसार बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(B) के तहत "इनके पेंशन से 05 (पाँच) प्रतिशत राशि की 02 (दो) वर्षों तक कटौती" का दण्ड संसूचित किया जाता है।

7. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

30 मई 2023

सं० निग/सारा-4 (पथ) मुक०-34/2017-3006(s)— श्री श्रीधर प्रसाद, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय विकास प्राधिकार सम्प्रति सेवानिवृत्त को मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय विकास प्राधिकार के पदस्थापन काल में विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में बरती गयी अनियमितताओं के लिए अधिसूचना संख्या-8610 दिनांक-01.07.2008 द्वारा निलंबित करते हुए संकल्प ज्ञापांक-1102(एस) दिनांक-19.02.2009 द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी एवं दिनांक-31.01.2009 को सेवानिवृत्त होने के कारण उक्त विभागीय कार्यवाही को संकल्प ज्ञापांक-8602(एस) दिनांक-06.08.2009 द्वारा बिहार पेंशन नियमावली के नियम-43(बी) में सम्परिवर्तित किया गया। श्री प्रसाद के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में इनके विरुद्ध गठित आरोपों को यद्यपि प्रमाणित नहीं माना गया, परन्तु विभागीय समीक्षोपरान्त सभी योजनाओं में मापी की जाँच किये वगैर भुगतान करने, अंतिम विपत्र का निष्पादन

नियमानुसार नहीं करने, अन्य लोगों को लाभ पहुँचाने के लिए अभिलेखों में छेड़-छाड़ करने, निविदा प्रकाशन की सूचना का सही प्रकाशन नहीं करने एवं स्वीकृत कार्यों को विघटित कर प्रावैधिकी स्वीकृति के लिए श्री प्रसाद को दोषी पाया गया। उक्त असहमति के बिन्दुओं को अंकित करते हुए श्री प्रसाद से विभागीय पत्रांक-1587(एस)अनु० दिनांक-29.01.2010 द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा की मांग की गयी।

2. श्री प्रसाद ने अपने पत्रांक-1 दिनांक-16.02.2010 द्वारा समर्पित द्वितीय कारण-पृच्छा उत्तर में अंकित किया कि संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोपों को प्रमाणित नहीं पाया गया। विभागीय समीक्षा के निष्कर्ष तथा उसकी तकनीकी आधार की छाया प्रति उपलब्ध कराने के पश्चात् ही ये अपना स्पष्टीकरण समर्पित कर सकेंगे। श्री प्रसाद से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा उत्तर के समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री प्रसाद की यह सोची समझी रणनीति है। क्योंकि द्वितीय कारण पृच्छा में असमति के बिन्दुओं को स्पष्ट किया जा चुका है। इस आधार पर उनके इस स्पष्टीकरण को ही द्वितीय कारण पृच्छा मानते हुए इन्हें उक्त प्रमाणित आरोप के लिए दोषी मानते हुए इनके पेंशन से 50 प्रतिशत (पचास प्रतिशत) पेंशन कटौती के दंड प्रस्ताव पर सरकार के अनुमोदनोपरान्त विभागीय पत्रांक-6397(एस)अनु० दिनांक-03.05.2010 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति की मांग की गयी।

3. बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2221 दिनांक-01.12.2010 से प्राप्त परामर्श में सरकार द्वारा निर्णीत दंड पर आयोग द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। अतएव श्री श्रीधर प्रसाद, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय विकास प्राधिकार सम्प्रति सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता, सतपुरा कॉलनी, वैशाली भवन के पास, पथ संख्या-1, मकान संख्या-14/ए, पोस्ट-रमना, जिला-मुजफ्फरपुर के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में प्रमाणित आरोपों के लिए विभागीय अधिसूचना संख्या-1300(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-1301(एस) दिनांक-03.02.2011 द्वारा इनके पेंशन से 50 प्रतिशत (पचास प्रतिशत) कटौती किये जाने का दंड संसूचित किया गया।

4. श्री प्रसाद द्वारा उक्त संसूचित दंड के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय में CWJC No.-7876/2011 दायर किया गया, जिसमें दिनांक-30.08.2017 को आदेश पारित किया गया, जिसका कार्यशील अंश निम्नवत् है:-

That being so, on this ground alone this petition has to be allowed as the Disciplinary Authority has followed a procedure which is not permissible under law. If the Disciplinary Authority wanted to disagree with the finding of the Inquiry Officer and record his own finding, it was incumbent upon the Disciplinary Authority to issue a notice to the petitioner, record his disagreement with the finding of the Inquiry Officer, reasons for recording a finding of guilt, hear the petitioner and thereafter record a finding of guilt and then issue the punishment. This process having not been followed, the law laid down by the Supreme Court in the cases of Punjab National Bank Vs. Kunj Behari Misra- (1998) 7 SCC 84 and S.P. Malhotra Vs. Punjab National Bank and others- (2013) 7 SCC 251 (supra) having been violated, this writ petition is allowed and the impugned order Annexure-1 dated 03.02.2011 quashed.

5. CWJC No.-8876/2011 में दिनांक-30.08.2017 को पारित आदेश के विरुद्ध विभाग द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में LPA No.-936/2018 दायर किया गया, जिसे दिनांक-25.09.2020 के माननीय उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा खारिज कर दिया गया।

6. अतः सम्यक् विचारोपरान्त CWJC No.-8876/2011 में दिनांक-30.08.2017 को पारित आदेश के अनुपालन में श्री श्रीधर प्रसाद, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, मुजफ्फरपुर क्षेत्रीय विकास प्राधिकार सम्प्रति सेवानिवृत्त के विरुद्ध संसूचित दंडादेश विभागीय अधिसूचना संख्या-1300(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-1301(एस) दिनांक-03.02.2011 को निरस्त किया जाता है।

7. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

30 मई 2023

सं० निग/सारा-4 (पथ)-आरोप-13/2019-3008(s)— पथ प्रमंडल सं०-1, मुजफ्फरपुर अन्तर्गत मुजफ्फरपुर शहर में माड़ीपुर से छाता चौक तक एवं बटलर चौक से रेलवे भर्ती बोर्ड के मुख्य द्वार तक बनाये गये पी०सी०सी० सड़क के घटिया निर्माण की जाँच उड़नदस्ता प्रमंडल संख्या-4 के द्वारा जाँचोपरांत समर्पित एतद् संबंधी जाँच प्रतिवेदन एवं गुणवत्ता प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा के उपरांत आलोच्य पथ में पायी गयी कतिपय त्रुटियों/अनिमित्यताओं के लिए विभागीय पत्रांक-9848(S)We दिनांक-05.12.2016 एवं पत्रांक-621(S) दिनांक-25.01.2017 द्वारा पूछे गये स्पष्टीकरण के आलोक में श्री अंजनी कुमार, तत्कालीन सहायक, अभियंता पथ प्रमंडल संख्या-01, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-65, दिनांक-11.02.2017 द्वारा स्पष्टीकरण उत्तर समर्पित की गयी।

2. उल्लेखनीय है कि प्रश्नगत मामले में उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षा के उपरांत आलोच्य पथ कार्य में निम्न त्रुटि/अनिमित्यता पायी गयी:-

- (i) पथ के 08 वें कि०मी० में कराये गये PCC कार्य की औसतन Equivalent Cubical Compressive Strength 128.09 Kg/Cm² पाया गया है, जबकि इसका मान 280Kg/Cm² से कम नहीं होना चाहिए।

3. वर्णित पायी गयी त्रुटियों के संदर्भ में श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण की विभागीय समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि पथ के 08 वें कि०मी० में कराये गये PCC कार्य का औसतन Equivalent Cubical Compressive Strength 128.09 Kg/Cm² पाया गया, जबकि इसका मान 280Kg/Cm² से काफी कम पाया जाना उक्त मद् में विशिष्ट के अनुरूप कार्य नहीं कराये जाने की सीधी पुष्टि करता है। उक्त पायी गयी त्रुटि के संबंध में श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण में ऐसा कोई ठोस एवं खंडनयुक्त तथ्य अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया, जिस पर युक्तिसंगत ढंग से विचार किया जा सके, जिसके फलस्वरूप श्री कुमार के स्पष्टीकरण को स्वीकार किये जाने का कोई अवसर नहीं पाया गया।

उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में विभागीय स्तर पर की गई समीक्षा के क्रम में श्री कुमार द्वारा दिनांक-11.02.2017 के समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर को अस्वीकृत करते हुए सम्यक विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-14 के उप नियम-V के तहत विभागीय अधिसूचना संख्या-3079(एस०)-सह-पठित ज्ञापांक-3080 (एस०) दिनांक-07.03.2019 के द्वारा श्री कुमार को निम्न दण्ड संसूचित किया गया:-

(i) दो वार्षिक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

4. उक्त संसूचित दण्ड पर पुनर्विचार करने हेतु श्री कुमार द्वारा पुनर्विचार अभ्यावेदन पत्रांक-424 अनु० दिनांक-18.04.2019 समर्पित किया गया, जिसमें श्री कुमार के द्वारा मुख्य रूप से पुनर्विचार अभ्यावेदन में नये तथ्य के रूप में आलोच्य कार्य कराये जाने के लगभग 4.5 वर्ष के बाद भी पथ की बहुत अच्छी स्थिति होने का तर्क दिया गया। इसके अतिरिक्त इनके द्वारा पूर्व में समर्पित स्पष्टीकरण में अंकित तथ्यों को ही नये सिरे से दोहराया गया। उपर्युक्त पुनर्विचार अभ्यावेदन की विभागीय समीक्षा में यह पाया गया कि श्री कुमार के विरुद्ध गठित आरोप गुणवत्ता जाँच प्रतिवेदन में पायी गयी त्रुटि के आधार पर है, जिसका ठोस तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर खण्डन नहीं किया गया है। तदालोक में सम्यक् विचारोपरान्त श्री कुमार के द्वारा समर्पित पुनर्विचार अभ्यावेदन पत्रांक-424 अनु० दिनांक-18.04.2019 को स्वीकार योग्य नहीं पाये जाने की स्थिति विभागीय अधिसूचना संख्या-474(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-475(एस) दिनांक-22.01.2021 के द्वारा अस्वीकृत किया गया।

5. आलोच्य मामले में श्री कुमार द्वारा पुनः संसूचित दण्ड के विरुद्ध पुनर्विचार अभ्यावेदन पत्रांक-225 अनु० दिनांक-29.01.2022 समर्पित किया गया है। उक्त अभ्यावेदन की विभागीय समीक्षा में पाया गया कि श्री कुमार द्वारा संसूचित दंड के विरुद्ध पूर्व में समर्पित पुनर्विलोकन/पुनर्विचार अभ्यावेदन पत्रांक-424 अनु० दिनांक-18.04.2019 को स्वीकार योग्य नहीं पाये जाने की स्थिति में विभागीय अधिसूचना संख्या-474(एस)-सह-पठित ज्ञापांक-475(एस) दिनांक-22.01.2021 के द्वारा अस्वीकृत किया जा चुका है। श्री कुमार के द्वारा निर्णीत पुनर्विलोकन अभ्यावेदन पर सम्प्रति पुनः विचार करने हेतु समर्पित अभ्यावेदन पत्रांक-225 अनु० दिनांक-29.01.2022 को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 24(2) के तहत आच्छादित नहीं होने के कारण अस्वीकृत किया जाता है।

प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

5 जून 2023

सं० निग/सारा-(निगम)-आरोप-15/2023-3236(एस)-दिनांक-04.06.2023 को सुलतानगंज-अगुआनी घाट पर गंगा नदी में निर्माणाधीन पुल के पीलर सहित सुपर स्ट्रक्चर ध्वस्त हो जाने के कारण उच्च स्तरीय समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरान्त उक्त परियोजना से संबंधित अभियंताओं को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

2. उक्त परियोजना के वरीय परियोजना अभियंता, श्री योगेन्द्र कुमार हैं, जिनकी प्रथम द्रष्टया लापरवाही एवं उदासीनता परिलक्षित होता है। अतः इस आलोक में श्री योगेन्द्र कुमार, वरीय परियोजना अभियंता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9(1)(क) में निहित प्रावधान के तहत तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है।

3. निलंबन अवधि में श्री कुमार का मुख्यालय अभियंता प्रमुख (मु०) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना निर्धारित किया जाता है।

4. श्री कुमार को निलंबन अवधि के दौरान बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 10 के अध्याधीन शर्तों के तहत अनुमान्य जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, संयुक्त सचिव।

5 जून 2023

सं० 1/स्था०-09/2022-3239(एस)-1. श्री विजय कुमार, कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता, बिहार चिकित्सा सेवाएँ एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड, पटना की सेवा स्वास्थ्य विभाग से वापस लेते हुए

प्रशासनिक दृष्टिकोण से अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद उप मुख्य अभियंता (कार्य अंचल)-2 के पद पर पदस्थापन हेतु सेवा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को सौंपी जाती है।

सं० 1/स्था०-09/2022-3240(एस)—2. श्री सुनील कुमार, कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद उप मुख्य अभियंता (कार्य अंचल)-2, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड से स्थानान्तरित करते हुए अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता के समकक्ष पद सचिव (योजना एवं प्रशासन), बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-09/2022-3241(एस)—3. श्री पमीत कुमार शाही, सहायक अभियंता-6 (सेतु विशेषज्ञ), सेतु प्रबंधन उपभाग, पथ निर्माण विभाग, पटना को स्थानान्तरित करते हुए प्रशासनिक दृष्टिकोण से सहायक अभियंता के समकक्ष पद पर पदस्थापन हेतु अगले आदेश तक के लिए इनकी सेवा बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड को सौंपी जाती है।

प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सुमित वत्स, अवर सचिव (प्र०को०)।

19 जून 2023

सं० 1/स्था०-06/2022-3445(एस)—1. श्री नीरज सक्सेना, प्रबंध निदेशक (अधीक्षण अभियंता अतिरिक्त प्रभार मुख्य अभियंता), बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना की सेवा वापस लेते हुए अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए मुख्य अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

सं० 1/स्था०-06/2022-3446(एस)—2. श्री सुनील कुमार, सचिव (योजना एवं प्रशासन) (कार्यपालक अभियंता-सह-अतिरिक्त प्रभार अधीक्षण अभियंता) बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना को अपने ही वेतनमान में कार्यकारी व्यवस्था के अन्तर्गत अगले आदेश तक के लिए प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड, पटना के पद पर पदस्थापित किया जाता है।

3. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

4. प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

5. वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कार्यकारी प्रभार प्रदान करने की कार्रवाई विभागीय कार्यहित में इस शर्त के साथ की जा रही है कि भविष्य में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली एवं माननीय उच्च न्यायालय, पटना में आरक्षण संबंधी मामले में पारित न्यायादेशों के फलाफल एवं तदनुरूप सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार द्वारा प्रतिपादित प्रावधानों से आच्छादित होगा एवं उक्त के संबंध में सरकारी सेवक का किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप सचिव (प्र०को०)।

20 जून 2023

सं० निग/सारा-4(पथ)-आरोप-2/2019-3458(एस)—पथ अंचल, पूर्णियाँ के क्षेत्राधीन पथ प्रमंडल, किशनगंज, अररिया, पूर्णियाँ एवं बारसोई अन्तर्गत Long Term Output And Performance Based Road Assets Maintenance Work (OPRMC-2) की निविदा निष्पादन के क्रम में Technical Sheet के uploading में त्रुटिपूर्ण सूचनाएँ upload होने के कारण निविदा प्रक्रिया में हुए विलम्ब के लिए विभागीय पत्रांक-1047 (S)we दिनांक-29.01.2019 के द्वारा श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, पूर्णियाँ सम्प्रति: मुख्य अभियंता, बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना से स्पष्टीकरण की माँग की गयी।

2. विभागीय समीक्षोपरांत विषयगत निविदा निष्पादन कार्य में निम्नांकित त्रुटियाँ पायी गयी :-

(i) उक्त निविदा के अपलोडेड Technical Sheet में Minimum Average Annual turn over की माँग ECV (Excluding provisinal Sum) का 40 प्रतिशत किया गया है, जबकि MBD के MBD Section iii cl. 2.3.2 & from FIN-3.2 के आलोक में Minimum average annual turnover must not be less fuat 40% of the value of maximum work under any year of the contract Excluding Provisional sum Calculated as total certified payments received for contracts in progress of completed within the last five year (5) Year I.c-2013-14 to 2017-18 के अनुसार माँग की जानी चाहिए थी।

3. उक्त के आलोक में श्री सिंह ने अपने पत्रांक-188 दिनांक-16.02.2019 के द्वारा स्पष्टीकरण उत्तर विभाग को समर्पित किया, जिसमें अपने बचाव-बयान के रूप में निम्न तथ्यों/तर्कों को दिया गया :-

- (i) OPRMC-2 निविदा से संबंधित कागजातों (Hard and Soft Copy) का गठन कार्यपालक अभियंता द्वारा किया गया था। कार्यपालक अभियंता द्वारा भी निविदा कागजात भेजने के क्रम में इस बिन्दु (Annual Turn over under any year) को गंभीरता से नहीं लिया गया एवं Technical Sheet में Annual Turn over की मांग M.B.D. शर्त के अनुरूप नहीं की गयी।
- (ii) पथ अंचल, पूर्णियाँ में तकनीकी सलाहकार का पद रिक्त है। तीन नवनियुक्त सहायक अभियंता (संविदा) कार्यरत हैं, जिनमें इस प्रकार के अनुभव की कमी है। पथ अंचल, पूर्णियाँ में मात्र एक कनीय अभियंता (अपने कार्य के अतिरिक्त) प्रतिनियुक्ति पर है। अंचल अधीन सभी प्रमंडलों की निविदा को एक ही साथ अपलोड करनी थी। तकनीकी पदाधिकारियों की कमी एवं समयाभाव के कारण कार्यपालक अभियंता द्वारा भेजे गये निविदा कागजातों के जाँच के क्रम में Technical Sheet में अंकित Annual Turn over के बिन्दु पर चूक हो गयी है।
- (iii) निविदा अपलोड करने के बाद Technical Sheet में अंकित Annual Turn over M.B.D. के शर्तों के अनुरूप नहीं है, यह किसी भी स्तर से मेरे संज्ञान में नहीं आया।

4. उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में श्री सिंह के स्पष्टीकरण उत्तर की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विभागीय पत्रांक-10360 (s) दिनांक-18.09.2009 के अनुसार कार्यपालक अभियंता द्वारा समर्पित निविदा संबंधी कागजातों की जाँच कर अनुमोदनोपरांत e-proc पर upload करना अधीक्षण अभियंता का दायित्व है। इस प्रकार uploaded tender documents में किसी प्रकार का त्रुटि पाया जाना अधीक्षण अभियंता का सीधा दायित्व परिलक्षित होता है। परन्तु इस संबंध में श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण में ऐसा कोई ठोस एवं खंडनयुक्त तथ्य अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिस पर युक्तिसंगत ढंग से विचार किया जा सके।

उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में विभागीय स्तर पर की गयी समीक्षा के क्रम में श्री ईश्वरी प्रसाद सिंह द्वारा दिनांक-16.02.2019 के समर्पित स्पष्टीकरण उत्तर को अस्वीकृत करते हुए सम्यक विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के भाग-V शास्तियों और अनुशासनिक प्राधिकार के नियम-14 के स्पष्टीकरण-3 के आलोक में निम्न दंड संसूचित किया जाता है :-

- (i) "चेतावनी" की सजा (जिसकी प्रविष्टि उनके चरित्र पुस्त में की जायेगी)।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विनय कुमार राय, संयुक्त सचिव।

गृह विभाग
(विशेष शाखा)

आदेश

12 जुलाई 2023

सं0 एल/एच०जी०-14-06/2018-8427—बिहार गृह रक्षा वाहिनी सेवा के निम्नांकित परीक्ष्यमान जिला समादेष्टा (पुलिस उपाधीक्षक के समकक्ष) की सेवा बिहार पुलिस मनुअल के नियम-648(क) में निहित प्रावधान के आलोक में उनके नाम के सामने स्तंभ-4 में अंकित तिथि से संपुष्ट की जाती हैं:-

क्र०	नाम/पदनाम/पदस्थापन	नियुक्ति की तिथि	सम्पुष्टि की तिथि
1	2	3	4
1	श्री विनोद कुमार यादव, जिला समादेष्टा, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, बक्सर	28.06.2019 (पूर्वाह्न)	01.05.2023

आदेश से,
नन्द किशोर, अवर सचिव।

सं० 09/सैप-10-03/2019 गृ०आ०-8403

**गृह विभाग
(आरक्षी शाखा)**

प्रेषक,

गिरीश मोहन ठाकुर,
सरकार के अवर सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार (ले० एवं हक०),
बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 17 जुलाई 2023

विषय :-बिहार पुलिस के अन्तर्गत गठित स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (**Special Auxiliary Police**) में कार्यरत भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों के कुल कार्यरत बल 3566 की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिये विस्तारित करने के संबंध में।

आदेश:-स्वीकृत।

बिहार राज्य में उग्रवादी/हिंसात्मक गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण रखने एवं विधि व्यवस्था के संधारण हेतु गृह (आरक्षी) विभाग के संकल्प संख्या-3379, दिनांक-27.03.2006 द्वारा भारतीय सेना से सेवानिवृत्त 5000 सिपाहियों को अनुबंध पर नियुक्त कर एक वर्ष के लिए रखने की स्वीकृति प्रदान की गई, जिसका गठन स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (**Special Auxiliary Police**) के रूप में किया गया था तथा विभागीय अधिसूचना संख्या-5268, दिनांक-16.05.2006 द्वारा इसे बिहार पुलिस का अंग घोषित किया गया। तदोपरान्त राज्य सरकार द्वारा एक वर्ष के लिए अनुबंध पर बिहार में स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (**SAP**) का गठन करने तथा आवश्यकतानुसार इसकी अवधि बढ़ाये जाने का आदेश संसूचित किया गया।

2. गृह (आरक्षी) विभाग के संकल्प संख्या-7003, दिनांक-11.07.2007 के द्वारा पूर्व में गठित 5000 सैप बल में वृद्धि करते हुए कुल 12000 सैप बल को (11500 सैप जवान, 100 जे०सी०ओ० एवं 400 रसोईयों) वित्तीय वर्ष 2007-08 में 09 माह के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्ति करने का निर्णय लिया गया।

3. गृह (आरक्षी) विभाग के संकल्प संख्या-4170, दिनांक-14.05.2008 द्वारा वर्ष 2008-09 के लिए सैप बलों को पुराने अनुबंधों की शर्तों एवं देय भुगतान के आधार पर नवीन अनुबंध कर पुनः विस्तारित किया गया। साथ ही जुनियर कमिशनड ऑफिसर के लिए आयु सीमा बढ़ाकर 50 वर्ष किया गया।

4. गृह (आरक्षी) विभाग के संकल्प संख्या-6739, दिनांक-14.10.2009 द्वारा अक्टूबर 2009 से मार्च 2010 तक के लिए स्वीकृत सैप बल 12000 (11500 सैप जवान, 100 जे०सी०ओ० एवं 400 रसोईयों) के अतिरिक्त 5000 सैप बल (4800 सैप जवान, 50 जे०सी०ओ० एवं 150 रसोईयों) को 06 महीने तक अनुबंध पर रखने की स्वीकृति दी गई, जिसके अनुसार सैप का कुल स्वीकृत बल 17000 (16300 सैप जवान, 150 जे०सी०ओ० एवं 550 रसोईयों) हो गया।

5. गृह (आरक्षी) विभाग के संकल्प संख्या-3437, दिनांक-27.04.2010 द्वारा भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैप जवानों को पुराने अनुबंधों की शर्तों एवं देय भुगतान के आधार पर नवीन अनुबंध कर वर्ष 2010-11 के लिए नियोजित किया गया। साथ ही सैप बल के जवानों एवं जे०सी०ओ० के चयन हेतु अधिकतम आयु सीमा क्रमशः 47 वर्ष एवं 52 वर्ष निर्धारित किया गया।

6. गृह (आरक्षी) विभाग के स्वीकृत्यादेश संख्या-8700, दिनांक-30.11.2011 द्वारा सैप के स्वीकृत 17000 बल को वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2015-16 अर्थात् 05 (पांच) वर्षों तक अनुबंध पर रखने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

7. गृह (आरक्षी) विभाग के स्वीकृत्यादेश सं०-7016, दिनांक-07.10.2020 द्वारा सैप के कुल स्वीकृत 17000 बल की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2016-2017 से 2020-2021 तक अर्थात् कुल-05 वर्षों के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

8. गृह (आरक्षी) विभाग के स्वीकृत्यादेश सं०-2909, दिनांक-21.03.2022 के द्वारा सैप के कुल स्वीकृत 17000 बल की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

9. गृह (आरक्षी) विभाग के स्वीकृत्यादेश सं०-12279, दिनांक-05.12.2022 द्वारा सैप के कुल स्वीकृत 17000 बल के विरुद्ध कुल कार्यरत बल 3953 की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष-2022-2023 के लिए विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

10. सैप के गठन से विगत वर्षों में बिहार पुलिस की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि एवं पुलिस बल के मनोबल में सुधार हुआ है। सैप के गठन से उग्रवादियों एवं संगठित अपराधियों के विरुद्ध छापेमारियाँ तेज हुई हैं। सैप के गठन के पश्चात् विगत वर्ष में अपराध नियंत्रण, उग्रवाद निरोध एवं विधि-व्यवस्था संधारण में अपेक्षित सहायता मिली है।

11. सैप बल के प्रभावकारी कार्य एवं पुलिस बल की आवश्यकताओं के प्ररिप्रेक्ष्य में वर्तमान में कार्यरत कुल 3566 (3499 सैप, 27 जे०सी०ओ० एवं 40 रसोईयों) सैप कर्मियों की अनुबंध अवधि को पुराने शर्तों एवं देय भुगतान के आधार पर मात्र वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

12. स्वीकृत बल के विरुद्ध वर्तमान में कार्यरत बल की संख्या-3566 है, जिसमें 27 जे0सी0ओ0, 3499 सैप जवान एवं 40 रसोईया है। उल्लेखनीय है कि राज्य पुलिस बल में भी लगातार वृद्धि होती गई है। अतएव, सैप बलों की अनुबंध अवधि तत्काल एक वर्ष अर्थात् वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिये विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

13. चालू वित्तीय वर्ष 2023-2024 हेतु कुल कार्यरत बल 3566 (3499 सैप जवान, 27 जे0सी0ओ0 एवं 40 रसोईयों) पर अनुमानित वार्षिक व्यय **रु0-80,53,52,600/-** (अस्सी करोड़ तिरपन लाख बावन हजार छः सौ रुपये मात्र) की स्वीकृति अपेक्षित है, जो व्यय मांग संख्या-22 मुख्य शीर्ष "2055-पुलिस, उपमुख्य शीर्ष-00, लघु शीर्ष-109-जिला पुलिस, उपशीर्ष-0005-स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस हेतु, विषय शीर्ष-0005-28-02-संविदा सेवाएँ एवं विपत्र कोड संख्या-22-2055001090005 के अंतर्गत विकलनीय होगा।

14. इस राशि पर पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, बिहार, पटना का सीधा नियंत्रण होगा। राशि की निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी, पुलिस उप-महानिरीक्षक (प्रशासन), बिहार, पटना होंगे तथा जिला स्तर पर संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक होंगे। राशि की निकासी सचिवालय कोषागार, सिंचाई भवन, पटना से की जायेगी एवं जिला स्तर पर संबंधित जिला के कोषागार से की जायेगी।

15. उपर्युक्त में वित्त विभाग की सहमति एवं मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति प्राप्त है।

आदेश से,
गिरीश मोहन ठाकुर, अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 18-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और
नियम आदि।

वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचना

शुद्धि पत्र

28 जून 2023

सं० 6/नि०प्रति०नियु०-01-01/2020-2221—पूर्व में निर्गत वाणिज्य-कर विभाग की अधिसूचना संख्या-1942 दिनांक-12.06.2023 के क्रमांक 14 पर अंकित सौम्या, राज्य-कर सहायक आयुक्त का वर्तमान पदस्थापन "पटना मध्य अंचल" के स्थान पर "पटना उत्तरी अंचल" शुद्ध रूप में पढ़ा जाय।

शेष यथावत् रहेगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

मो० मोईनुद्दीन,

राज्य-कर संयुक्त आयुक्त-सह-संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 18—571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9-ख

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि ।

सूचना

सं0 828—मैं, स्वाति, पिता-शोभन धारी सिंह, पति-अनिश चौधरी, निवासी-सुधा जेनरल स्टोर, पोस्ट ऑफीस रोड शास्त्रीनगर, पटना, बिहार-800023, वर्तमान पता-दुर्गा आश्रमगली, शेखपुरा, पो0-बीभी कॉलेज पटना 800014, शपथ पत्र सं0 4414/14.03.2023 द्वारा सूचित करती हूँ कि शादी के बाद मैं स्वाति चौधरी के नाम से जानी पहचानी व पुकारी जाती हूँ। स्वाति एवं स्वाति चौधरी दोनो नाम एक ही महिला का है यानी मेरा ही है अब मैं स्वाति चौधरी के नाम से जानी व पहचानी जाऊंगी ।

स्वाति।

No. 829—I, Guriya Devi, W/o Umashankar Tiwari R/o Badki Nainijor Buxer (Bihar) 802112 do hereby solemnly affirm and declare as per affidavit No. 1944/20-04-23 that my name is written in my daughter Shreya tiwari's Educational documents as Gudia tiwari which is wrong My correct name is Guriya devi and now I will be known as Guriya Devi for all future purposes.

Guriya Devi.

No. 839—I, PRABHA DEVI, W/o Gupteshwar Singh, of Flat 63B Shivalik Apartment, Patna 13, affidavit no. 2110 dated 12.12.2022 declare that my name is wrongly mentioned as Prabha Kumari instead of Prabha Devi in NSDL & IIFL Securities.

PRABHA DEVI.

No. 853—I, Afshan Khatoon, W/O - Md Yasin Khan, R/O - Near Shatabdi Public School, Aliganj, Road No. - 27, P.S. - Chandauti, Dist. - Gaya declare vide affidavit no. I(B)/ 09 DTD 19.06.2023 that Shahzeb Mustafa Khan is my son. In his transfer certificate and marksheet of class X who was student of Nazareth Academy Gaya my name is wrongly mentioned as Afshan Yasin. While my actual name as per my Aadhar card and all documents is Afshan Khatoon.

Afshan Khatoon.

No. 856—I, Soumya D/o Santosh Kumar R/o R.k.Puram, Khagul Road Dinapur Cum Khagaul, Patna, Bihar 801503, Have Changed my name from soumya to Soumya Sharma vide affidavit no. 11509, dated 22/06/23.

Soumya.

No. 857—I, Ramesh Kumar S/o Ramavtar Agrawal R/o 1C Kashi Kunj Complex P.O. Jhauganj, Patna City Nagla, Bihar 800008 do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No-2186 dt. 20-06-2023 that my name is written in my daughter's Khushi Agrawal C.B.S.E. Secondary School Certificate as Ramesh Agarwal which is wrong as per Aadhar No-5188 6582 1920 my correct name is Ramesh Kumar and now I will be known as Ramesh Kumar for all future purposes.

Ramesh Kumar.

सं0 858—मैं अपूर्व पिता श्री बागेश्वर कुमार निवासी गोकुल कृष्णा आश्रम रोड थाना के हाट जिला पूर्णियाँ (बिहार) शपथपत्र सं 4691 ति. 20.06.2023 द्वारा सूचित करता हूँ कि मेरे जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड एवं अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम अपूर्व दर्ज है। अब मैं अपूर्व कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाऊंगा।

अपूर्व।

No. 858—I Apurav S/o Sri Bageshwar Kumar R/o Gokul Krishna Ashram Road, P.S.-K-Hat Distt. Purnea (Bihar) Do here by solemnly affirm and declare as per aff. No. 4691 Dt. 20-06-2023 that my name is written in Date of Birth Certificate and Aadhar Card and all other documents as Apurva Now I will be know and recognize as APURVA KUMAR.

Apurva.

सं0 859—मैं, खुशबू कुमारी पाठक, (KHUSHBOO KUMARI PATHAK) पिता—श्री रमेश तिवारी, पति—श्री निरंजन कुमार पाठक, मोहल्ला—दिवान मोहल्ला, खंगरगली, सर्वोदय कॉलोनी, पो0—झाउगंज, थाना—खाजेकलौ, जिला—पटना—800008 का स्थायी निवासी हूँ। शपथ पत्र सं.—2365, दिनांक—25/03/23 द्वारा घोषणा करती हूँ, कि मेरा आधार कार्ड में नाम खुशबू कुमारी पाठक है, परन्तु शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में नाम केवल खुशबू कुमारी अंकित हो गया है। अब मैं खुशबू कुमारी पाठक के नाम से जानी व पहचानी जाऊँगी।

खुशबू कुमारी पाठक।

No. 860—I Md Yasin Khan, S/O - Ghulam Mustafa Khan, R/O - Near Shatabdi Public School, Aliganj, Road No. - 27, P.S - Chandauti, Dist.- Gaya declare vide affidavit no. I(B)/ 08 DTD 19.06.2023 that Shahzeb Mustafa Khan is my son. In his transfer certificate and marksheet of class X who was student of Nazareth Academy Gaya my name is wrongly mentioned as Yasin Khan. While my actual name as per my Aadhar card and all documents is Md Yasin Khan.

Md Yasin Khan.

सं0 861—मैं, राहुल, पिता—स्व0 एस. एन. लाल, निवासी ग्राम—आदर्श नगर, लेन नं0—03, खबड़ा उर्फ किरतपुर गुरदास, थाना—सदर, जिला—मुजफ्फरपुर, अनुमंडल पदाधिकारी, पूर्वी, मुजफ्फरपुर के समक्ष लिए गए शपथ के आधार पर उनके स्तर से जारी शपथ-पत्र संख्या—14752, दिनांक—20.05.2023 के आधार पर मैं अब “राहुल कर्ण” के नाम से जाना जाऊँगा।

राहुल।

No. 861—I, Rahul, S/o-Late S.N Lal, Resident of village-Adarsh Nagar, Lane No.-03, Khabra @ Kiratpur Gurdas, P.S-Sadar, District-Muzaffarpur has change my name & in this regard I take my oath before the Sub Divisional Magistrate, East, Muzaffarpur through Affidavit No-14752 dated-20.05.2023& thereby now my name will be "RAHUL KARN" for all purposes.

Rahul.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 18—571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक(अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० 6/श्रम वि० आ० (01)-09/2022 श्र०सं०-1878

श्रम संसाधन विभाग

संकल्प

11 जुलाई 2023

श्री राजकुमार ठाकुर, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सिवान-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी सम्प्रति प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, दरभंगा के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि की रोक की शास्ति अधिरोपित करने के संबंध में।

श्री राजकुमार ठाकुर, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सिवान-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी सम्प्रति प्राचार्य औ०प्र० संस्थान, दरभंगा के विरुद्ध निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण (प्रशिक्षण पक्ष), बिहार, पटना के पत्रांक-1160 दिनांक-05.08.2021 द्वारा आरोप पत्र गठित कर उपलब्ध कराया गया, कि राज्य व्यावसायिक परीक्षा सितम्बर, 2019 में श्री ठाकुर को औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी का केन्द्राधीक्षक बनाया गया था। उक्त परीक्षा के संचालन में अनियमितता पाई गई, कि परीक्षा केन्द्र के CCTV कैमरे की Visibility पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं थी। कैमरा में Clarity नहीं होने के कारण व्यवहारिक परीक्षा में परीक्षार्थी द्वारा Workshop में job बनाये जाने की पुष्टि नहीं हो पाई एवं व्यवहारिक परीक्षा का viva-voce भी स्पष्ट नहीं था। परीक्षार्थी Lab में घूमते हुए पाये गये एवं व्यवहारिक परीक्षा के सम्पादन हेतु कच्चा माल प्राप्त करते एवं परीक्षा के उपरांत Job जमा करते हुए परीक्षार्थी नहीं दिखे। Social Study विषय के 2nd Shift में कैमरा नं०-18 में दो परीक्षार्थी चिट-पूरजा से नकल करते हुए दिखे। कैमरा नं०-20 में अपराह्न 3:00 बजे परीक्षार्थी आपस में बातचीत करते हुए पाये गये, जिससे स्पष्ट होता है कि ससमय प्रश्न पत्र वितरण नहीं किया गया। श्री राजकुमार ठाकुर द्वारा परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा पूर्व CCTV कैमरे की Visibility की जाँच नहीं की गई एवं परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा का कदाचारमुक्त संचालन तथा ससमय प्रश्न पत्र का वितरण नहीं कराया गया। श्री ठाकुर द्वारा परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य के संचालन में लापरवाही बरती गई, जो सरकारी सेवक के आचरण के विरुद्ध कार्य, विभागीय आदेश की अवहेलना एवं लापरवाही का द्योतक है। श्री राजकुमार ठाकुर के विरुद्ध प्राप्त आरोप पत्र पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-17/19 के आलोक में उन्हें आरोप-पत्र एवं साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध कराते हुए विभागीय ज्ञापन संख्या-297 दिनांक-11.02.2022 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

2. श्री राजकुमार ठाकुर ने औ०प्र० संस्थान, सिवान के पत्रांक-85 दिनांक-11.03.2022 द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया। श्री ठाकुर ने अपने स्पष्टीकरण में यह उल्लेख किया है कि परीक्षा प्रारम्भ होने से पहले एवं परीक्षा के दौरान TV Screen पर CCTV कैमरे का footage उनके द्वारा देखा जाता था तथा किसी प्रकार की अनियमितता नहीं की जा रही थी। अधिष्ठापित CCTV कैमरे की निगरानी में पूर्व से परीक्षाओं का संचालन होता रहा था। परीक्षा के दौरान रौशनी की उचित व्यवस्था की गई थी। CCTV से संबंधित सभी कार्य के लिए प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी के द्वारा कर्मियों को नामित भी किया गया था जिनके सहयोग से परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व प्रत्येक दिन श्री ठाकुर द्वारा CCTV कैमरे के footage की जाँच कर ली जाती थी।

कर्मशाला में वीक्षक तथा परीक्षक की निगरानी में जॉब बनाया गया तथा बाह्य परीक्षक के द्वारा viva-voce लिया गया। परीक्षा के उपरांत जॉब को परीक्षक, अध्यक्ष, दण्डाधिकारी, वीक्षक तथा श्री ठाकुर के निगरानी में सील कर निदेशानुसार भण्डार पाल को सुपुर्द किया जाता था तथा Marks Folio सहायक निदेशक परीक्षा को भेजा जाता था।

E-mail के माध्यम से प्रश्न पत्र आने के उपरांत दण्डाधिकारी, अनुदेशक/मुख्य अनुदेशक तथा श्री ठाकुर की निगरानी में इसे डाउनलोड किया जाता था तथा फार्म-3 भरकर रखा जाता था। E-mail विलम्ब से आने की स्थिति में

परीक्षा गाइडलाईन एवं निदेशानुसार सहायक निदेशक परीक्षा को सूचना अविलम्ब दी जाती थी। प्रश्न पत्र ससमय आने की स्थिति में श्री ठाकुर द्वारा डाउनलोड कर आवश्यक संख्या में वीक्षक को ससमय सुपुर्द किया जाता था। श्री राजकुमार ठाकुर ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी उल्लेख किया है कि शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन का सख्त आदेश संबंधित कर्मियों को दिया गया था। परीक्षा के दौरान औचक निरीक्षण किया जाता था तथा TV Screen पर footage देख कर भी निगरानी किया जाता था। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त हो इसके लिए प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी भी सजग रहते थे। कदाचार का साक्ष्य मिलने अथवा वीक्षक के द्वारा श्री ठाकुर के संज्ञान में लाये जाने की स्थिति में संबंधित परीक्षार्थी को परीक्षा से निलम्बित कर विधिवत कार्रवाई की जाती थी एवं परीक्षा का संचालन शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त कराया गया था।

3. श्री राजकुमार ठाकुर के स्पष्टीकरण की सक्षम प्राधिकार द्वारा समीक्षा की गई एवं इसे पूर्णतः संतोषप्रद नहीं पाया गया। फलस्वरूप श्री राजकुमार ठाकुर के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-19 के तहत असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

4. अतएव बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (यथा संशोधित) नियमावली, 2007 के नियम-14 (v) एवं नियम-19 के आलोक में श्री राजकुमार ठाकुर, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सिवान-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी सम्प्रति प्राचार्य औ०प्र० संस्थान, दरभंगा के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति श्री राजकुमार ठाकुर, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सिवान-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, मोतिहारी सम्प्रति प्राचार्य औ०प्र० संस्थान, दरभंगा को निबंधित डाक से उपलब्ध करायी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राजीव कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी।

सं० 6/श्रम वि० आ० (01)-08/2022 श्र०सं०-1879

11 जुलाई 2023

श्री विमल कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सहरसा-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, वीरपुर सम्प्रति औ०प्र० संस्थान, भोजपुर (आरा) के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि की रोक की शास्ति अधिरोपित करने के संबंध में।

श्री विमल कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सहरसा-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, वीरपुर सम्प्रति औ०प्र० संस्थान, भोजपुर (आरा) को राज्य व्यवसायिक परीक्षा सितम्बर, 2019 में औ०प्र० संस्थान, वीरपुर का केन्द्राधीक्षक बनाया गया था। उक्त परीक्षा के संचालन में अनियमितता पाई गई। औ०प्र० संस्थान, वीरपुर परीक्षा केन्द्र के CCTV फुटेज में दिनांक-23.0.2019 को सामाज अध्ययन 2nd Shift की परीक्षा में CD No.-1 में कैमरे की Visibility सही नहीं पाई गई तथा कुछ परीक्षार्थी आपस में बात-चीत करते हुए पाये गये।

Engg. Drawign 2nd Shift (29.09.2019) में CD No.-2 में कैमरा नं०-06 के फुटेज में दो परीक्षार्थी चिट-पुर्जा के आदान प्रदान में संलिप्त पाये गये। साथ ही कुछ परीक्षार्थी एक-दूसरे से देख कर लिखते हुए पाये गये। कैमरा सही जगह पर अधिष्ठापित नहीं रहने के कारण परीक्षा का पूर्णरूपेण कवरेज नहीं हो सका।

श्री कुमार द्वारा राज्य व्यवसायिक परीक्षा सितम्बर, 2019 के औ०प्र० संस्थान, वीरपुर परीक्षा केन्द्र पर अधिष्ठापित CCTV फुटेज की Visibility की जाँच परीक्षा पूर्व नहीं की गई तथा कैमरा सही जगह पर अधिष्ठापित नहीं करने के कारण कवरेज पूर्ण रूप से नहीं हो पाया। श्री कुमार द्वारा परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य के संचालन में लापरवाही बरती गई। उनका यह कृत्य सरकारी सेवक के आचरण के विरुद्ध पाया गया।

श्री विमल कुमार के विरुद्ध प्राप्त आरोप पत्र पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-17/19 आलोक में श्री विमल कुमार को आरोप-पत्र एवं साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध कराते हुए विभागीय ज्ञापन संख्या-296 दिनांक-11.02.2022 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

2. श्री विमल कुमार ने औ०प्र० संस्थान, सहरसा के पत्रांक-72 दिनांक-08.02.2022 द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया। श्री कुमार ने अपने स्पष्टीकरण में यह उल्लेख किया है कि परीक्षा पूर्व CCTV कैमरे की visibility जाँच की गई थी एवं visibility सही पाया गया था।

दिनांक-23.09.2019 को प्रथम पाली में समाज अध्ययन की सम्पन्न परीक्षा में कैमरे की visibility कम पाई गई। श्री कुमार ने अपने कार्यालय पत्रांक-04 दिनांक-06.02.2020 द्वारा स्पष्ट किया है कि दिनांक-23.09.2019 को वीरपुर में अत्यधिक बरसात हो रही थी, संस्थान परिसर में चारों ओर 1 फीट से अधिक जल-जमाव था एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, वीरपुर का भवन, जिसकी सम्पूर्ण दिवारें एवं छत टीन के shade से निर्मित है, अत्यधिक जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होने के कारण छत एवं दिवारों से जल का रिसाव हो रहा था। हवा के तेज बहाव से CCTV के तारों के आंशिक रूप से अव्यवस्थित होने एवं बरसात के जल की बूँदों से CCTV कैमरे की visibility प्रभावित होना सामान्य है। वर्णित कारणों से कैमरे की visibility कम पाई गई। श्री कुमार का यह भी कहना है कि उक्त तिथि एवं पाली

के अलावे किसी भी अन्य तिथि अथवा पाली में CCTV की visibility की खराबी की सूचना जाँच पदाधिकारियों द्वारा अभ्यावेदन में उल्लेखित नहीं किया गया है। जिससे स्पष्ट है कि कैमरे की visibility परिस्थिति जनित कारण से कम हुई।

श्री विमल कुमार ने अपने स्पष्टीकरण में कैमरे को सही जगह अधिष्ठापन नहीं किये जाने के संबंध में यह उल्लेखित किया है कि कैमरे का अधिष्ठापन उनके द्वारा नहीं किया गया। बल्कि परीक्षा केन्द्र पर पूर्व से अधिष्ठापित CCTV के निगरानी में परीक्षा सम्पन्न करायी गई थी। उक्त कार्य के निष्पादन हेतु केन्द्राधीक्षक स्तर पर विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का आवंटन प्राप्त नहीं किया गया।

श्री कुमार ने अपने स्पष्टीकरण में यह भी उल्लेख किया है कि कैमरे एवं प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की जाँच करते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष के अंदर प्रवेश कराया गया था। समय-समय पर श्री विमल कुमार, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी/विभाग द्वारा प्रतिनियुक्त उड़नदस्ता इत्यादि द्वारा भी परीक्षा अवधि में परीक्षा कक्षों का अवलोकन किया गया। सभी परीक्षा कक्षों में वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। श्री कुमार ने यह भी उल्लेख किया है कि परीक्षा निर्देशिका SCVT-SEP-2019 के पृष्ठ संख्या-8 क्रम सं०-9 क्रम सं-14 में दिये गए निर्देश के अनुसार परीक्षा अवधि में परीक्षा कक्षों में किसी भी प्रकार के कदाचार अनियमितता एवं गड़बड़ी होने की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई करना वीक्षकों का दायित्व है। उनके द्वारा ससमय इसकी सूचना केन्द्राधीक्षक को दी जानी चाहिए थी ताकि संबंधित परीक्षार्थी/परीक्षार्थियों को परीक्षा से निष्कासित करने हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा सके। परन्तु उक्त के आलोक में संबंधित वीक्षक से इस संदर्भ में सूचना अप्राप्त रहा।

3. श्री विमल कुमार के स्पष्टीकरण की सक्षम प्राधिकार द्वारा समीक्षा की गई एवं पूर्णतः संतोषप्रद नहीं पाया गया। फलस्वरूप श्री विमल कुमार के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-19 के तहत असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

4. अतएव बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (यथा संशोधित) नियमावली, 2007 के नियम-14 (v) एवं नियम-19 के आलोक में श्री विमल कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सहरसा-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, वीरपुर सम्प्रति औ०प्र० संस्थान, भोजपुर (आरा) के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति श्री विमल कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सहरसा-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, वीरपुर सम्प्रति औ०प्र० संस्थान, भोजपुर (आरा) को निबंधित डाक से उपलब्ध करायी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राजीव कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी।

सं० 6/श्रम वि० आ० (01)-24/2020 श्र०सं०-1880

11 जुलाई 2023

श्री सुमन कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सीतामढ़ी-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा सम्प्रति प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सोनपुर (छपरा) के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि की रोक की शास्ति अधिरोपित करने के संबंध में।

श्री सुमन कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सीतामढ़ी-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा सम्प्रति प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सोनपुर (छपरा) को राज्य व्यवसायिक परीक्षा सितम्बर, 2019 में औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा का केन्द्राधीक्षक बनाया गया था। उक्त परीक्षा के संचालन में कई अनियमितता पाई गई। परीक्षा केन्द्र के CCTV फुटेज में दिनांक-18.09.2019 की व्यवहारिक परीक्षा में परीक्षार्थी बैठे हुए एवं आपस में बात करते हुए पाये गये तथा पूर्वाह्न 10:19 बजे तक प्रश्न पत्र वितरित नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त दिनांक-19.09.2019 तथा 20.09.2019 का फुटेज उपलब्ध नहीं कराया गया तथा दिनांक-24.09.2019 को Work Shop Calculation & Science विषय की परीक्षा में परीक्षार्थी आपस में ताक-झांक करते एवं दिनांक-25.09.2019 को engineering & Drawing विषय की परीक्षा में कैमरा नं०-10 के फुटेज में परीक्षार्थी copy exchange करते हुए पाये गये। उक्त के साथ ही विभागीय निदेश के बावजूद श्री कुमार द्वारा पूरी परीक्षा का CCTV फुटेज न भेज कर मात्र दिनांक-18.09.2019 एवं दिनांक-23.09.2019 से 26.09.2019 तक का फुटेज भेजा गया। इसके कारण दिनांक-19.09.2019 को सम्पन्न व्यवहारिक परीक्षा का कदाचारमुक्त संचालन संदेहास्पद पाया गया।

स्पष्ट है कि श्री कुमार द्वारा, औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा पूर्व दिये गये विभागीय आदेशों की अवहेलना की गई तथा कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन हेतु अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक से नहीं किया गया। उनका यह आचरण कर्तव्य के प्रति लापरवाही, कार्य अक्षमता एवं सरकारी सेवक के आचरण के विरुद्ध पाया गया।

श्री सुमन कुमार के विरुद्ध प्राप्त आरोप पत्र पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त करते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-17/19 के आलोक में उन्हें आरोप-पत्र एवं साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध कराते हुए विभागीय ज्ञापन संख्या-295 दिनांक-11.02.2022 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी।

2. श्री सुमन कुमार ने औ०प्र० संस्थान, सीतामढ़ी के पत्रांक-53 दिनांक-23.02.2022 द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित किया। श्री कुमार ने अपने स्पष्टीकरण में यह उल्लेख किया है कि दिनांक-18.09.2019 की व्यवहारिक परीक्षा में कुछ

परीक्षार्थी प्रश्न पत्र बँटने से पहले बात कर रहे थे परन्तु परीक्षा प्रारम्भ होने के उपरान्त वीक्षकों से ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। श्री कुमार द्वारा यह भी उल्लेख किया गया कि कुछ व्यवसायों के प्रश्न पत्र में परिवर्तन कर क्रमशः 10:10 तथा 11:32 बजे पूर्वाह्न में पुनः ई-मेल पर भेजा गया था। जिस व्यवसाय के प्रश्न पत्र में परिवर्तन किया गया था उस व्यवसाय के परीक्षार्थियों को पूर्व में दिए गए प्रश्न पत्र से उत्तर नहीं लिखने हेतु सूचित किया गया एवं तत्पश्चात उन्हें परिवर्तित प्रश्न पत्र वितरित किया गया था।

श्री कुमार द्वारा यह भी कहा गया कि दिनांक-20.09.2019 को उक्त परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा का संचालन नहीं हुआ था तथा दिनांक-19.09.2019 को सम्पन्न व्यवहारिक परीक्षा कदाचारमुक्त संचालित हुई थी।

Workshop Calculation & Science विषय की परीक्षा में परीक्षार्थी का आपस में ताक-झांक के संबंध श्री कुमार द्वारा अपने स्पष्टीकरण में कहा गया है कि, यह विषय परीक्षा कक्ष में अनुशासन से संबंधित है जिसके लिए वीक्षक उत्तरदायी थे तथा किसी वीक्षक द्वारा इस संबंध में उनसे शिकायत नहीं की गई थी।

दिनांक-25.09.2019 की Engg. & Drawing विषय में परीक्षार्थी द्वारा Copy exchange करने के संदर्भ में श्री कुमार द्वारा अपने स्पष्टीकरण में कहा गया है कि परीक्षार्थियों द्वारा उपस्थिति पत्रक exchange किया जा रहा था न कि उत्तरपुस्तिका तथा उनके द्वारा यह भी कहा गया कि CCTV फुटेज की सारी जिम्मेवारी सहायक केन्द्राधीक्षक की थी। सहायक केन्द्राधीक्षक द्वारा उपलब्ध कराये गये फुटेज ही श्री कुमार द्वारा अग्रसारित किये गये थे। इसके अतिरिक्त CCTV के संबंध में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही परीक्षा की गोपनीयता बनाये रखने एवं कदाचारमुक्त कराने हेतु श्री कुमार द्वारा समय-समय पर परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किये जाने का जिक्र किया गया तथा एक परीक्षार्थी को पूरी परीक्षा से निष्कासित किये जाने के अतिरिक्त अन्य किसी तरह के अनियमितता की शिकायत, परीक्षा कक्ष के वीक्षक एवं केन्द्र पर उपस्थित उडनदस्ता टीम के द्वारा श्री कुमार के संज्ञान में नहीं लाये जाने की बात कही गई है।

3. श्री सुमन कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा सक्षम प्राधिकार द्वारा की गई। समीक्षोपरांत पाया गया कि, परीक्षा के सफल एवं कदाचारमुक्त संचालन का सम्पूर्ण दायित्व केन्द्राधीक्षक की होती है। ऐसे में श्री कुमार का यह कहना कि फुटेज उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी सहायक केन्द्राधीक्षक की थी, परीक्षा कक्ष के अनुशासन का दायित्व वीक्षक का था तथा वीक्षक द्वारा अनियमितता की कोई शिकायत उनके संज्ञान में नहीं लाई गई थी, उनके द्वारा अपने कर्तव्यों से बचने का प्रयास मात्र है। इस प्रकार श्री सुमन कुमार का स्पष्टीकरण पूर्णतः संतोषप्रद नहीं पाया गया। फलस्वरूप श्री सुमन कुमार के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-19 के तहत असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

4. अतएव बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (यथा संशोधित) नियमावली, 2007 के नियम-14 (v) एवं नियम-19 के आलोक में श्री सुमन कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सीतामढ़ी-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा सम्प्रति प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सोनपुर (छपरा) के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतनवृद्धि रोके जाने का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

5. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति श्री सुमन कुमार, तत्कालीन प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सीतामढ़ी-सह-केन्द्राधीक्षक, औ०प्र० संस्थान, घोघरडीहा सम्प्रति प्राचार्य, औ०प्र० संस्थान, सोनपुर (छपरा) को निर्बंधित डाक से उपलब्ध करायी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राजीव कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 18—571+15-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>